THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

युद्ध क्षेत्र की चुनौतियों को समझने के लिए सामूहिक दृष्टिकोण की जरूरत, पूर्व सेना प्रमुख बोले

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने आज चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में 'युद्ध क्षेत्र में सफलताएं : जीत के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग' विषय पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि युद्ध क्षेत्र की चुनौतियों को समझने और उन्हें कुशलता से पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण का उपयोग करने के लिए सामूहिक दृष्टिकोण की जरूरत है। जानकारी के मुताबिक ये कार्यक्रम पश्चिमी कमान ने सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज (सीएलएडब्ल्यूएस), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था।

वर्ष-29 अंक : 143 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण शु.9 2081 बुधवार, 14 अगस्त-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

यह गहराई वाला मामला है, चलते-चलते बात नहीं करूंगा : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के नए खुलासे भारत में एक बार फिर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार इस मामले पर बयान दे रहे हैं और सेबी की भूमिका को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

आज कांग्रेस के नेशनल ऑफिस में जब उनसे इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह एक गहराई वाला मामला है, इसपर वह चलते-चलते बात नहीं करेंगे बल्कि जल्द ही एक प्रेस कांफ्रेस करेंगे। हिंडनबर्ग रिसर्च ने खुलासा किया है कि सेबी चेयरमैन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच का उन ऑफशोर कंपनियों में हिस्सा रहा है जो अडाणी ग्रुप की वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी हुई रही हैं।

राहुल गांधी ने उठाए हैं गंभीर सवाल

जब हिंडनबर्ग रिसर्च ने सेबी प्रमुख को लेकर यह खुलासा किया तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश भर के ईमानदार निवेशकों के मन में सरकार के लिए कई सवाल हैं। सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच ने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया? अगर निवेशकों की गाढ़ी कमाई डूब जाती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सेबी अध्यक्ष या गौतम अडाणी? इस मामले पर सेबी की प्रमुख माधवी पुरी बुच एवं उनके पति ने रविवार को कहा कि यह सेबी की विश्वसनीयता पर हमला करने और चरित्र हनन करने की कोशिश है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि शेयर बाजार की सुरक्षा और उसपर निगरानी की जिम्मेदारी सेबी की है लेकिन सेबी ही आज सवालों के घेरे में आ गई है। इस बीच बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस एक बार फिर हिंडनबर्ग रिसर्च के जरिए एक साजिश का शिकार हुई है।

खड़गे ने प्रदेश प्रभारियों और अध्यक्षों के साथ बैठक की

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को सभी महासचिवों, राज्य इकाई प्रमुखों और पार्टी के राज्य प्रभारियों के साथ बैठक की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी, महासचिव जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल इस बैठक में शामिल हुए। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के अलावा जम्मू-कश्मीर में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में सहयोगी दलों के साथ सीट शेयरिंग, टिकट बंटवारा समेत कैंपेन को लेकर चर्चा की गई।

खड़गे ने बैठक के बाद बताया कि पार्टी बेरोजगारी, अग्निवीर, अनियंत्रित मुद्रास्फीति, किसान और जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को लेकर देशभर में कैंपेन शुरू करेगी। खड़गे ने कहा कि सेबी और अडानी के बीच "सांठगांठ के चौंकाने वाले खुलासे" की जांच की जरूरत है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, शेयर बाजार में छोटे निवेशकों के पैसे को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

भारतीय न्याय संहिता में धारा-377 शामिल करने की मांग

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में नए दंड कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में अननैचुरल सेक्स से जुड़े अपराधों के लिए प्रावधान शामिल किए जाने पर सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने पूछा कि क्या बीएनएस बिना सहमति के बनाए गए शारीरिक संबंधों की परमिशन देता है।

एक्टिंग सीजे मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने सवाल किया कि क्या बीएनएस धारा 377 के प्रावधानों के छूट जाने का मतलब यह निकाला जाए कि ऐसे कृत्य अब अपराध नहीं जाएंगे। बेंच ने इस मामले पर केंद्र की तरफ से पेश हुए वकील अनुराग अहलूवालिया को 10 दिन में सरकार का रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। अब निरस्त हो चुकी भारतीय दंड संहिता की धारा 377 किसी भी पुरुष, महिला या पशु के साथ अननैचुरल सेक्स को अपराध मानती थी। दरअसल, गंतव्य गुलाटी नाम के शख्स ने यह याचिका लगाई थी। इसमें कहा गया है कि देश में निरस्त हो चुकी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में शामिल धारा 377 के प्रावधान बीएनएस से बाहर रखे गए हैं।

'भारत-यूएस संबंधों को बनाने में एच1बी वीजा रहा अहम'

जयशंकर बोले-मुश्किल होने जा रहे हालात

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंधों को आकार देने में अमेरिका में मौजूद भारतीय मूल के लोगों की अहम भूमिका है। जयशंकर ने ये भी कहा कि दुनिया के मौजूदा हालात को देखते हुए अगले पांच साल का उनका पूर्वानुमान भयावह है। विदेश मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में पूरी दुनिया में अस्थिरता बढ़ सकती है।

भारतीय प्रवासी समुदाय की अमेरिका के साथ संबंधों में अहम भूमिका :

नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि शीत युद्ध की समाप्ति के साथ ही एच1बी वीजा ने भारत-अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। जयशंकर ने अपनी बात को समझाते हुए कहा कि जब पंडित नेहरू पहली बार अमेरिका दौरे पर गए थे तो उस वक्त अमेरिका में तीन हजार भारतीय मूल के लोग थे, जब इंदिरा गांधी पहली बार अमेरिका गईं तो वहां 30 हजार भारतीय मूल के लोग थे, जब राजीव गांधी गए तो अमेरिका में तीन लाख भारतीय मूल के लोग थे और जब नरेंद्र मोदी गए तो यह संख्या बढ़कर 33 लाख से ज्यादा हो चुकी है। विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने अपनी मेहनत, स्किल और प्रतिभा के दम पर अमेरिकी समाज में अपनी जगह बनाई है। लोग किसी भी देश के प्रतिनिधि होते हैं। जयशंकर ने कहा कि जब अमेरिका में लोग भारतीय प्रवासी समुदाय को देखते हैं, जो बहुत अच्छा कर रहे हैं, तो लोग कहीं न कहीं उन्हें देखकर भारत के बारे में अपने विचार बनाते हैं। यही वजह है कि भारतीय प्रवासी समुदाय हमारे लिए बेहद अहम रहा है।

जब से भारत और अमेरिका के संबंधों में सुधार देखा गया है, उसमें भू-राजनीतिक परिस्थितियों और शीत युद्ध की भूमिका रही है, लेकिन साथ ही भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने में उतनी ही सकारात्मक भूमिका निभाई है। एच-1बी वीजा एक गैर-प्रवासी वीजा है।

2036 में भारत की आबादी 152 करोड़ होगी

सेक्स रेशो बढ़कर 952 हो जाएगा, 15 साल से कम उम्र वालों में गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की जनसंख्या साल 2036 में 152.2 करोड़ तक हो सकती है। इसको लेकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय ने सोमवार (12 अगस्त) को एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि सेक्स रेशियो 2036 तक प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद है। जबकि 2011 में यह आंकड़ा 943 था।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जनसंख्या में महिलाओं के प्रतिशत में भी थोड़ा-बहुत सुधार देखने को मिल सकता है। साल 2011 में जनसंख्या का 48.5 प्रतिशत से बढ़कर 48.8 प्रतिशत होने की उम्मीद है। फर्टिलिटी रेट में गिरावट के चलते 15 साल से कम उम्र के लोगों का रेशियो साल 2011 के मुकाबले साल 2036 में घटने का अनुमान है। इस दौरान 60 साल और उससे ज्यादा उम्र की जनसंख्या का रेशियो में काफी तेजी से बढ़ेगा।

वोटिंग में महिलाओं की भागेदारी बढ़ी :

रिपोर्ट के मुताबिक 15वें आम चुनाव (1999) तक 60 प्रतिशत से भी कम महिला मतदाताओं ने हिस्सा लिया। वहीं, उस समय पुरुषों का मतदान प्रतिशत महिलाओं से 87 प्रतिशत ज्यादा था। हालांकि, इसके 15 साल बाद 2014 में वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़कर 65.6 प्रतिशत हो गई। 2019 में यह आंकड़ा और बढ़कर 67.2 प्रतिशत हो गई।

स्टार्ट-अप में भी पुरुषों के बराबर महिलाएं :

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने जनवरी 2016 में अपनी स्थापना के बाद से दिसंबर 2023 तक कुल 1,17,254 स्टार्ट-अप को मान्यता दी। इनमें से 55,816 स्टार्ट-अप महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। यह कुल मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप का 47.6 प्रतिशत है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि स्टार्ट-अप में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर है।

यूनाइटेड नेशन्स की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) ने अप्रैल 2024 में एक रिपोर्ट में दावा किया कि भारत की जनसंख्या पिछले 77 सालों में दोगुनी हो चुकी है। यह 144.17 करोड़ पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2006-2023 के बीच 23 प्रतिशत बाल विवाह हुए हैं। साथ ही डिलीवरी के समय होने वाली महिलाओं की मौतों की संख्या में कमी आई है। भारत ने इस साल के शुरूआत में सबसे ज्यादा 142.5 करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था।

आसाराम को सात दिन की पैरोल मिली

जोधपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को जोधपुर हाईकोर्ट से 7 दिन की पैरोल मिली है। आसाराम को पुणे के माधोबाग आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में इलाज के लिए पैरोल दी गई है। आसाराम की पैरोल जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी के कोर्ट में मंजूर हुई। आसाराम पिछले चार दिन से जोधपुर एम्स में भर्ती है। आसाराम को 11 साल बाद पैरोल मिली है।

आसाराम ने इलाज के लिए पैरोल एप्लिकेशन लगा रखी थी, लेकिन हर बार खारिज हुई। इससे पहले आसाराम को जोधपुर स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज के लिए पुलिस कस्टडी में अनुमति दी गई थी। वहां आसाराम ने पुणे के डॉक्टर्स की देखरेख में इलाज करवाया था। इसके बाद वापस तबीयत बिगड़ने पर इसे जोधपुर एम्स में भर्ती किया गया। आसाराम को 25 अप्रैल 2018 को जोधपुर की विशेष पास्को अदालत ने नाबालिग के साथ रेप का दोषी ठहराया था और उम्रकैद की सजा सुनाई थी। आसाराम 2 सितंबर 2013 से जेल में है। दो साल पहले गुजरात की एक अदालत ने आसाराम को 2013 में अपने सूरत आश्रम में एक महिला अनुयायी के साथ कई मौकों पर बलात्कार करने के लिए दोषी ठहराया था।

नागरिकों को सुरक्षा देने में बंगाल सरकार असक्षम, दोषियों को बचाने की हो रही कोशिश : अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले को लेकर सियासत तेज हो गई। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कोलकाता की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सरकार से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, कोलकाता में जो हुआ, वह निंदा जनक है। सरकार को इस मामले की जांच करनी चाहिए, लेकिन सरकार संदेह में है और बंगाल ही नहीं पूरे देश में इस घटना को लेकर विरोध हो रहा है। उन्होंने बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, पहले हम कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में जो कहते थे, वह सही है। बंगाल सरकार सुरक्षा देने में सक्षम नहीं है। यहां सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं है, वे आरोपियों की मदद कर रहे हैं।

आतंकवाद का मिलकर मुकाबला करेंगे भारत और आस्ट्रेलिया

14वीं सहयोग बैठक में दोनों देशों के बीच बनी सहमति

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और आस्ट्रेलिया मिलकर आतंकवाद का मुकाबला करेंगे। नई दिल्ली में दोनों देशों के संयुक्त कार्य समूह की 14वीं बैठक में आतंकवाद विरोधी मुद्दे पर चर्चा हुई। इसमें दोनों देशों के बीच आतंकवाद रोकने के उपायों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में भारत और आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों की निंदा की। साथ ही इससे निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली में हुई बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों ने घरेलू, क्षेत्रीय और वैश्विक आतंकवाद के आकलन पर चर्चा की। उन्होंने आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जा रहीं नई तकनीकों, इंटरनेट के दुरूपयोग, कट्टरपंथ और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने पर मंथन किया।

इसके अलावा बैठक में संगठित अपराध और आतंकवाद की सांठगांठ समेत अन्य आतंकवाद विरोधी चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस मामले में दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र, जीसीटीएफ, एफएटीएफ, एआरएफ, आईओआरए जैसे क्षेत्रीय, वैश्विक और बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक आतंकवाद से निपटने के लिए क्वाड भागीदारों के साथ सहयोग पर भी चर्चा की। बैठक में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (आतंकवाद विरोध) केडी देवल और आस्ट्रेलिया के विदेश मामलों और व्यापार के राजदूत रिचर्ड फीक्स ने तय किया कि अगली 15वीं बैठक कैनबरा में आयोजित की जाएगी।

सेना कमांडर ने सीमावर्ती इलाकों का किया दौरा

> *आतंकवाद विरोधी अभियानों का लिया जायजा*

जम्मू, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिलों में सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा की। सेना कमांडर ने दोनों जिलों के सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया और सैन्य बलों की तैनाती का आकलन किया। अधिकारियों ने बताया कि कमांडर ने आतंकवाद रोधी डेल्टा फोर्स के सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया और जवानों से बातचीत की।

उत्तरी कमान ने अपने एक्स पर कहा, लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने क्षेत्र में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा के लिए डोडा और किश्तवाड़ क्षेत्र में आतंकवाद रोधी बल (डेल्टा) के अग्रिम ठिकानों (सीमावर्ती इलाकों) का दौरा किया। सेना ने कहा कि कमांडर ने क्षेत्र में अतिरिक्त बलों की तैनाती के विकल्पों का आकलन किया। उन्होंने पुलिस और अर्धसैनिक बलों के साथ तालमेल बनाने पर भी जोर दिया। सेना ने कहा, सेना कमांडर ने सभी सैनिकों को अभियानों की गति को बनाए रखने के लिए कहा, ताकि चल रहे और आने वाले कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित हो।

पिछले दो महीनों से जम्मू डिवीजन के पहाड़ी जिलों पुंछ, राजौरी, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर में आतंकवादियों ने हमले किए हैं। आतंकवादियों की तलाश के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। चार दिन पहले कोकरनाग के अहलान गंडोले इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें सेना के दो जवान शहीद हो गए थे और एक नागरिक की मौत हो गई थी। तलाशी अभियान को किश्तवाड़-डोडा क्षेत्र तक बढ़ा दिया गया है। जम्मू डिवीजन के पहाड़ी जिलों में 40 से 50 कट्टर विदेशी आतंकियों के सक्रिय होने की रिपोर्ट के बाद, सेना ने 4,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है, इनमें विशिष्ट पैरा कमांडो और पर्वतीय युद्ध में प्रशिक्षित लोग शामिल हैं। इन जिलों के घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों ने सेना, अर्धसैनिक बलों और नागरिकों के खिलाफ हिट-एंड-रन हमलों को अंजाम दिया है।

अजित बोले- सुप्रिया के खिलाफ पत्नी को चुनाव लड़ाना गलती

राजनीति को घर में घुसने नहीं देना चाहिए; सुप्रिया ने सुनेत्रा को हराया था

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में पत्नी सुनेत्रा पवार को चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ाना गलती थी। उन्होंने कहा कि राजनीति को घर में नहीं आने देना चाहिए। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा सीट से सुप्रिया सुले जीत हासिल की थी। उन्होंने सुनेत्रा पवार को 158333 वोटों से हराया था। सुप्रिया को 732312 वोट मिले थे। सुनेत्रा को 573979 वोट मिले थे। हालांकि, सुनेत्रा पवार बाद में राज्यसभा के लिए चुनी गईं थीं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अजित पवार पूरे राज्य में जन सम्मान यात्रा निकाल रहे हैं। उन्होंने मंगलवार (13 अगस्त) को मराठी न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में यह बात कही। वहीं, अजित के बयान पर सुप्रिया सुले ने कहा है कि मुझे उनके बयान के बारे में नहीं पता है।

महाराष्ट्र डिप्टी सीएम अजित ने कहा- मैं अपनी सभी बहनों से प्यार करता हूं। राजनीति को घर में घुसने नहीं देना चाहिए। मैंने अपनी बहन के खिलाफ सुनेत्रा को मैदान में उतारकर गलती की। ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन संसदीय बोर्ड (एनसीपी अजति पवार) ने फैसला किया था, लेकिन अब मुझे लगता है कि यह गलत फैसला था। रक्षाबंधन पर बहनों से राखी बंधवाने जाने के सवाल पर अजित ने कहा कि मैं इस समय दौरे पर हूं, यदि मैं और मेरी बहनें रक्षाबंधन पर एक ही जगह मौजूद रहे तो मैं उनसे मिलने जरूर जाऊंगा।

उन्होंने कहा कि चाचा शरद पवार सीनियर लीडर हैं और हमारे परिवार के मुखिया हैं। मैं उनकी किसी भी आलोचना का जवाब नहीं दूंगा। महायुति के सहयोगियों को भी समझना चाहिए कि वे चाचा शरद पवार पर क्या बोल रहे हैं। जब हम साथ बैठते हैं तो मैं अपनी राय व्यक्त करता हूं।

अजित ने यह भी कहा कि मैंने केवल किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर बोलने का फैसला किया है। मैं अपने खिलाफ आलोचना का जवाब नहीं दूंगा। मुख्यमंत्री लड़की बहन योजना का उद्देश्य महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

महाराष्ट्र में इस वक्त बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) की सरकार है। इसका कार्यकाल 8 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। अक्टूबर 2024 में चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 2019 में चुनाव हुए थे। बीजेपी 106 विधायकों के साथ राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना और बीजेपी गठबंधन में बात नहीं बन पाई। 56 विधायकों वाली शिवसेना ने 44 विधायकों वाली कांग्रेस और 53 विधायकों वाली एनसीपी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी बनाकर सरकार बनाई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। मई 2022 महाराष्ट्र सरकार में नगर विकास मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 39 विधायकों के साथ बगावत कर दी। वह बीजेपी के साथ मिल गए। 30 जून 2022 को एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के 20वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

इसके साथ ही शिवसेना पार्टी दो गुटों में बंट गई। एक धड़ा शिंदे गुट और दूसरा उद्धव गुट का बना।

17 फरवरी, 2023 को चुनाव आयोग ने आदेश दिया कि पार्टी का नाम 'शिवसेना' और पार्टी का चुनाव चिह्न 'धनुष और तीर' एकनाथ शिंदे गुट के पास रहेगा।

मुनव्वर फारूकी ने हाथ जोड़कर मांगी माफी!

कोंकणी समुदाय को लेकर कही थी भद्दी बात

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुनव्वर फारूकी और विवादों का चोली-दामन का साथ है। ऐसा लगता है कि जैसे ही वो कुछ बोलते हैं, वो विवाद बन जाता है। एक बार तो इसी चक्कर में वो जेल की हवा भी खा चुके हैं। फिलहाल जो मामला है, वो मुंबई में हुए उनके एक प्रोग्राम का है, जिसमें उन्होंने दर्शकों से बातचीत के दौरान कोंकणी समुदाय के लिए ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया कि कुछ लोग आहत हो गए। इतने आहत हुए कि उन्हें पीटने वाले को 1 लाख रुपये ईनाम देने तक का ऐलान कर दिया। धमकी तक दे डाली कि अगर उन्होंने माफी नहीं मांगी तो उन्हें पाकिस्तान भेज देंगे। खैर। मामला बढ़ता देख मुनव्वर ने वीडियो जारी करके हाथ जोड़कर माफी भी मांग ली है। जानिए क्या है पूरा मामला।

'बिग बॉस 17' के विनर मुनव्वर ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें वो कह रहे हैं, 'मैं यहां पर कुछ क्लियर करने आया हूं। कुछ वक्त पहले एक शो हुआ था, जिसमें जोक भी नहीं किया गया। क्राउड वर्क था। दर्शकों से बातचीत हो रही थी। उसके चलते कोंकणी लोगों के बारे में कोई बात निकली। वो चीज थोड़ा आउट ऑफ कॉन्टैक्स्ट गई। कुछ लोगों को लगता है कि मैंने कोंकणी कम्युनिटी के बारे में बोला है। कोंकणी का मजाक उड़ाया है। नहीं दोस्तों! मेरा इरादा बिल्कुल भी ऐसा नहीं है।'

मुनव्वर फारूकी के कोंकणी समुदाय पर टिप्पणी करने के बयान के बाद मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के ट्रस्टी और विधायक सदा सरवणकर इतने नाराज हुए कि उन्होंने मुनव्वर को पीटने वाले को 1 लाख रुपये का ईनाम देने का ऐलान कर दिया। दूसरी तरफ बीजेपी नेता नितेश राणे का भी गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने मुनव्वर को 'सांप' कहते हुए पाकिस्तान भेजने तक की बात कह दी। स्टैंड-अप कॉमेडियन ने आगे कहा, 'मैं अभी भी वही कहना चाहूंगा कि वो क्राउड वर्क था और उसी दौरान मेरे मुंह से वो चीज निकली। लेकिन मैंने अभी देखा कि कुछ लोगों को बुरा लग रहा है। तो बतौर स्टैंड-अप कॉमेडियन और जो मेरा काम है हंसाने का मैं नहीं चाहता कि कोई भी हर्ट हो। मैं बिल्कुल भी नहीं चाहूंगा कि किसी भी एंगल से कोई हर्ट हो। मैं तहे दिल से आप लोगों से माफी मांगना चाहूंगा। शो पर सब लोग थे। मराठी, मुस्लिम... सब लोग थे। लेकिन जब इंटरनेट पर इस तरह की चीज आती है तो पता चलता है। मैं माफी मांगता हूं। जय महाराष्ट्र, जय हिंद।'

साल 2021 की बात है। मुनव्वर पर आरोप लगा था कि उन्होंने अपने प्रोग्राम में हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाया था, जिसके बाद बहुत सारे लोग भड़क गए थे। विवाद इतना बढ़ गया कि उनके इवेंट कैंसिल करा दिए गए। यहां तक कि जेल की हवा भी खानी पड़ी थी।

हाईकोर्ट का फूटा गुस्सा, कहा-मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को क्यों बचा रहे; दिए निर्देश

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर की दुष्कर्म और हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच यह मामला कलकत्ता हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। कई जनहित याचिकाओं के दायर होने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए किसी के पद से इस्तीफा देने के बाद उसकी किसी और सरकारी कॉलेज में नियुक्ति कैसे की जा सकती है। साथ ही उन्होंने आज दोपहर तीन बजे से पहले संदीप घोष को छुट्टी का आवेदन जमा करने को कहा। इसके साथ ही आज दोपहर एक बजे अदालत में मामले की केस डायरी दाखिल करने का निर्देश दिया था।

पीठ के निर्देश पर पश्चिम बंगाल सरकार ने दोपहर एक बजे केस डायरी पेश की। इसके बाद

अदालत ने मामले की सुनवाई दोपहर तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

बता दें, आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल पद से प्रोफेसर (डॉ.) संदीप घोष ने कल इस्तीफा दे दिया था। उसके कुछ ही समय बाद ही उन्हें कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में नियुक्त कर दिया गया था।

याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवागनानम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि जांच में कुछ गायब है और पूछा कि क्या मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष का बयान दर्ज किया गया था, इस पर राज्य के वकील ने ना में जवाब दिया। खंडपीठ में न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य भी शामिल हैं। हाईकोर्ट ने आगे कहा कि अगर प्रिंसिपल ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया था तो उन्हें किसी अन्य सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में कैसे नियुक्त किया जा सकता है। साथ ही अदालत ने आज दोपहर तीन बजे तक छुट्टी का आवेदन जमा करने का आदेश दिया। साथ कहा कि अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो अदालत उन्हें पद छोड़ने का आदेश देगी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पूछा कि यहां सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में हत्या का मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया और अप्राकृतिक मौत का मामला क्यों नहीं शुरू किया गया।

इस पर पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने बताया कि अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, हत्या की तत्काल कोई शिकायत नहीं है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि स्नातकोत्तर प्रशिक्षु का शव सड़क किनारे नहीं मिला और अस्पताल के अधीक्षक या प्रिंसिपल शिकायत दर्ज करा सकते थे। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि हत्या इतनी भयावह थी कि डॉक्टरों और प्रशिक्षुओं द्वारा अपनी पीड़ा जाहिर करना सही था। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य को आंदोलनकारी डॉक्टरों के साथ बातचीत करनी चाहिए। इस बीच, राज्य सरकार के वकील ने दावा किया कि कोलकाता पुलिस मामले में पारदर्शी जांच कर रही है।

अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि वह एक प्रशासनिक पद पर नियुक्त रह सकते हैं, लेकिन उनसे सबसे पहले पूछताछ होनी चाहिए थी। कोर्ट ने राज्य के वकील से भी पूछा कि आप उन्हें क्यों बचा रहे हैं। उनका बयान दर्ज करें। वह जो कुछ भी जानते हैं उन्हें बताने दो।

जगदम्बिका पाल वक्फ विधेयक संशोधन की जांच करने वाली जेपीसी के अध्यक्ष

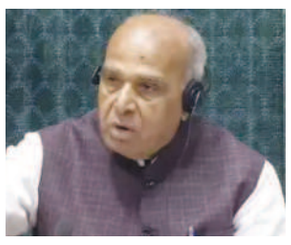

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के लोकसभा से सांसद जगदम्बिका पाल को मंगलवार को संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) का अध्यक्ष बनाया गया है। यह समिति विवादास्पद वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच करेगी। लोकसभा से जारी अधिसूचना के मुताबिक अध्यक्ष ओम बिरला ने पाल को 31 सदस्यीय समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। लोकसभा में विपक्ष के प्रावधानों पर विरोध के बाद सरकार ने विधेयक को दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया था। संयुक्त समिति में 31 सदस्य हैं - 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से - और यह अगले संसद सत्र तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

भ्रामक विज्ञापन मामले में रामदेव-बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली , 13 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य बालकृष्ण को बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले में दोनों के खिलाफ अवमानना के मामले को बंद कर दिया है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस पर 14 मई को अपना आदेश सुरक्षित रखा था। सर्वोच्च न्यायालय भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें कोविड टीकाकरण

अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के खिलाफ पतंजलि पर बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगा है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 21 नवंबर 2023 के अपने आदेश में कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने आश्वासन दिया है कि ''इसके बाद किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा, खासतौर से इसके द्वारा निर्मित उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के संबंध में ऐसा नहीं किया जाएगा।

इसके अलावा औषधीय प्रभावों का दावा करने वाले या किसी भी चिकित्सा प्रणाली के खिलाफ कोई भी आकस्मिक बयान किसी भी रूप में मीडिया को जारी नहीं किया जाएगा।'' सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद इस आश्वासन के प्रति बाध्य है।

15 अगस्त को केजरीवाल की जगह आतिशी झंडा नहीं फहराएंगी

एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने सीएम की मांग नहीं मानी, एलजी बोले- धन्यवाद

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में दिल्ली सरकार की तरफ से 15 अगस्त को हर साल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल झंडा फहराते हैं। शराब नीति मामले में तिहाड़ में बंद होने के कारण उन्होंने मांग की थी कि आतिशी इस बार झंडा फहराए, लेकिन दिल्ली सरकार के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने सीएम केजरीवाल का यह प्रस्ताव खारिज कर दिया है।

दरअसल, कल (12 अगस्त को) जीएडी के मंत्री गोपाल राय

ने एडिशनल चीफ सेक्रेटरी नवीन कुमार को पत्र लिखकर कहा- मैं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलकर आया हूं। वे चाहते हैं कि 15 अगस्त वाले इवेंट में आतिशी झंडा फहराए। इसके लिए तैयारी करें।

इसके बाद जीएडी के एसीएस ने गोपाल राय को पत्र लिखकर कहा- आतिशी के झंडा फहराने का निर्देश कानूनन सही नहीं है। केजरीवाल का मैसेज जेल के बाहर भेजे जा सकने वाले कम्युनिकेशन की कैटेगरी में नहीं आता है। इसलिए आतिशी के झंडा फहराने के निर्देश पर कार्यवाही नहीं की जा सकती है। इसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल ने एसीएस नवीन कुमार को धन्यवाद कहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं- टैक्स पर सवाल पूछना पसंद नहीं

निर्मला सीतारमण ने कहा- देश के सामने बहुत सारी चुनौतियां

भोपाल, 13 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि लोग टैक्स पर सवाल करते हैं, ये बात मुझे बिलकुल पसंद नहीं है। वित्त मंत्री ने ये बात भोपाल में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही।

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'लोग सवाल पूछते हैं कि इतने सारे टैक्स क्यों हैं, ये बात मुझे बिलकुल पसंद नहीं है। मैं चाहती हूं कि टैक्स को जीरो पर लेकर आऊं, लेकिन देश के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं। उसके लिए फंड की जरूरत है। हमारे देश और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर बहुत सारे कमिटमेंट हैं। हम इस बात का इंतजार नहीं कर सकते कि दूसरे हमें पैसे दें, इसीलिए हम खुद पैसा खर्च कर रहे हैं। उसके लिए बहुत सारे पैसों की जरूरत रहती है।'

इस दौरान उन्होंने भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान परिसर में शैक्षणिक भवन और व्याख्यान कक्ष का शिलान्यास किया। साथ ही 442 शोधार्थियों को डिग्रियां भी दीं। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे। वित्तमंत्री ने कहा कि भारत में चीन के विद्यार्थी पढ़ने आ रहे हैं। समाज को आपके ज्ञान का फायदा तब मिलेगा जब आप मिले हुए ज्ञान को समाज में बांटेंगे। इस संस्थान में बहुत से छात्र केरल और बंगाल के हैं। आईआईएसईआर ने 3 हजार पेपर पब्लिश किए हैं। देश भर में रैंकिंग भी अच्छी है। यहां के छात्रों की मेहनत से 8 से 9 पेटेंट हैं। केरल और बंगाल के छात्र बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं। आदि शंकराचार्य केरल से आते हैं। ज्ञान की गहराई वाले राज्य के छात्र आगे बढ़ रहे हैं। बनारस का अलग ही ज्ञान है। बनारस से लेकर केरल तक इंडियन ट्रेडिशन है।

निर्मला सीतारमण ने नई तकनीक के साथ रिसर्च करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डेटा साइंस के क्षेत्र में ज्यादा रिसर्च करने की जरूरत है। 4 जी नेटवर्क ने काफी परेशान किया है। आज 5जी की वजह से देशभर में अच्छी कनेक्टिविटी है। इंडिया आज एडवांस केमिस्ट्री के साथ काम रहा है। रीन्यूएबल एनर्जी के सेक्टर में ज्यादा स्कोप है। सोलर से पैदा होने वाली बिजली को स्टोर किया जा सकता है। थर्मल पावर से एनर्जी बन रही है। काम के साथ में साइंस में नए प्रयोग करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- निर्मला सीतारमण सशक्त वित्त मंत्री हैं। उनके नेतृत्व में हम आर्थिक क्षेत्र में लगातार तरक्की कर रहे हैं। हम सब जानते हैं, नॉलेज के आधार पर हमारी भूमिका महत्वपूर्ण होने वाली है। इलेक्ट्रिकल समय आया है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एकमात्र राज्य है जिसमें तीन ट्रिपल आईटी है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्राइवेट भागीदारी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में 6 ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना कर रहे हैं। पीएम एक्सीलेंस कॉलेज की स्थापना की है। बच्चों में विज्ञान के कारण के नवीन कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।

पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बनेगी योजना

पीएम ने दिया संसाधनों में कमी न होने का भरोसा: राज्यपाल

तिरुवनंतपुरम, 13 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिया है कि वायनाड जिले में भूस्खलन प्रभावितों की मदद के लिए संसाधनों को मुहैया कराने में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि अब यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इसके

लिए कैसे विस्तृत योजना बनाती है। राज्यपाल ने कहा, ₹पीएम मोदी ने खास तौर पर पीड़ितों के पुनर्वास के लिए दीर्घकालिक योजना बनाने की बात कही है और उन्होंने आश्वासन दिया कि वायनाड भूस्खलन के सभी पीड़ितों के पुनर्वास में संसाधनों की कमी आड़े नहीं आएगी। पीएम मोदी के आश्वासन के बाद मैं बहुत आश्वस्त महसूस कर रहा हूं।"

कठुआ में आतंकियों के 8 मददगार गिरफ्तार

26 जून को मारे गए 3 आतंकियों को बॉर्डर पार कराने में मदद की, खाना-शेल्टर मुहैया कराया

श्रीनगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पुलिस ने सोमवार (12 अगस्त) को 8 ओवर ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया है। जैश आतंकी मॉड्यूल के इन वर्कर्स ने 26 जून को डोडा में मारे गए 3 जैश के आतंकियों की मदद की थी।

इन ओवर ग्राउंड वर्कर्स ने आतंकियों को बॉर्डर पार करने के बाद डोडा के जंगल और पहाड़ियों तक पहुंचाने में मदद की थी। साथ ही उन्हें खाना और रहने के लिए जगह भी मुहैया कराई थी। आतंकी मॉड्यूल के ये वर्कर्स पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर्स से भी संपर्क में थे। 26 जून के एनकाउंटर के बाद सेंट्रल एजेंसियों ने ही पुलिस को इन वर्कर्स के गंडोह में छिपे होने की जानकारी दी थी। पुलिस ने बताया कि इनपुट मिलने के बाद गंडोह में 50 से ज्यादा लोगों की पूछताछ की गई थी। सबूत मिलने और पूछताछ में आतंकियों की मदद करने की बात कबूलने पर 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि इस आतंकी मॉड्यूल का सरगना मोहम्मद लतीफ था। वह कठुआ के अम्बे नाल इलाके में रहता था। जैश आतंकियों के हैंडलर्स से लतीफ ही मुख्य रूप से संपर्क करता था।

लतीफ ही तय करता था कि नेटवर्क में किसे शामिल करना है और किसे नहीं। गिरफ्तार किए गए लोगों में लतीफ के अलावा अख्तर अली, सद्दाम कुशल, नूरानी, मकबूल, लियाकत और कासिम हैं। ये सभी कठुआ के ही रहने वाले थे।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गंडोह में 3 और आतंकियों को मार गिराया गया है। हालांकि, इसकी अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

मुरैना में तालाब फूटा 4 गांवों में पानी भरा

अधिकारी बोले-चूहों के बिल की वजह से हादसा हुआ

सबलगढ़ (मुरैना), 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुरैना जिले के सबलगढ़ में मंगलवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे टोंगा तालाब फूट गया। इसका पानी 4 गांवों- कुतघान का पुरा, कोरी का पुरा, पासौन और देवपुर में भर गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि 20 गांवों में खतरे का अलर्ट जारी किया गया। ग्रामीणों ने कहा, '135 साल पुराने इस तालाब में सोमवार शाम करीब 4 बजे मिट्टी बहने से छेद हुआ था। यह मंगलवार सुबह 5 बजे तक 15 इंच तक बढ़ गया। सोमवार को ही एक्शन लिया जाता तो ऐसे हालात नहीं बनते।'

वहीं, जल संसाधन विभाग के चीफ एक्जीक्यूटिव इंजीनियर दिनेश रत्नाकर ने कहा, 'सोमवार दोपहर 12 बजे ही तालाब का निरीक्षण किया गया था। ऐसा कुछ नहीं मिला, जिससे तालाब के फूटने की आशंका हो। चूहों के बिल बनाने की वजह से हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने इससे पहले ऐसी कोई भी शिकायत नहीं की थी।' उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों के किसी भी मकान में पानी नहीं भरा है। जनहानि-पशुहानि की कोई सूचना नहीं मिली है। फिलहाल तालाब से पानी निकलने का सुरक्षित रास्ता बना दिया गया है। हालात कंट्रोल में हैं।

राम रहीम को हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले फरलो

21 दिन बाहर रहेगा; आश्रम जाते वक्त काफिले के आगे एसयूवी रुकी, दो लोग उतरकर भागे

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में रोहतक की सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के काफिले के आगे अचानक एक अनजान एसयूवी गाड़ी ने आकर सनसनी फैला दी। काफिले के आगे गाड़ी रुक गई और 2 युवक उसमें से उतरकर भागे।

संदिग्ध युवकों की एक्टिविटी देख पुलिस भी फौरन गाड़ी के पास आकर उसकी तलाशी ली। साथ ही भाग रहे युवकों का पीछा किया। उनमें से एक युवक को पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि दूसरा भागने में कामयाब रहा। वहीं, गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें से नशीला पदार्थ बरामद हुआ।

इस पर रोहतक के डीएसपी विरेंद्र सिंह ने बताया है कि गाड़ी में बोरियां थीं, जिनमें डोडा पोस्त भरा था। एक आरोपी को काबू किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी राजस्थान

से इसे लेकर आए हैं। पुलिस रिमांड में आरोपी से पूछताछ की जाएगी। साध्वियों के यौन शोषण और कत्ल केस में सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उसकी 21 दिन की फरलो मंजूर हुई है। हालांकि, काफिले के आगे गाड़ी आने की घटना से राम रहीम का काफिला रुका नहीं। वह जेल से बाहर निकलने के बाद उत्तर प्रदेश के बागपत में बरनावा आश्रम पहुं गया।

2 दिन पहले ही पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को कहा था कि वह राम रहीम को सोच-समझकर ही फरलो या पैरोल दे। इसके बाद सरकार ने राम रहीम को इस शर्त पर फरलो दी कि वह सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा में नहीं जाएगा। वह पूरे 21 दिन बागपत स्थित बरनावा आश्रम में रहेगा।

बरनावा आश्रम पहुंचकर राम रहीम ने 23 सेकेंड का वीडियो जारी किया। जिसमें कहा- ''प्यारी साध संगत जी, आपके दर्शनों के लिए फिर से हाजिर हुए हैं। आप अपने-अपने घरों में रहना है। किसी ने यहां नहीं आना। जैसे ही सेवादार-जिम्मेदार आपको बताएंगे, उसी हिसाब से सेवा करनी है। सबको बहुत-बहुत आशीर्वाद।''

इससे पहले 10 अगस्त को हाईकोर्ट ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें राम रहीम को बार-बार पैरोल या फरलो देने पर सवाल उठाए गए थे। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार ऐसे मुद्दों पर निर्णय लेने में सक्षम है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 14 अगस्त, 2024 3

युविचार

जब लोग आपको न समझने के कारण आपकी बात नहीं सुनते हैं, तब परमात्मा आपका साथ देते हैं

हम सभी को कचरे के मूल्य को पहचानना होगा : लीना नंदन

सर्कुलर इकोनॉमी तथा अपशिष्टों के पुनर्चक्रण से संबंधित तेलंगाना सरकार द्वारा कार्यान्वित नीतियों पर चर्चा

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार लीना नंदन ने आज नगर के एक होटल में सर्कुलर इकोनॉमी तथा अपशिष्टों के पुनर्चक्रण एवं नवीनीकरण से संबंधित तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित नीतियों पर आयोजित बैठक में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें अपशिष्ट पुनर्चक्रण क्षेत्र में कौशल विकास की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। तदनुसार, उस आवश्यकता को पूरा करने के लिए नीतिगत पहलों और परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहनों की आवश्यकता सहित सिफारिशें आमंत्रित की जाती हैं।

पुनर्चक्रण और परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में चुनौतियों पर चर्चा की जानी चाहिए और उनका समाधान किया जाना चाहिए। उद्योग और नगरपालिका प्रशासन मुख्य हितधारक हैं। व्यवहार्यता के मुद्दों को संबोधित किया जाना चाहिए। पुनर्चक्रण इकाइयां समूहों में आ सकती हैं, जो पूंजी और अन्य लागतों को कम करने में सहायता करती हैं। उन्होंने कहा कि बैटरियों को पुनर्चक्रित करने की क्षमता संग्रह क्षमता से अधिक है। पुनर्चक्रण के तहत वाहनों के लिए स्पेयर इन्वेंट्री बहुत अधिक है। जी 20 प्रेसीडेंसी के दौरान भारत ने परिपत्र अर्थव्यवस्था और संसाधन दक्षता पर कई पहल की हैं। परिपत्रता को हमारी मूल्य श्रृंखला में अंतर्निहित करना होगा। हम सभी को कचरे के मूल्य को पहचानना होगा कि हम नए सामग्री के लिए कचरे को खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम व्यवस्थित संग्रह और कचरे के पृथक्करण में अधिक मजबूत मूल्य श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करेंगे। कुशल परिपत्रता में निहित खतरों को दूर करने के लिए छात्रों को कौशल और मशीनीकरण के साथ-साथ पृथक्करण सिखाया जाना चाहिए। हम कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित करेंगे तथा रीसाइक्लिंग के विचारों को उद्योग जगत में आत्मसात करेंगे।

हमें अपशिष्ट प्रबंधन में कौशल विकास की आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना होगा। रीसाइक्लिंग के लिए क्षमता उपयोग की आवश्यकता होगी तथा हम प्रासंगिक अपशिष्ट का आयात भी करेंगे, जब तक कि स्थानीय स्तर पर अपशिष्ट एकत्र करने के लिए एक मजबूत ढांचा नहीं बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मिशन सर्कुलर इकोनॉमी तेलंगाना सरकार का एक फोकस क्षेत्र है। पहले हम गांवों, पानी, जंगलों और हर जगह केवल जैविक कचरा देखते थे, अब हमारे पास प्लास्टिक कचरा है। गांव स्तर पर हमने कचरा पृथक्करण सुविधा और गीले कचरे से खाद बनाने की सुविधा बनाई है। 15000 नर्सरी गांवों और कस्बों में पूर्ण मूल्य श्रृंखला समर्थन के साथ सचिवालय बैग, बॉक्स और बोतल से शुरू होने वाले एकल उपयोग प्लास्टिक का उन्मूलन। ये तीन पहल जिलों तक भी पहुंच गई हैं। अलग-अलग कचरे और नर्सरी के लिए कुछ अवसर बहुत हैं। हम रिसाइकिलर्स को कचरे तक पहुंच प्रदान कर सकते हैं। उद्योग अभी तक काफी हद तक विकसित नहीं हुआ है, लेकिन हम पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार हैं, हमें टाटा से 2000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मिलेगा।

वन क्षेत्रों में कचरा डंपिंग जैसी चुनौतियां। तेलंगाना की मुख्य सचिव और टीजीपीसीबी की अध्यक्ष ए शांति कुमारी ने कहा, चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और कचरे के पुनर्चक्रण के लिए पूर्ण समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यावरण अहमद नदीम ने बताया कि टी-आइडिया तेलंगाना राज्य औद्योगिक विकास और उद्यमी उन्नति प्रोत्साहन योजना सहित प्रोत्साहनों की पेशकश की गई है, जो अपशिष्ट से संपदा परियोजनाओं के साथ-साथ नए उद्योगों को प्रोत्साहित करती है, जिसमें स्टाम्प ड्यूटी/ट्रांसफर ड्यूटी की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति - 25 प्रतिशत (अधिकतम 10 लाख), आईई/आईपी में भूमि लागत में 25 प्रतिशत छूट, (5.00 लाख रुपये तक सीमित), स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए किए गए खर्च की प्रतिपूर्ति, 15 प्रतिशत निवेश सब्सिडी (अधिकतम 20 लाख), वैट/सीएसटी/एसजीएसटी की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (5 वर्षों के लिए), कौशल उन्नयन में शामिल लागत की 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति और बिजली लागत प्रतिपूर्ति- डीसीपी से 5 वर्षों के लिए 1.00 रुपये प्रति यूनिट है।

डिप्टी सीएम व मंत्री ने सामाजिक कल्याण स्कूल का दौरा किया

> ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सावधानियां बरतनें का निर्देश

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास, अदलूरी लक्ष्मण कुमार, एमएलसी जीवन रेड्डी, विधायक कव्वमपल्ली सत्यनारायण, मेडिपल्ली सत्यम, संजय कुमार जगतियाला के मेटपल्ली मंडल पेद्दापुर में सामाजिक कल्याण स्कूल का दौरा किया। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क और मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हाल ही में पेद्दापुर गुरुकुल स्कूल में मृत छात्रों गुणधित्य और अनिरुद्ध के माता-पिता से मुलाकात की। घटना के बारे में प्राचार्य समेत छात्रों व उनके अभिभावकों से पूछताछ की गयी। छात्रों के अभिभावकों ने गुरुकुलों की समस्याओं से उपमुख्यमंत्री व मंत्री को अवगत कराया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सोचा गया था कि तेलंगाना के आने के बाद राज्य में हालात बेहतर होंगे। गुरुकुल तो शुरू कर दिए गए लेकिन आसपास की इमारतों का निर्माण नहीं कराया गया। मेस शुल्क का भुगतान भी नहीं किया गया। बीसी, एससी, एसटी, माइनॉरिटी में पढ़ने वाले आईएएस आईपीएस बन गए। उन्होंने कहा कि प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम, टीजीपीएससी महेंदर रेड्डी, वित्त सचिव रामकृष्ण ने भी यहां पढ़ाई की है। डिप्टी सीएम ने सभी गुरुकुलों में मेस शुल्क बढ़ाने, भवन निर्माण, डाइनिंग हॉल, बेड, फर्नीचर आदि की व्यवस्था करने के लिए स्कूलों में बैठकें आयोजित की हैं। शिक्षा और कल्याण के लिए धन आवंटित किया गया है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सावधानियां बरतनी चाहिए। गुरुकुलों का निरीक्षण करने तथा आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा अस्पताल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन किया जाना चाहिए। डिप्टी सीएम खम्मम से सीधे यहां आये जहां कई कार्यक्रम हैं। सरकार को अभिभावकों का दर्द समझना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए। आपके योगदान से बदलाव आना चाहिए। यहां प्रवेश इतना आसान नहीं है। परीक्षा आयोजित करने के बाद उन्हें अपने कौशल के आधार पर सीट मिलती है। आवास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेस शुल्क के लिए ग्रीन चैनल स्थापित किया जाए। बच्चों के भोजन की गुणवत्ता को लेकर और भी उपाय किये जाने चाहिए।

ड्राइवर की दरियादिली से बच गई यात्री की जान

टीजीएसआरटीसी ने ड्राइवर का किया सम्मान

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी बस के ड्राइवर ने उदारता दिखाते हुए दौरा पड़ने वाले एक यात्री को अस्पताल में भर्ती कराया। बस को सीधे अस्पताल ले जाया गया और यात्री की जान बचा ली गई। वारंगल-2 डिपो की एक सुपर लग्जरी बस सोमवार को हैदराबाद से हनमाकोंडा जा रही है। हैदराबाद के उपनगर घटकेसर से गुजरने के बाद बस में यात्री संतोष को अचानक दौरा पड़ा। साथी यात्रियों ने इसे देखा और ड्राइवर बी. वेंकन्ना का ध्यान इस ओर दिलाया। बस तुरंत रुकी और ड्राइवर ने उस यात्री की जांच की जिसे दौरे पड़े थे। उन्होंने कहा कि महसूस करते हुए कि स्वास्थ्य की स्थिति बिगड़ रही है, वे साथी यात्री श्रीनिवास की मदद से बस को बीबीनगर के नजदीकी एम्स अस्पताल ले गए। संतोष को अस्पताल में भर्ती कराया गया। समय रहते संतोष को अस्पताल ले जाया गया और उसकी जान बचा ली गई। यात्री को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले आरटीसी ड्राइवर बी. वेंकन्ना को मंगलवार को हैदराबाद बस भवन में टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने बधाई दी। उन्हें टीजीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सम्मानित किया। सज्जनार ने कहा कि आरटीसी कर्मचारी आपातकाल के समय में अमूल्य सेवा दिखा रहे हैं। यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने के अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए भी उनकी सराहना की जाती है कि वे जरूरत के समय वहां मौजूद हैं। उन्होंने संतोष को अस्पताल पहुंचाने में ड्राइवर की मदद करने वाले यात्री श्रीनिवास और इलाज करने वाली एम्स की मेडिकल टीम को बधाई दी। इस सम्मान कार्यक्रम में कार्यकारी निदेशक मुनिशेखर, कृष्णकांत, मुख्य यातायात प्रबंधक श्रीदेवी, वारंगल-2 डिपो प्रबंधक ज्योस्ना और अन्य ने भाग लिया।

कृष्णा जल बंटवारे को 50:50 अनुपात में करने पर जोर

राज्य सरकार ने न्यायाधिकरण से किया अनुरोध

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण (केडब्ल्यूडीटी-II) से अनुरोध किया है कि वह अंतिम निर्णय आने तक जल वर्ष 2024-25 से दोनों तेलुगु राज्यों द्वारा बेसिन में उपलब्ध जल का 50:50 के अनुपात में उपयोग करने के आदेश जारी करे। आंध्र प्रदेश द्वारा न्यायाधिकरण के समक्ष दायर मामले के विवरण (एसओसी) पर अपना जवाब प्रस्तुत करते हुए तेलंगाना ने तर्क दिया कि जल वितरण के लिए परिचालन प्रोटोकॉल तैयार करने के बारे में राज्यवार और परियोजनावार हिस्सेदारी के निर्धारण के बाद ही सोचा जा सकता है, इसलिए प्रत्येक राज्य की राज्यवार और परियोजनावार हिस्सेदारी पहले निर्धारित की जाएगी। इसके बाद, आवंटन के अनिवार्य अंतिम निर्धारण के पूरा होने के बाद ही एक स्वतंत्र एजेंसी या अन्यथा द्वारा एक प्रभावी परिचालन प्रोटोकॉल विकसित किया जा सकता है लेकिन 66:34 के अनुपात में तदर्थ जल बंटवारा व्यवस्था केवल एक वर्ष के लिए है। जब तक न्यायाधिकरण अपना अंतिम फैसला नहीं सुनाता, राज्य ने तत्काल प्रभाव से 50:50 के अनुपात में उपलब्ध जल का उपयोग करने पर जोर दिया है।

एंटी-रैगिंग समितियां मजबूत करें शिक्षण संस्थान

छात्र संघ नेताओं के साथ मिलकर करें काम : कमिश्नर

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शैक्षणिक संस्थानों के प्राचार्यों से अपने परिसर में एंटी-रैगिंग समितियों को मजबूत करने और अपने संस्थानों में किसी भी प्रकार की रैगिंग को रोकने के लिए उपाय शुरू करने को कहा है। यह परामर्श राज्य में नए शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत पर जारी किया गया है। पुलिस ने प्रबंधन से कहा कि वे देखें कि रैगिंग विरोधी समिति में प्रिंसिपल, प्रोफेसर, वार्डन, अभिभावक और छात्र सदस्य हों।

साइबराबाद कमिश्नर अविनाश मोहंती ने कहा कि इन समितियों को रैगिंग मुक्त माहौल को बढ़ावा देने के लिए छात्र संघ नेताओं के साथ मिलकर काम करना चाहिए। इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों को परिसर में रैगिंग विरोधी कानूनों को उजागर करने वाले पोस्टर लगाने चाहिए।

साइबराबाद पुलिस ने चेतावनी दी कि शैक्षणिक संस्थानों के अंदर और बाहर किसी भी रूप में रैगिंग सख्त वर्जित है। तेलंगाना रैगिंग निषेध अधिनियम, 1997 की धारा 4 के तहत- कोई भी व्यक्ति जो नुकसान पहुंचाने के इरादे या ज्ञान के साथ रैगिंग में शामिल होता है या उसे बढ़ावा देता है, उसे अपराध की गंभीरता के आधार पर छह महीने से दस साल तक की कैद की सजा हो सकती है। इसके अलावा, पुलिस ने चेतावनी दी कि तेलंगाना रैगिंग निषेध अधिनियम, 1997 की धारा 4 के तहत दोषी पाए जाने वाले और जेल में बंद किसी भी छात्र को उसके शैक्षणिक संस्थान से बर्खास्त कर दिया जाएगा। पुलिस ने छात्रों से किसी भी सहायता के लिए नजदीकी पुलिस स्टेशन या डायल 100 पर संपर्क करने की अपील की।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज ने नव निर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद ने अपने परशुराम मंदिर प्रांगण जगतगीर गुट्टा में नव निर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ किया गया। महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस को बताया कि समाज के सदस्यों के सहयोग से परशुराम मंदिर प्रांगण में नव ग्रह मंदिर और शिव मंदिर की स्थापना के साथ हनुमान जी की बड़ी प्रतिमा और परशुराम जी की माता रेणुका की मूर्ति की स्थापना की गई। अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय एवं पूर्व महासचिव इंद्रदेव सिंह ने पूजा का संकल्प लेकर प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ किया। यह आयोजन तीन दिनों तक चलेगा। 15 अगस्त को मध्याह्न में सभी विग्रहों की पूर्ण स्थापना की जाएगी।

एसीबी ने रंगारेड्डी ज्वाइंट कलेक्टर को गिरफ्तार किया

एसीबी से बच नहीं सकते : सीवी आनंद

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के संयुक्त कलेक्टर (जेसी) भूपाल रेड्डी को एसीबी ने गिरफ्तार किया है। उनके साथ जिला कलेक्टरेट के वरिष्ठ सहायक मदनमोहन रेड्डी को भी गिरफ्तार किया गया है। संयुक्त कलेक्टर ने धरणी पोर्टल में निषिद्ध सूची से जमीन को हटाने के लिए 8 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह पैसा जेसी ने वरिष्ठ सहायक के जरिए लिया था।

इसी क्रम में एसीबी अधिकारियों ने जेसी और वरिष्ठ सहायक को पकड़ लिया। दूसरी ओर, एसीबी अधिकारियों ने नागोल में जेसी भूपाल रेड्डी के आवास की तलाशी ली। छापेमारी के दौरान घर से 16 लाख रुपये नकद और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए। उधर, एसीबी डीजी सीवी आनंद ने कहा कि रिश्वत लेने वाले अधिकारी एसीबी से बच नहीं सकते, चाहे वे कितनी भी सावधानी बरतें और उन्होंने कहा कि इसका सबूत यह है कि संयुक्त कलेक्टर और वरिष्ठ सहायक को उनके द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया। उन्होंने सोमवार रात को उन्हें पकड़ने के लिए बहुत ही चतुराई से काम करने के लिए एसीबी टीम की प्रशंसा की।

भूमि अधिग्रहण सितंबर के दूसरे सप्ताह तक पूरा करने का निर्देश

> क्षेत्रीय रिंग रोड निर्माण कार्य की प्रगति पर उच्चस्तरीय समीक्षा सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने संबंधित जिला कलेक्टरों को हैदराबाद क्षेत्रीय रिंग रोड (एचआरआरआर) परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण सितंबर के दूसरे सप्ताह तक पूरा करने का निर्देश दिया। मंगलवार को सचिवालय में क्षेत्रीय रिंग रोड निर्माण कार्य की प्रगति पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, सरकारी सलाहकार श्रीनिवास राजू, राजस्व विभाग के प्रधान सचिव नवीन मित्तल, वन विभाग के अतिरिक्त सचिव प्रशांति, आर एंड बी विभाग के विशेष सचिव हरिचंदना, संयुक्त सचिव हरीश, रंगारेड्डी, मेदक, संगारेड्डी, यदाद्री, सिद्दीपेट जिले उपस्थित थे। इस समीक्षा बैठक में कलेक्टर और अन्य अधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर सी.एस. शांति कुमारी ने कहा कि प्रतिष्ठित आरआरआर परियोजना राज्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है और इस परियोजना के संबंध में विभिन्न चरणों में लंबित भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए। जमीन के नुकसान के मुआवजे के मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया गया और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया गया कि जो किसान अपनी जमीन खो रहे हैं उन्हें कानूनी मुआवजा मिले। अपनी जमीन खोने वाले किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए कलेक्टरों को आदेश दिया गया है।

'हैदराबाद मैराथन' के लिए शहर तैयार

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सभी आयु, धर्म या लिंग के लोग, सक्रिय जीवनशैली अपनाने के साझा लक्ष्य के साथ 25 अगस्त को वार्षिक हैदराबाद मैराथन की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में इस दौड़ प्रतियोगिता के सकारात्मक प्रभाव को नकारना या अनदेखा करना कठिन है, जिसने लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। 2011 में अपने पहले संस्करण में, सिटी मैराथन में केवल 1250 व्यक्तियों ने भाग लिया था और इसने एक ऐसे आयोजन को बनाए रखने पर कई सवाल खड़े किए, जो पूरी तरह से सामुदायिक और स्वैच्छिक रूप से संचालित है। हालांकि, 2024 तक, हैदराबाद मैराथन में लगभग 25,000 शौकिया धावक, पेशेवर एथलीट और आम लोग भाग लेंगे। इतना ही नहीं, कुल मिलाकर 2 लाख से 3 लाख लोग इस विशेष स्पोर्ट्स एक्सपो को देखने के लिए गाचीबोवली स्टेडियम और हाईटेक्स आएंगे, जो दौड़ की दुनिया और इस क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास की झलक दिखाने का एक जरिया है।

2047 तक भारत को दुनिया का सिरमौर बनाना है

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर स्कन्दगिरी मठ में युवा चेतना द्वारा आयोजित श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ का पूर्णाहुति संपन्न हुआ। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के मार्गदर्शन में आयोजित 3 दिवसीय महायज्ञ का समापन पूरे विधि विधान से किया गया। माता ललिता के प्रसन्नता हेतु 1 करोड़ ललिता सहस्त्रानाम के मंत्रों से 1 टन कुमकुम के द्वारा महायज्ञ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की माता ललिता के आशीर्वाद से नागरिकों के श्रमबल से भारत माता के वैभव के वृद्धि हेतु काम करना है। सनातन धर्म सबका है यहां सबका सम्मान है। पद पाने के चक्कर में कुछ लोग आजकल सनातन के विरूद्ध खड़े हैं उनका कुछ नहीं होने वाला है। देश में सभी वर्गों का प्रगति हो यही रामराज्य है। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की ईश्वर से लड़ने की क्षमता किसी में नहीं है। शीघ्र माता ललिता के प्रसन्नता हेतु एवं देश के उत्थान हेतु 5 कोटि श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा भारत के प्रगति की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। गरीब और वंचित वर्ग के उत्थान हेतु सबको आगे आना होगा। सनातन के भाव को दुनिया में ले जाना है। पहले लोग भारत को आंख दिखाते थे परंतु आज सभी लोग भारत के नेतृत्व का लोहा मान रहे हैं। श्री सिंह ने कहा की वर्ष 2047 तक भारत को दुनिया का सिरमौर बनाना है।

पूर्णाहुति में भाजपा तेलंगाना प्रदेश के महामंत्री संगठन चंद्रशेखर, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ.के लक्ष्मण, वरिष्ठ नेता मुरलीधर राव, पूर्व एमएलसी एन रामचन्द्र राव सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। स्वामी अभिषेक ने सभी आगंतुकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पी. नवीन राव, सुधाकर शर्मा, कराते कल्याणी, के. हरिनाथ, राजीव राय अप्पू, मुकेश पांडेय, विश्वजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BEENA DEVI, M/O : HAV OMBIR, R/O: BHANGURI, HATHIN, PALWAL, HARYANA - 121103 have changed my name from BEENA DEVI to VEENA DEVI and MY DOB is 01-01-1957 vide Affidavit dt.13-8-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, HAV VIJAY SINGH, R/O: NAGLAMOCH, UBHAI, ALIGANJ, ETAH, UTTAR PRADESH - 207247 have changed my Son's name from ANASHU to ANSHU SINGH vide Affidavit dt.13-8-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वर्गवास

स्व.श्रीमती मानो देवी

धर्मपत्नी: श्री रामदहिनजी चौधरी

स्वर्गवास: 13 अगस्त 2024

शवयात्रा आज बुधवार दि.14 अगस्त 2024

प्रात: 9 बजे हमारे निवास स्थान विवेक नगर कुकटपल्ली से ESI श्मशान वाटिका एरागड्डा जायेगी

शोकाकुल : रामदहिन (पति), रामगोपाल, शंभु, गिरिजेश (पुत्र), प्रकाश, आकाश (पौत्र)

एवं समस्त चौधरी परिवार - कुकटपल्ली, हैदराबाद

9391018491, 9347524244, 9391385161

P.Solankey

कानपुर में होगा एके 203 राइफल का उत्पादन

38 उपकरण बनेंगे

कानपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सेनाओं के लिए छोटे हथियार बनाने वाली लघु शस्त्र निर्माणी (एसएएफ) में इसी महीने से देश की सबसे आधुनिक राइफल एके 203 का वृहद स्तर पर उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। यहां पर राइफल में लगने वाले 38-39 उपकरण बनाए और असेंबल किए जाएंगे। कोरवा में हाल में हुए ट्रायल में 15 हजार राउंड फायरिंग की गई थी। भारत-रूस संयुक्त उपक्रम के तहत इंडो रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के तहत इसका उत्पादन किया जा रहा है। अमेठी स्थित कोरवा में इसकी शुरुआत हुई थी। अब इसका उत्पादन और असेंबलिंग तेजी से की जानी है। इस राइफल के उपकरण अमेठी स्थित कोरवा आयुध फैक्टरी, कोलकाता स्थित राइफल फैक्टरी ईशापुर और कानपुर स्थित एसएएफ में बनेंगे। कोलकाता और कानपुर में 40-40 प्रतिशत उपकरण बनेंगे। 300 मीटर तक मार करने वाली इस आधुनिक राइफल के लिए कानपुर में रिट्रैक्ट मैकेनिज्म, सभी प्रकार के स्प्रिंग, बड्स समेत 38-39 उपकरण तैयार और असेंबल किए जाएंगे। निर्माणी के महाप्रबंधक सुरेंद्रपति ने बताया कि अगले आठ साल में 5.5 लाख राइफल बनाकर दी जानी हैं। अगस्त महीने के अंत तक औपचारिक पत्र आ सकता है। इसके बाद निर्माणी में इस राइफल का उत्पादन शुरू हो सकेगा। एके-203 700 गोलियां प्रति मिनट दागने में सक्षम है। इसका वजन 3.8 किग्रा और यह 705 मिमी लंबी है। 7.62 गुण 39 एमएम की नाटो ग्रेड की बुलेट इसमें लगती हैं। यह राइफल सेमी-ऑटोमैटिक या ऑटोमैटिक मोड में चलती है। 30 राउंड की बॉक्स मैगजीन इसमें लगती है।

नहर में गिरी कार, 5 की मौत

औरंगाबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। औरंगाबाद में एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। कार में सवार पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में एक किशोर भी शामिल है। 5 में से तीन लोग कांवरिया के ड्रेस में थे। कार लगभग 30 मिनट तक नहर में रही। पूरी गाड़ी में पानी भर गया था। जिससे कार सवार पांच लोगों की मौत हुई। बताया जा रहा है कि कार सवार पटना की तरफ आ रहे थे। घटना दाउदनगर थाना क्षेत्र के नहर रोड में चमन बिगहा के पास की है। दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषी राज ने बताया कि सभी लोग रोहतास के गुप्ताधाम से पूजा करके वापस पटना लौट रहे थे। तभी गाड़ी अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस को दी।

मुख्यमंत्री योगी का सपा-कांग्रेस पर हमला

बोले- खटाखट करने वाले गायब हो गए हैं, सीजन आएगा तो लौटेंगे

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पूरी निष्पक्षता से चयन किया है। अब बिना किसी सिफारिश के नियुक्ति पत्र मिल रहा है। यह वही प्रदेश है जहां पहले दंगे होते थे। यहां पहले न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी। पहले युवाओं के सामने पहचान का संकट था। यह संकट वही लोग पैदा करते थे जो आज फिर आपको बहकाने के लिए आए थे। उन्होंने सपा-कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यही खटाखट है। अब वो गायब हो गए हैं जबकि सीजन आएगा तो फिर लौटेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज मैं दावे से कह रहा हूं कि उत्तर प्रदेश आज सबसे अच्छे ग्रोथ वाला राज्य है। अब युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। आप कहीं जाते हैं तो शक की निगाह से नहीं सम्मान की निगाह से देखा जाता है। इसके लिए जनता को भी बधाई। 2017 से पहले कहीं जाने पर कमरा नहीं मिलता था। अब यूपी का नाम बोलने पर सम्मान मिलता है।

ऐसे में नव चयनितों की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है। 1036 युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। इसमें आरक्षण नियमों का पालन हुआ। पहले चाचा भतीजे में लूटने की होड़ लग जाती थी तभी हर नियुक्ति में न्यायालय का हस्तक्षेप होता था। अब बेरोजगारी न्यूनतम स्तर पर है। जब विभिन्न राज्यों के सीएम मिलते हैं तो कहते हैं कि अब यूपी के लोग लौट रहे हैं इसलिए कंपनियों में संकट हो रहा है। हमने सुरक्षा का संकल्प लिया था, जो कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं। लोगों के मन में अन्याय होने का भय पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों के कार्यकाल की तुलना में नौकरियों में 38 फीसदी अधिक ओबीसी का चयन हुआ है। आरक्षण का पूरी तरह से पालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब चयन निष्पक्ष हुआ है तो काम भी निष्पक्ष रूप में करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना पूरी करने के लिए आगे आएं। स्वास्थ्य विभाग में सांख्यिकी अधिकारी नियुक्त हो रहे हैं। डाटा एंट्री व्यवस्थित करें ताकि प्रगति तेज हो।

बेटे ने पिता, सौतेली मां, बहन-भाई की हत्या की

मर्डर के बाद 10वीं का छात्र बोला- दूसरी शादी के बाद बदल गए थे पापा

बेगूसराय, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय में 10 अगस्त की रात हुई चार लोगों की हत्या का कातिल पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। संजीवन महतो के ही बड़े बेटे (नाबालिग) ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। आरोपी, संजीवन महतो की पहली पत्नी का बेटा है।

इस वारदात में संजीवन महतो (40), उसकी दूसरी पत्नी संजीता देवी (33) और बेटी सपना कुमारी (10) की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, इस घटना में जख्मी 7 साल के बेटे ने मंगलवार को पीएमसीएच में दम तोड़ दिया। आरोपी, पिता और सौतेली मां के दुर्व्यवहार से दुखी था और इस वजह से उसने निर्मम तरीके से पिता और अपनी सतौली मां, भाई-बहन की हत्या कर डाली। एसपी मनीष ने बताया कि 'रसीदपुर पंचायत के चिरंजीवीपुर चक्का गांव में नाबालिग आरोपी ने चाकू और बांस से सभी के सिर पर हमला कर दिया था। हत्या इस तरह से की गई थी कि पति, पत्नी और बेटी की मौके पर मौत हो गई। वहीं, बेटा भी जख्मी हालत में वहीं पड़ा रहा। लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। यहां से उसे पीएमसीएच में रेफर कर दिया गया। जहां मंगलवार को उसने भी दम तोड़ दिया।' एसपी मनीष के अनुसार, 'आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वो 10वीं क्लास में पढ़ता है। जब वो एक साल का था तो मां इसे छोड़ भाग गई थी। पिता संजीवन महतो ने दूसरी शादी कर ली। जब आरोपी 7वीं क्लास में पढ़ रहा था, तभी इसके पिता ने खाना-पीना और खर्चा देना बंद कर दिया। तब से वो चाचा-चाची और दादा-दादी के साथ रह रहा था। इनके बगल में ही संजीवन महतो अपनी दूसरी पत्नी के साथ रहा करता था। छोटी-छोटी बातों पर सौतेली मां, पिता से पिटवाती थी। घटना से तीन दिन पहले भी पिता ने बुरी तरह से पीटा था। इससे आरोपी के सिर में लगातार दर्द था। पिता और सौतेली मां के दुर्व्यवहार से वो काफी परेशान था। आरोपी के अनुसार, उसने इस हत्याकांड को अकेले ही अंजाम दिया।'

आरोपी ने पुलिस को बताया कि 'घटना की रात में 12 बजे सभी के सो जाने के बाद वह अपने घर से निकला। इसके करीब एक घंटे के बाद छत के रास्ते से संजीवन महतो के घर में गया। इसके बाद उसने पूरे परिवार पर हमला कर दिया। इस दौरान उसके कपड़े पर खून लग गया। कपड़े और हत्या में शामिल सभी सामान उसने बलान नदी के गड्ढे में छिपा दिया और स्नान कर फिर से घर में सो गया।'

इधर, पुलिस ने इस हत्याकांड के खुलासे के लिए मृतक के घर के पास एक स्पाई लगाया। यहां से पुलिस ने आरोपी की चाची को उठाया और पूछताछ शुरू की। इसके बाद मामला परत-दर-परत खुलता चला गया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ा और कड़ाई से पूछताछ की। इसके बाद उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

मुकेश सहनी की डीपी में तिरंगा, बीजेपी संग आने की चर्चा

वीआईपी बोली- 2025 में तेजस्वी को सीएम बनाएंगे, भाजपा चुप, जेडीयू ने कहा- स्वागत है

पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश सहनी के फिर से पाला बदलने की चर्चा है। इसकी वजह है, सोशल मीडिया एक्स पर मुकेश सहनी की प्रोफाइल फोटो। दरअसल, सहनी ने अपनी डीपी में तिरंगा लगाया है। बीजेपी पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान चला रही है। जिसके बाद से सियासी गलियारे में ये चर्चा तेज है कि सहनी का आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन से मोहभंग हो गया है और वो एनडीए में वापसी कर सकते हैं।

वैसे तो वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता के श्राद्ध कर्म के बाद से ही इस बात की सुगबुगाहट हो रही है। हालांकि, इन अटकलों को वीआईपी सिरे से खारिज कर रही है। दूसरी तरफ बीजेपी के नेताओं ने पूरे मामले पर चुप्पी साध ली है। वहीं जदयू कोटे से मंत्री जमा खान ने कहा कि आएंगे तो उनका स्वागत है।

पहला- पीएम का पत्र और तेजस्वी की दूरी

16 जुलाई को मुकेश सहनी के पिता की हत्या हुई थी। सियासी चर्चाओं की माने तो उसके बाद कई बड़े नेता उनके घर तक पहुंचे, लेकिन तेजस्वी यादव दरभंगा स्थित उनके पैतृक घर नहीं गए। हालांकि, लालू प्रसाद यादव श्राद्ध कर्म में शामिल हुए थे। बाद में मुकेश सहनी से मिलने के लिए तेजस्वी यादव उनके पटना स्थित आवास पहुंचे थे। एक ओर तेजस्वी यादव मुकेश सहनी के पैतृक आवास पर नहीं गए। दूसरी ओर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा समेत प्रदेश स्तर के सभी बड़े नेता मुकेश सहनी के घर पहुंचे थे। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुद मुकेश सहनी को सांत्वना पत्र भी लिखा था।

दूसरा- बीजेपी के तिरंगा अभियान के बीच सहनी ने बदली डीपी

बीजेपी राष्ट्रीय स्तर पर हर घर तिरंगा यात्रा निकाल रही है। हर घर तिरंगा अभियान चल रहा है। इसी अभियान के बीच अब मुकेश सहनी ने सोशल मीडिया पर अपनी डीपी बदल ली है। इन्होंने यहां तिरंगा लगा लिया है। इनकी डीपी बदलने के बाद अब इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि मुकेश सहनी ने बीजेपी के मुहिम को अपना समर्थन दिया है।

इस पूरे मामले पर हमने मुकेश सहनी से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने कहा कि 'हम आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े हैं। बीजेपी के साथ हमारा गठबंधन टूटने का सबसे बड़ा कारण निषाद आरक्षण था।' हमने साफ कहा था कि आरक्षण नहीं तो गठबंधन नहीं, गठबंधन नहीं तो वोट नहीं। हम आज भी इस स्टैंड पर कायम हैं।

देव ज्योति ने कहा कि 'जिस आधार पर बंगाल और दिल्ली में निषादों के लिए आरक्षण का प्रावधान लागू है, उसी तरीके से बिहार, झारखंड उत्तर प्रदेश में लागू किया जाए। इसी के बाद बीजेपी के साथ गठबंधन पर कुछ सोचा जा सकता है। मुकेश सहनी इस आरक्षण को लागू कराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज वो देश में निषादों की आवाज हैं।'

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में सभी छोटी और राज्य की जाति आधारित पार्टियों को अपने साथ जोड़ने का मुहिम शुरू की थी। चिराग के साथ पशुपति पारस को भी वे जोड़ने में कामयाब रहे। इसके अलावा नीतीश कुमार को भी चुनाव से पहले पार्टी अपने साथ लाने में कामयाब रही। जीतन राम मांझी के हम को भी भाजपा ने तवज्जो दिया है। अगर छोटी पार्टियों की बात करें तो एक मुकेश सहनी ही हैं जो उनका साथ छोड़ तेजस्वी के साथ खड़े हैं। बीजेपी मुकेश सहनी की ताकत को अच्छे तरीके से जानती है। सहनी 2014 से ही बीजेपी का साथ दे रहे थे। 2014 और 2015 के चुनाव में उन्होंने बीजेपी के पक्ष में प्रचार किया था।

नकली ज्वेलरी रख ढाई लाख की चेन ले गई महिला

तनिष्क शोरूम में ग्राहक बनकर आई थी, टैग काउंटर के नीचे फेंक फरार हुई ठग

समस्तीपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। समस्तीपुर में तनिष्क शोरूम में एक महिला ग्राहक बनकर आई और गहनों के बीच नकली चेन रखकर करीब ढाई लाख रुपए की असली सोने की चेन लेकर फरार हो गई। असली चेन लेने के बाद आरोपी महिला गहनें पसंद नहीं आने की बात कहकर चली गई। दुकान बंद करने से पहले जब कर्मी साफ-सफाई कर रहे थे, तभी फेंका हुआ टैग मिला। सीसीटीवी चेक करने के बाद अधेड़ महिला का कारनामा सबसे सामने आया। सब को धोखा देने के लिए महिला ने एक जैसे दिखने वाली दूसरी चेन गहनों के बीच रखा था। जिस कारण गहना दिखा रही महिला कर्मी भ्रमित हो गई। तनिष्क शोरूम के मैनेजर अनिरुद्ध कुमार सिंह ने देर शाम नगर थाना में एक आवेदन दिया गया है।

साथ ही उन्होंने उक्त महिला का सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। जिसमें महिला खरीदारी का बहाना बनाकर चेन गायब करती हुई दिख रही है।

महिला सिपाही जिंदा जली, मौत

सिपाही पति के साथ जा रही थी, डंपर ने दोनों को कुचला, पत्नी को 20 मीटर घसीटा

मुजफ्फरनगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में मंगलवार सुबह भीषण हादसे में सिपाही पति-पत्नी की मौत हो गई। बाइक से जा रहे दंपती को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में डंपर ने पति को कुचल दिया, जबकि पत्नी केबिन में फंस गई। उसे करीब 20 मीटर तक डंपर घसीटता हुआ ले गया।

आगे जाकर डंपर बिजली के पोल से टकरा गया। इससे ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन टूटकर गिर गई और पलक झपकते ही पूरा डंपर जलने लगा।

लोगों ने महिला सिपाही को आग से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि निकाल नहीं पाए। हादसा दिल्ली-देहरादून हाईवे पर बिलासपुर कट पर हुआ। डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

पति-पत्नी मुरादाबाद में पोस्टेड थे। सुधीर कटघर और सोनिया नागफानी थाने में तैनात थी।

नई मंडी कोतवाली प्रभारी बबलू सिंह ने बताया- सुधीर और सोनिया सहारनपुर के सरसावा के रहने वाले थे। मंगलवार को दोनों बाइक से ड्यूटी पर आ रहे थे। इसी दौरान दोनों थोड़ी देर के लिए जौली रोड पर बाइक रोककर खड़े हो गए, तभी पीछे से आ रहे गिट्टी से लदे डंपर ने दंपती और बाइक को टक्कर मार दी।

सुधीर को डंपर ने कुचल दिया, जबकि केबिन में फंसी सोनिया को डंपर 20 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बिजली के पोल से टकरा गया। जिससे हाईटेंशन लाइन का तार डंपर पर गिर गया और केबिन में आग लग गई। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया। डंपर की केबिन में फंसी सोनिया जिंदा जल गई।

राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। थोड़ी देर में पुलिस और फायर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आग को बुझाया, महिला सिपाही के शव को झुलसी हालत में क्रेन की मदद से निकाला गया। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। महिला सिपाही सोनिया बागपत के धनौरा सिल्वर गांव की रहने वाली थी। सोनिया के भाई राजकुमार ने बताया कि सोनिया 2018 में पुलिस में भर्ती हुई थी। अप्रैल 2021 में सहारनपुर के सरसावा गांव निवासी सिपाही सुधीर से उसकी शादी हुई थी। 4 जनवरी 2022 से मुरादाबाद के नागफनी थाने में तैनात थी।

कॉन्स्टेबल पत्नी सास, 2 बच्चों का रेता गला, फिर खुदकुशी

भागलपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भागलपुर पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर में पांच शव मिले हैं। क्वार्टर नंबर- 38 से एक महिला कॉन्स्टेबल, उसके पति, दो बच्चों (5 साल का बेटा, 3 साल की बेटी) और उसकी मां की लाश मिली है। कॉन्स्टेबल के पति पंकज ने पूरे परिवार की पहले हत्या की, फिर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी के अवैध संबंध के शक में इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। पति ने परिवार के 4 लोगों का गला रेता, जबकि खुद फंदे से लटक जान दे दी।

पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें पंकज ने परिवार के चार लोगों की हत्या की बात कबूल की है। नीतू फिलहाल एसएसपी कार्यालय में तैनात थी। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप है।

3 अगस्त को गैंगरेप, 7 को एफआईआर, अल्ट्रासाउंड में लगे 4 दिन

दरभंगा में भाई बोला- प्राइवेट पार्ट में थी सूजन, पंचायत ने लगा डाली इज्जत की कीमत

दरभंगा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। दरभंगा में 3 अगस्त को एक नाबालिग (13) के साथ गैंगरेप हुआ। पीड़ित परिवार ने पहले गांव के कुछ जिम्मेदार लोगों को घटना की सूचना दी। फिर पंचायत बुलाई गई, जिसमें गैगरेप पीड़िता की इज्जत की बोली लगा दी गई। परिजनों ने पंचायत के फैसले को नहीं माना और आरोपियों के खिलाफ 7 अगस्त को बड़गांव थाने में एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने अगले दिन यानी 8 अगस्त को पीड़िता और उसकी मां को थाने बुलाया।

मेडिकल टेस्ट, अल्ट्रासाउंड करवाने में चार दिन लगा दिए। कोर्ट में 164 के बयान दर्ज करवाने और आरोपियों की गिरफ्तारी के बदले पीड़िता को जमालपुर थाने की बैरक भेज दिया। हालांकि, 9 अगस्त को सिर्फ मेडिकल टेस्ट करवाया गया। सोमवार (12 अगस्त) को अल्ट्रासाउंड और 164 का बयान दर्ज करवाया गया। रविवार को पीड़ित लड़की के गांव पहुंचकर पीड़िता के भाई से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि 'पीड़िता और उसकी मां जमालपुर थाने की बैरक में हैं'। बहन जब घर आई थी तो उसके प्राइवेट पार्ट में सूजन था। पीड़िता के चचेरे भाई ने बताया कि 3 अगस्त की शाम नाबालिग घास काटकर लौट रही थी।

घर से करीब 100 मीटर दूर आरोपी नदीम समेत चार युवक अकेली लड़की के पास पहुंचे और उसके मुंह पर गमछा बांध दिया। इसके बाद उसे पास के बगीचे में ले गए। यहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश किया। इसके बाद उसके साथ गैंगरेप किया।

आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के बाद पीड़िता को बाइक से सड़क किनारे लाकर छोड़ दिया। नाबालिग को होश आया तो वह बदहवास हालत में घर आ रही थी। स्थानीय लोगों ने देखा तो उसे सहारा देकर घर पहुंचाया। 4 अगस्त को घटना की सूचना पंचायत को दी गई। पंचायत ने थाना जाने से रोक दिया और कहा- हम न्याय करेंगे। उन्होंने आरोपियों पर कार्रवाई की जगह 2000 रुपए लेकर मामला रफा-दफा करने की बात कहीं।

गया हवाई अड्डा का नाम दशरथ मांझी रखने की मांग

माउंटेन मैन की पुण्यतिथि पर 17 अगस्त को निकलेगी बाइक रैली, केंद्रीय मंत्री दिखाएंगे हरि झंडी

गया, 13 अगस्त (एजेंसियां)। गया में पर्वत पुरुष की 17वीं पुण्यतिथि के कुछ दिन पहले से इस बार गया हवाई अड्डा का नाम पर्वत पुरुष दशरथ मांझी रखने की आवाज उठने लगी है। उनके समाज के लोग और हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंजीनियर नन्द लाल मांझी की ओर से मांग की गई है। गौरतलब है कि 17 अगस्त को माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि है। इस मौके पर बोधगया के कालचक्र मैदान से दशरथ मांझी की कर्मभूमि गहलौर तक बाइक रैली निकाली जाएगी। बाइक रैली को केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी और बिहार सरकार के मंत्री सन्तोष सुमन हरि झंडी दिखाएंगे। इस मौके पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर 'हम' के कार्यकर्ता और पार्टी के समर्थक बाइक से गहलौर पहुंचेंगे और दशरथ मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रंद्धाजलि देंगे।

बताया गया कि बाइक रैली बोधगया कालचक्र मैदान से भुसन्डा मुफस्सिल भिंडस होते हुए पवित्र समाधि स्थल गहलोर घाटी जाएगी। इस बाइक रैली की तैयारी जोरशोर से शुरू हो गई है। कार्यक्रम के संयोजक ई. नंदलाल मांझी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का नाम कर्मयोगी दशरथ मांझी के नाम पर किया जाए ताकि उनके कर्म को मान सम्मान मिल सके। शंकर मांझी का कहना है कि बाइक रैली से सभी समाज को कर्मयोगी बनने का संदेश दिया जाएगा।

इस मौके पर सुरेश मांझी, दीना मांझी, नरेश मांझी, राजेश सदा, पंकज कुमार, देवन मांझी मनोज मांझी, दीपक मांझी, सुरेश मांझी, सिंटू मांझी, राजेश मांझी, वाल्मीकि मांझी, अमरजीत मांझी सहित दर्जनों अनुयायी शरीक होंगे। मालूम हो कि जिस काम को सरकार को करना चाहिए था उस काम को दशरथ मांझी ने विषम परिस्थितियों में लगभग 22 साल तक छेनी हथौड़ी से पहाड़ काट कर किया, रास्ता बना दिया। उनके इस काम से वजीरगंज की दूरी कम हो गई।

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर

बेगूसराय, 13 अगस्त (एजेंसियां)। गंगा नदी के लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण बेगूसराय जिले के सात प्रखंडों की स्थिति धीरे-धीरे गंभीर होती जा रही है। गंगा के उस पार शाम्हो प्रखंड चारों ओर पानी से घिर चुका है। बछवाड़ा, मटिहानी, तेघरा, बरौनी, बलिया और साहेबपुर कमाल के दियारा इलाकों में गंगा के बढ़े जलस्तर से लोग परेशान हैं। जलस्तर खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर है। जिस कारण ग्रामीण सड़कें प्रभावित हो गई है। शाम्हो और बछवाड़ा प्रखंड में बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। शिक्षक व बच्चे पानी से होकर ही स्कूल जा रहे हैं। निचले इलाके में बसे लोगों ने ऊंचे स्थान पर शरण लेना शुरू कर दिया है।

दो करोड़ के झूले पर विराजेंगे प्रभु राम

अयोध्या में 140 किलो चांदी और 700 ग्राम सोने से बना, हीरे-पन्ने का मुकुट पहनेंगे

अयोध्या, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में झूलन उत्सव मनाया जा रहा है। 19 अगस्त तक चलने वाले उत्सव के लिए वृंदावन के 10 कलाकारों ने सोने-चांदी का झूला तैयार किया है। इसकी कीमत करीब 2 करोड़ रुपए हैं। इसमें 140 किलो चांदी और 700 ग्राम सोने का इस्तेमाल किया गया है।

मंगलवार को पौराणिक स्थल रामलला सदन में श्रीराम समेत चारों भाई झूले पर विराजमान होंगे। इस शुभ अवसर के लिए गुजरात में तैयार हुआ एक मुकुट भी अयोध्या लाया गया है। इसका डिजाइन दक्षिण भारत परंपरा पर आधारित है। झूलन उत्सव के लिए अयोध्या में अमेरिका समेत कई देशों से भक्त पहुंचे हैं। अयोध्या के 50 से ज्यादा प्रमुख धर्माचार्य इस समारोह में आमंत्रित किए गए हैं। पीठ के आचार्य जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य महाराज की देख-रेख में पूरे मंदिर परिसर को सजाया गया है। उन्होंने बताया- इस झूले पर भगवान श्रीराम, माता जानकी और भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न विराजमान होंगे। अयोध्या के संत इस झूले को झुलाएंगे। इसके बाद यहां भजन-गायन का कार्यक्रम होगा। आचार्य जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य ने कहा- इस आयोजन के दौरान हम पूरे साल में हुए पूजन की भूल-चूक का प्रायश्चित भी करते हैं। भगवान को विशेष तरह की मालाएं पहनाई जाती है। साथ ही हवन-पूजन भी होगा। रामलाल सदन के महंत जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य ने कहा- त्रेताकाल में इस स्थान पर भगवान राम सहित चारो भैया को अनेक प्रकार के संस्कार दिए गए थे। मान्यता है कि यहीं पर श्रीराम सहित चारों भाइयों का नामकरण हुआ। यह मंदिर 300 साल पुराना है, जिसे समय की मांग के साथ भव्य स्वरूप दिया गया। यह मंदिर रामलला दर्शन मार्ग मोहल्ला रामकोट में राम मंदिर से सिर्फ 150 मीटर दूर स्थित है। उन्होंने बताया- रामलला सदन को डॉ. राघवाचार्य ने दक्षिण भारत वास्तु परंपरा के अनुसार बनवाया है। 2 साल पहले सीएम योगी ने इस सदन का उद्घाटन किया था।

गरीबों और मध्यम वर्ग के साथ विश्वासघात: खरगे

नई दिल्ली , 13 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेस ने अब विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा के विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनावों की तैयारियों के बीच, आज कांग्रेस की एक बैठक हुई। इस दौरान तमाम मुद्दों पर बात हुई।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में सभी महासचिवों, पीसीसी अध्यक्ष और पार्टी के राज्य प्रभारियों के साथ बैठक की। इस दौरान, लोकसभा के नेता राहुल गांधी भी मौजूद रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बेरोजगारी, महंगाई और संविधान पर हमले को लेकर मंगलवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा। उस पर देश के गरीबो एवं मध्य वर्ग के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। खरगे ने यह भी कहा कि कांग्रेस प्रमुख मुद्दों को लेकर अभियान शुरू करेगी और जनता के बीच जाएगी। कांग्रेस महासचिवों, राज्य प्रभारियों और प्रदेश इकाई के प्रमुखों के साथ बैठक के बाद खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'हमने चुनावी तैयारियों के लिए संगठनात्मक मामलों और राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एआईसीसी महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की एक बैठक बुलाई।'

उन्होंने कहा, 'सेबी और अदाणी के बीच सांठगांठ के चौंकाने वाले खुलासे की गहन जांच की जरूरत है। शेयर बाजार में छोटे निवेशकों का पैसा खतरे में नहीं डाला जा सकता। मोदी सरकार को तुरंत सेबी अध्यक्ष का इस्तीफा मांगना चाहिए और इस संबंध में जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) का गठन करना चाहिए।'

कांग्रेस प्रमुख ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों की पृष्ठभूमि में यह बात कही। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि बेलगाम बेरोजगारी और अनियंत्रित मुद्रास्फीति तथा घरेलू बचत में कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर पार्टी ने ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने गरीबों और मध्यम वर्ग के साथ विश्वासघात किया है।

जातीय जनगणना लोगों की मांग

खरगे ने आरोप लगाया कि संविधान पर हमला लगातार जारी है। उन्होंने साथ ही कहा कि जातीय जनगणना लोगों की मांग है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमारे किसानों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर अपनी लड़ाई जारी रखेगी। हमारे देशभक्त युवाओं पर थोपी गई अग्निपथ योजना को ख़त्म किया जाना चाहिए। उन्होंने रेल सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ट्रेनों का पटरी से उतरना आम बात हो गई है, जिससे करोड़ों यात्रियों को परेशानी होती है। जलवायु संबंधी आपदाएँ और ढहता बुनियादी ढाँचा भी चिंता का कारण है। खरगे ने कहा कि हम इन मुद्दों को लेकर एक राष्ट्रीय अभियान तैयार करेंगे और लोगों के पास जाएंगे। बैठक से पहले मणिपुर कांग्रेस के अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र ने कहा, 'मैं बैठक में मणिपुर मामले को उठाऊंगा क्योंकि राज्य में संकट जारी है। सरकार और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। कल हमारा विधानसभा सत्र समाप्त हुआ। विधानसभा में विपक्षी विधायकों द्वारा उठाए गए सवालों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। हम मणिपुर के लिए सरकार से ठोस रोडमैप की मांग करते हैं।'

एनआईए की छापेमारी संदिग्ध नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई

कोच्चि , 13 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज केरल के कोच्चि में कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी नक्सलवाद से जुड़े कुछ कथित संदिग्धों के ठिकानों पर हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनआईए ने माओवादी नेता मुरलीधरन कन्नमपल्ली के ठिकानों पर छापेमारी की। छापा मारने वाली एनआईए टीम में आठ अधिकारी शामिल रहे।

माओवादी नेता साल 2019 में पुणे की यरवदा जेल से रिहा हुआ था। वह साल 1976 में हुए कायन्ना पुलिस स्टेशन हमले में भी आरोपी है। करीब 40 वर्षों तक फरार रहने के बाद महाराष्ट्र की आतंकरोधी पुलिस ने साल 2015 में मुरलीधरन को गिरफ्तार किया था। मुरलीधरन पूर्व आईएफएस अधिकारी कन्नमपल्ली करुणाकरन मेनन के बेटा है।

रोहतक में कटोरा लेकर सड़कों पर उतरे राष्ट्रीय हेल्थ मिशन कर्मचारी लोगों से मांगी भीख, सरकार को नींद से जगाने के लिए भेजेंगे पैसा

रोहतक, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतक में राष्ट्रीय हेल्थ मिशन के कर्मचारियों ने मंगलवार को अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। एनएचएम कर्मचारी कटोरा लेकर व पीपीई किट पहनकर सड़कों पर उतरे। इस दौरान उन्होंने सार्वजनिक रूप से यहां भीख मांगी। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भीख से इकट्ठा हुए रुपयों को वे सरकार की नींद खोलने के लिए सरकार को भेजेंगे। क्योंकि सरकार कहती है कि उनके पास पैसा नहीं है। इसलिए भीख में मांगकर एकत्रित हुए पैसे को सरकार को देने फैसला लिया है।

राष्ट्रीय हेल्थ मिशन कर्मचारी एसोसिएशन के प्रधान डॉ. अंकित फोगाट ने कहा कि वे पिछले 19 दिनों से लगातर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। वर्ष 1997 से एनएचएम कर्मचारी लगातार 27 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग हरियाणा में सेवाएं दे रहे है। एनएचएम कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। एनएचएम कर्मचारियो का दैनिक वेतन मनरेगा के तहत मिलने वाली दैनिक मजदूरी से भी कम है, जो कि वर्ष 2024-25 मे 363 रुपए प्रतिदिन है, जबकि एक एनएचएम कर्मचारी को शुरूआत मे 5 वर्षों के लाए आज भी मात्र 7580 रुपए प्रतिमाह (लगभग 252 रुपए प्रतिदिन) मिलते है। 10 वर्षों से भी ज्यादा समय से इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि एनएचएम कर्मचारियों की भर्ती स्थानीय स्तर पर हरियाणा सरकार के रोजगार नियमानुसार हुई थी। इसमें हरियाणा के निवासियों को प्राथमिकता दी गई थी। एनएचएम कर्मचारी हरियाणा प्रदेश के आमजन की स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति वचनबद्ध है। जिसके कारण हरियाणा प्रदेश की मातृत्व मृत्यु दर व शिशू मृत्यु दर भी देश मे सबसे कम है। हरियाणा सरकार के उच्च अधिकारी एनएचएम कर्मचारियो के साथ हुई बैठकों के दौरान केन्द्र से मिलने वाले सहायता राशि की कमी व राज्य पर आर्थिक बोझ बढ़ने का हवाला देकर एनएचएम कर्मचारियों की जायज मांगों को नकारते हैं। फंड की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से प्रदेश भर में एनएचएम कर्मचारियों ने भीख मांगी। एकत्र राशि को हरियाणा सरकार के खजाने में जमा करने का निश्चय किया है, ताकि हरियाणा सरकार के खजाने पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ की भरपाई की जा सके।

हरियाणा में घर से वोट की ईसीआई ने उम्र बढ़ाई : 85+ एज के 2.5 लाख वोटर; तैयारियों पर मुहर लगाई, कभी भी डेट का ऐलान

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर ईसीआई की टीम दो दिन के दौरे पर आई थी। चीफ इलेक्शन ऑफिसर राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. एसएस संधू ने टीम का नेतृत्व किया। हरियाणा विधानसभा चुनाव को भारतीय चुनाव आयोग की टीम ने चंडीगढ़ दौरे के दौरान कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई। राजनीतिक दलों की मांग को देखते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने घर से वोट करने वाले बुजुर्गों के लिए 5 साल उम्र बढ़ाने का फैसला किया। हरियाणा में यह पहली बार होगा कि सूबे के 85+ एज के सीनियर सिटीजन घर से वोट डाल सकेंगे। इसके अलावा 40% बेंचमार्क विकलांगता वाले PwD को वोट देने का विकल्प दिया जाएगा। इसके अलावा यदि कोई वोटर शारीरिक रूप से वोट डालने के लिए सक्षम नहीं है तो उसके लिए वोटिंग के लिए जरूरी सुविधाएं दी जाएंगी।

दो दिन चंडीगढ़ में चली मीटिंग के दौरान आयोग की टीम ने हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर अपनी मुहर लगाई। साथ ही यह संकेत भी दिए कि अब कभी भी चुनाव की डेट का ऐलान हो जाएगा।

27 अगस्त को पब्लिश होगी लास्ट वोटर लिस्ट

मीटिंग में तय किया गया कि हरियाणा की लास्ट वोटर लिस्ट 27 अगस्त 2024 को पब्लिश की जाएगी, जिसकी एक प्रति सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को फ्री में दी जाएगी। आयोग ने मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद और पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के साथ भी बैठक की। उन्होंने डीजीपी को पुलिस के द्वारा पूरी चुनाव तैयारियों और कानून-व्यवस्था मामलों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। इस दौरान हरियाणा सीईओ पंकज अग्रवाल के साथ डीईओ और एसपी ने आयोग के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति दी।

हरियाणा में 95 लाख महिला वोटर

सीईओ हरियाणा ने मीटिंग में बताया कि 2 अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट इलेक्टोरल के अनुसार राज्य में चल रहे दूसरे एसएसआर के दौरान कुल 2.01 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। इसमें 1.06 करोड़ पुरुष, 0.95 करोड़ महिला मतदाता हैं। 4.52 लाख से अधिक पहली बार मतदाता (18-19 वर्ष) वोट करेंगे। राज्य में 2.55 लाख 85+ वरिष्ठ नागरिक और 1.5 लाख PwD मतदाता पंजीकृत हैं। 10,000 से अधिक मतदाता 100 वर्ष से अधिक उम्र के हैं।

पीएम मोदी तोड़ेंगे मनमोहन सिंह का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। 15 अगस्त को लेकर तैयारी तेज हो गई है। पुलिस ने लाल किले के आसपास के इलाकों में पहरा बढ़ा दिया है। आने जाने वाले सभी लोगों पर नजर रखी जा रही है। इस बार 18 हजार से अधिक मेहमान इस मौके पर मौजूद रहेंगे। इस बार महिला, किसान, युवा और गरीब वर्ग के 4 हजार से अधिक लोगों को विशेष रूप से आमंत्रण भेजा गया है। ओलंपिक में शामिल सभी खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 11वीं बार लालकिले पर झंडा फहराएंगे। ऐसा कर वह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पीछे छोड़ देंगे। उनके नाम लगातार 10 साल लाल किले से झंडा फहराने का रिकॉर्ड है।

किस प्रधानमंत्री के नाम दर्ज है रिकॉर्ड

लाल किले से सबसे अधिक बार झंडा फहराने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के नाम दर्ज है। उन्होंने लगातार 17 बार लाल किले से झंडा फहराया। वह 1947 से 1963 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम आता है। इंदिरा गांधी 1966 से 1976 तक और 1980 से 1984 देश की प्रधानमंत्री रहीं। इस दौरान उन्होंने 16 बार लाल किले से झंडा फहराया। वहीं पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने 2004 से 2013 तक लगातार 10 बार झंडा फहराया था।

इस बार सुरक्षा के कैसे हैं इंतजाम

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए 3 हजार से अधिक यातायात पुलिस, 10 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ-साथ एआई-आधारित चेहरे पहचानने वाले 700 कैमरे लगाए हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, व्यावसायिक मॉल और बाजारों सहित विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। लाल किले में कई स्तरीय सुरक्षा होगी। स्वतंत्रता दिवस पर एआई-आधारित चेहरे की पहचान करने वाले 700 सीसीटीवी कैमरे खरीदे हैं।

इन कैमरों में 'हाई-रेजोल्यूशन पैन-टिल्ट-जूम फीचर' होंगे, जिससे पुलिस दूर से ही किसी को पहचान सकेगी। ये कैमरे किले के अंदर और आसपास लगाए जाएंगे। एआई-आधारित चेहरे पहचान करने और वीडियो विश्लेषण में सक्षम इन कैमरों से पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित होगी। पुलिस लाल किले पर कार्यक्रम में शामिल होने आने वाले लोगों की पहचान सत्यापित करने के लिए स्मार्टफोन आधारित एप्लीकेशन का भी इस्तेमाल करेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर स्नाइपर्स, विशिष्ट स्वाट कमांडो, पतंग पकड़ने वाले और 'शार्पशूटर' तैनात किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री मान की विधायकों के साथ बैठक:राज्य में चल रहे कामों का रिव्यू किया

अमृतसर, 13 अगस्त (एजेंसियां)।पंजाब की भगवंत मान सरकार जल्द ही नई स्कीम आपका एमएलए आपके द्वार स्कीम को लाने जा रही है। इस पर आज चंडीगढ़ में सीएम भगवंत मान की तरफ से राज्य के विधायकों के साथ बुलाई गई बैठक में चर्चा की गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री मान ने पंजाब के विभिन्न शहरों और हल्कों में चल रहे कामों का भी रिव्यू किया। संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर भी इस बैठक में पहुंचे और उन्होंने जानकारी दी कि आज की बैठक का मुख्य एजेंडा उक्त स्कीम पर चर्चा ही थी। दरअसल, कुछ समय पहले पंजाब सरकार की तरफ से आपकी सरकार आपके द्वार स्कीम को लॉन्च किया गया था। जिसमें सरकार व सरकारी अधिकारी गांवों में जाकर लोगों की समस्याओं को हल कर रहे थे। ये स्कीम भी कुछ ऐसी ही होगी। इसमें विधायक अपने हल्के, मोहल्लों व गांवों तक जाएंगे और लोगों की समस्याओं का हल करेंगे। मीत हेयर का कहना है कि आम जनता सरकार को चुना है। ऐसे में फर्ज है कि उनकी मुश्किलों का हल किया जाए। इस बैठक में पंजाब में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स का भी रिव्यू किया गया। मिली जानकारी के अनुसार इसमें केंद्र के नेशनल हाईवे के चल रहे प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा हुई है। इसके अलावा लुधियाना व जालंधर में हुई एफआईआर पर भी विचार किया गया। इस दौरान पंचायती चुनावों को लेकर भी चर्चा हुई है। हालांकि विधायक इस पर खुल कर नहीं बोले। दरअसल, अनुमान है कि कल बुधवार होने वाली कैबिनेट की बैठक में पंचायती चुनाव करवाने के लिए मता पास कर दिया जाएगा। वहीं, बीते दिनों पंचायती चुनावों को लेकर हाईकोर्ट में दिए गए जवाब में भी पंजाब सरकार ने स्पष्ट कहा था कि ये चुनाव सितंबर में करवा लिए जाएंगे।

यूएपीए जैसे विशेष कानून के तहत अपराध में भी जमानत नियम', सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

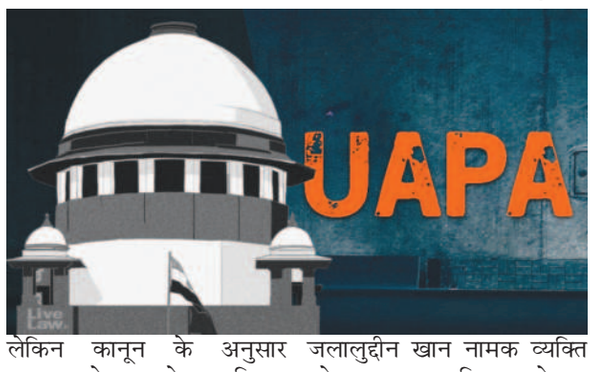

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त आतंकवाद निरोधक कानून के तहत आरोपी व्यक्ति को जमानत देते हुए कहा कि कानूनी सिद्धांतों के अनुसार 'जमानत नियम है, जेल अपवाद'। कोर्ट ने कहा कि विशेष कानूनों जैसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत हुए अपराधों पर भी जमानत का सिद्धांत लागू होता है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि 'अगर अदालतें उचित मामलों में भी जमानत देने से इनकार करना शुरू कर देंगी, तो यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा।'

पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा, 'अभियोजन पक्ष के आरोप बहुत गंभीर हो सकते हैं, लेकिन कानून के अनुसार जमानत के मामले पर विचार करना अदालत का कर्तव्य है। जमानत नियम है और जेल अपवाद है, यह विशेष कानूनों पर भी लागू होता है। अगर अदालतें उचित मामलों में जमानत देने से इनकार करना शुरू कर देती हैं, तो यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा।'

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला जलालुद्दीन खान नामक व्यक्ति को जमानत पर रिहा करते हुए सुनाया। जलालुद्दीन खान पर यूएपीए और अब समाप्त हो चुकी भारतीय दंड संहिता के तहत कई अन्य धाराओं में मामला दर्ज है। जलालुद्दीन पर आरोप है कि उसने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कथित सदस्यों को अपने घर की ऊपरी मंजिल किराए पर दी थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए के अनुसार, जांच से पता चला है कि आरोपी आपराधिक साजिश रचने, आतंक और हिंसा के कृत्यों को अंजाम देने के इरादे से रची साजिश का हिस्सा था, जो देश में एकता और अखंडता के लिए खतरनाक थी।

आरोपी ने फुलवारी शरीफ (पटना) में अहमद पैलेस में किराए के आवास की व्यवस्था की और इसके परिसर का इस्तेमाल हिंसा के कृत्यों को अंजाम देने और आपराधिक साजिश की बैठकें आयोजित करने का प्रशिक्षण देने के लिए किया गया। बिहार पुलिस को 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के दौरान अशांति फैलाने की आरोपियों की योजना के बारे में जानकारी मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने 11 जुलाई 2022 को फुलवारी शरीफ में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया था।

हरियाणा में किसानों-प्रशासन में टकराव, माहौल तनावपूर्ण

आईएमटी रोजकामेव का काम बंद कराने का ऐलान जमीन मुआवजा न मिलने पर भड़के

नूंह , 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह में किसानों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। जमीन के मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने मंगलवार को गांव धीरदोका में धरना स्थल पर हुई महापंचायत में इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप रोजकामेव में काम रोकने का ऐलान किया।

इसके बाद किसान धरनास्थल से उठ कर हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के दफ्तर पहुंच गए और वहां धरना लगा दिया। यहां काफी संख्या में महिलाएं और पुरुष पहुंचे हैं। इसको देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया है। नूंह जिले के आईएमटी रोजकामेव स्थित धीरदोका गांव में मुआवजे को लेकर पिछले 5 महीने से किसानों का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। 9 गांवों के किसानों ने मंगलवार को एक बार फिर महापंचायत बुलाई। इस महापंचायत में किसानों ने कहा कि प्रशासन को दिया गया 35 दिनों का समय पूरा हो गया, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई जवाब नहीं आया।

इसके बाद किसान व महिलाएं ऑफिस के आगे पहुंच गए हैं। किसान नेता रवि आजाद अपने संबोधन में प्रशासन को किसानों की मांगों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

आईएनएस विक्रांत फंड मामला, कोर्ट ने कहा- किरीट सोमैया के खिलाफ आगे जांच की जरूरत

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने भाजपा नेता किरीट सोमैया और उनके बेटे के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में 'क्लोजर रिपोर्ट' का निपटारा करते हुए मामले की और जांच करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस ने इस बात की जांच नहीं की है कि नौसेना के विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' को बचाने के लिए किरीट सोमैया द्वारा इकट्ठा किए गए धन का क्या किया गया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एस पी शिंदे ने पिछले सप्ताह जारी एक आदेश में पुलिस को निर्देश दिया था कि मामले में आगे और जांच की जाए तथा फिर रिपोर्ट जमा की जाए।

भारतीय नौसेना के मजेस्टिक श्रेणी के विमान वाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' को 1961 में नौसेना में शामिल किया गया था। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पूर्वी पाकिस्तान (मौजूदा बांग्लादेश) की नौसैनिक नाकेबंदी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आईएनएस विक्रांत को साल 1997 में सेवामुक्त कर दिया गया था। जनवरी 2014 में आईएनएस विक्रांत को एक ऑनलाइन नीलामी में बेच दिया गया था। आईएनएस विक्रांत को नीलामी से बचाने के लिए भाजपा नेता किरीट सोमैया ने एक अभियान चलाया था, जिसके तहत फंड इकट्ठा किया गया था।

एक पूर्व सैनिक ने अप्रैल 2022 में मुंबई के ट्रांबे थाने में सोमैया और उनके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पूर्व सैनिक ने दावा किया था कि किरीट सोमैया ने आईएनएस विक्रांत को बिक्री से बचाने के लिए अभियान चलाया था और उन्होंने इस अभियान के लिए 2013 में 2,000 रुपये का चंदा दिया था।

अदालत ने जांच को लेकर जताई नाराजगी

शिकायतकर्ता का आरोप था कि सोमैया ने जहाज को बचाने के अभियान में 57 करोड़ रुपये से ज्यादा इकट्ठा किए थे। उन्होंने दावा किया कि इस राशि को महाराष्ट्र के राज्यपाल के सचिव कार्यालय में जमा करने के बजाय उन्होंने इसका गबन किया। मामला बाद में मुंबई पुलिस के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ को स्थानांतरित कर दिया गया। मामले के जांच अधिकारी ने अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा था कि जांच करने के बाद यह पता चला कि किरीट सोमैया पर लगे आरोप न तो सच हैं और न ही झूठ।

मजिस्ट्रेट ने कहा, 'जांच अधिकारी ने कोई भी दस्तावेज रिकॉर्ड में नहीं रखा है जो दिखाता हो कि आरोपी ने राशि को महाराष्ट्र के राज्यपाल कार्यालय में या राज्य सरकार को जमा कर दिया है। इसलिए इस मामले में जांच अधिकारी ने यह जांच नहीं की है कि आरोपियों ने जमा किए गए पैसे का क्या किया।'

अदालत ने यह भी कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों ने अन्य कुछ स्थानों पर भी अभियान चलाए हैं, लेकिन जांच अधिकारी ने दूसरे स्थानों से गवाहों के बयान दर्ज करने की जहमत नहीं उठाई जिन्होंने भी चंदा देने का दावा किया है। मजिस्ट्रेट ने कहा, 'मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद मुझे ऐसा लगता है कि मामले में आगे और जांच जरूरी है।' इसके बाद अदालत ने जांच अधिकारी को आगे जांच करने तथा रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया।

कलकत्ता हाईकोर्ट बोला-पुरुषों को 2 साल की पैटरनिटी लीव मिले

बच्चों की देखभाल के लिए दोनों पेरेंट जिम्मेदार, राज्य सरकार 3 महीने में फैसला करे

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि पुरुषों को भी महिला कर्मचारियों की तरह ही 2 साल की पैटरनिटी लीव मिलनी चाहिए। अब समय आ गया है कि राज्य सरकार पुरुष और महिला कर्मचारियों में भेदभाव न करे और दोनों के साथ एक जैसा व्यवहार करे।

राज्य सरकार को समानता और लिंग भेद को ध्यान में रखते हुए इस पर 3 महीने में फैसला करना चाहिए। जस्टिस सिन्हा ने कहा- हमारा संविधान भी समानता की बात करता है।

कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार को भी आगे आकर समानता की बात करनी चाहिए। केवल महिलाओं को ही बच्चों की देखभाल के लिए जिम्मेदार नहीं माना जाना चाहिए। दोनों पेरेंट बराबर के जिम्मेदार हैं। पश्चिम बंगाल में अभी पुरुष कर्मचारियों को 30 और महिला कर्मचारियों को 730 दिनों तक चाइल्ड केयर लीव का प्रावधान है।

कोलकाता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह निर्देश स्कूल टीचर अबू रेहान की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।अबू रेहान नॉर्थ 24 परगना के एक प्राइमरी स्कूल में टीचर हैं। उनकी पत्नी की मौत हो चुकी है। दो छोटी बेटियों की देखभाल के लिए उन्होंने चाइल्ड केयर लीव देने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि उनके परिवार में दोनों बच्चों के देखभाल के लिए उनके अलावा कोई नहीं है।

अबू रेहान के वकील शमीम अहमद ने कहा कि 2016 में जारी किए गए राज्य सरकार के नियम के मुताबिक उन्हें सिर्फ 30 दिन की लीव मिल सकती है। लेकिन अबू के लिए 30 दिन काफी नहीं होंगे। 2015 में जारी किए गए राज्य सरकार के नियम में महिला कर्मचारियों को 730 दिन की लीव दी गई है।

रेहान को भी 730 दिन की ही लीव मिलनी चाहिए, क्योंकि उनकी पत्नी की मौत हो चुकी हैं। राज्य सरकार के दोनों नियम असमानता और लिंग भेद बढ़ाते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से मौजूद वकील ने कहा- राज्य में महिला कर्मचारियों को दिए जाने वाले लाभ अभी पुरुषों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। याचिकाकर्ता की मांग पर विचार किया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 14 अगस्त- 2024

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले

बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, उसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अभी तक 5 अल्पसंख्यक हिंदुओं की मौत हुई है तो 200 से ज्यादा हमले हो चुके हैं। यह आंकड़ा भी सिर्फ एक हफ्ते का है, ऐसे में जमीन पर स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। बांग्लादेश में मची उथल-पुथल का कुछ प्रभाव भारत पर पड़ना भी स्वाभाविक है। इसके चलते यहां भी कुछ इलाकों में लोगों पर भीड़ के हमले होने लगे हैं। जहां बांग्लादेश में हो रहे हमलों की चौतरफा निंदा हो रही है और अंतरिम सरकार को जल्द से जल्द हालात काबू करने की जरूरत बताई जा रही है वहीं भारत में भी हो रहे उपद्रव को अच्छा नहीं माना जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद जिस तरह से वहां हिंदुओं को निशाना बनाने की खबरें आईं, उससे भारत में बेचैनी स्वाभाविक है। इसमें दुष्प्रचार का तत्व भी ज्यादा दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर पुराने विडियो और फेक तस्वीरों के जरिए हमलों की बातें बढ़ा-चढ़ाकर फैलाई जा रही हैं। मगर इसमें दो राय नहीं कि वहां हमले हुए हैं, जिन पर काबू पाने की कोशिश वहां का प्रशासन कर रहा है। अक्सर देखा गया है कि जब भी कोई समाज या देश किसी बड़े बदलाव या अनिश्चितता से गुजरता है, तो असामाजिक तत्व उसका बेजा फायदा उठाने उतर पडते हैं। बांग्लादेश आजकल जिस हालात से गुजर रहा है, उसमें भारत की सरकार ही नहीं, लोग भी उससे सहानुभूति रखते हैं। ऐसे हालात में भारत बांग्लादेश की हरसंभव मदद करने को भी तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं ने भी बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। इसी बीच ओडिशा के कुछ जिलों में बांग्लाभाषी लोगों को निशाना बनाने की खबरें चिंता पैदा करने वाली हैं। फिलहाल, हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, लेकिन कई ऐसे विडियो सामने आ रहे हैं जिनमें कुछ लोग बांग्ला भाषियों को बांग्लादेशी कहते हुए उन्हें परेशान करते देखे जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से बात करके इन घटनाओं पर रोक लगाने का अनुरोध भी किया है। लोगों को यह समझना होगा कि बांग्लादेश एक अलग देश है, जहां की कानून व्यवस्था पूरी तरह से उसका आंतरिक मामला है। उसे ठीक रखने का काम वहां की सरकार और प्रशासन का है। बता दें कि बांग्लादेश में इस समय 91 फीसदी मुसलमान हैं, 8% से भी कम हिंदुओं की आबादी है। चिंता का विषय यह है कि हिंदुओं की आबादी बांग्लादेश में साल दर साल घटती जा रही है। बांग्लादेश में 1971 में हिंदुओं की आबादी 13.5 प्रतिशत थी, 1991 तक आंकड़ा 10 फीसदी के आसपास पहुंच गया और अब यह 8 फीसदी से भी नीचे जा चुका है। बहरहाल, उसे मुद्दा बनाकर अपने देश के अंदर कानून व्यवस्था की स्थिति बिगाड़ने की कोई भी कोशिश खतरनाक साबित हो सकती है। पश्चिम बंगाल के लोग देश के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं। बांग्ला बोलने वालों के खिलाफ इस तरह की कोई भी मुहिम उनके मन में असुरक्षा की भावना बढ़ा सकती है। अगर किसी इलाके में अवैध बांग्लादेशी भी रहते हों तो उनके खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई करने का अधिकार और दायित्व प्रशासन का है। अगर असामाजिक तत्वों का कोई हिस्सा अपनी तरफ से ऐसी कोशिश करता है तो उसे तत्काल और सख्ती से रोके जाने की जरूरत है।

सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड़ शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड़ रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पड़े है। यह तो तब है जब देष के सबसे बड़े बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड़ जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढ़े 8 हजार करोड़ की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढ़े 8 हजार करोड़ रु. की जुर्माना राशि का आंकड़ा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड़ से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है। देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है। बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निष्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढ़ाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढ़ाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं।

आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बड़ा बड़ा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पड़ता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है।

14 अगस्त 1947 हिन्दुओं के लिए काला दिवस था

अशोक भाटिया

आज देश आजाद है मगर यह आजादी इतनी आसानी से कहां मिली. आजादी के पीछे संघर्षों को आज की युवा पीढ़ी नहीं जानती क्योंकि उस पर न ज्यादा लिखा गया, न ज्यादा बातें की गई। हम मनाते हैं आजादी की खुशी 15 अगस्त को स्कूल कॉलेज, सरकारी संस्थाओ में मगर आजादी के पीछे का संघर्ष दर्दनाक है। दर्द को महसूस किया है हमारे बुजुर्गों ने, देश को बंटते देखा है, लाखों बेगुनाहों को मरते देखा है। काला दिन बना था. 14 अगस्त 1947 की तारीख भारत भला कैसे भूल सकता है। एक तरफ 200 वर्षों की गुलामी के बाद आजादी मिलने वाली थी, वहीं दूसरी ओर देश के दो टुकड़े हो रहे थे क्योकि इसी के साथ भारत के भूगोल, समाज और संस्कृति का 14 अगस्त 1947 को बंटवारा हो गया था। बंटवारे की वजह से करोड़ों लोगों को अपने मकान, दुकान और तमाम संपत्ति छोड़कर विस्थापित होना पड़ा था। इस दौरान हुए दंगों में लाखों लोगों ने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया था। लिहाजा, अगर 14 अगस्त को भारत के इतिहास का सबसे मुश्किल दिन कहा जाना गलत नहीं होगा। इसी दिन भारत से अलग होकर पाकिस्तान वजूद में आया था। पाकिस्तान को 14 अगस्त 1947 को ही स्वयंभू राष्ट्र का दर्जा हासिल हुआ था। इसी दिन पाकिस्तान अपना स्वतंत्रता दिवस भी मनाता है। ब्रिटिश हुकूमत से स्वतंत्रता मिलने के साथ ही देश के दो हिस्से और फिर करोड़ों लोगों का एक देश से दूसरे में विस्थापित होना भारत के लिए सबसे पेंचीदा दौर था। बंटवारे का दर्द सहने वाले परिवार इसे कभी नहीं भूल पाए। सिर्फ एक फैसले की वजह से लाखों लोग अपनी संपत्ति से बेदखल होकर सड़क पर आ गए थे। बंटवारे की ये त्रासदी 20वीं सदी की सबसे बड़ी त्रासदियों में एक मानी जाती है। जब भारत को आजादी मिली, तब देश की कुल आबादी करीब 40 करोड़ थी। आजादी मिलने के पहले से ही मुसलमान अपने लिए अलग मुल्क की मांग कर रहे थे। अलग मुल्क की मांग कर रहे मुसलमानों का नेतृत्व मुस्लिम लीग के मोहम्मद अली जिन्ना कर रहे थे। उस दौर में हिंदू बहुल भारत में मुसलमानों की आबादी करीब एक चौथाई थी। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू देश के दो हिस्से करने के खिलाफ थे लेकिन, जिन्ना की जिद अंग्रेजों को जाते-जाते एक लकीर खींचने का मौका दे गई। ये ऐसी लकीर थी जिसकी वजह से दो देशों के बीच आज तक उथल-पुथल, मनमुटाव का कारण बनी हुई है। इस एक लकीर के कारण दुनिया ने इतिहास का सबसे बड़ा विस्थापन देखा जिसमें 1।45 करोड़ लोगों का विस्थापन हुआ। गुलाम भारत में जिन लोगों ने एकसाथ आजादी का सपना देखा था, बंटवारे के बाद वही एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए। बंटवारे का सबसे ज्यादा दर्द दोनों मुल्कों की महिलाओं ने झेला। उस दौर का इतिहास लिखने वाले ज्यादातर लेखकों ने लिखा कि दंगों में हजारों महिलाओं के साथ बलात्कार और बदसलूकी हुई। डीडब्ल्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में रहने वाली सरला दत्त ने बताया कि उस दौर में महिलाओं के लिए विभाजन का दर्द कितना बड़ा था? उन्होंने खुद इस दर्द को सहा था। उन्होंने बताया था कि बंटवारे के समय उनकी उम्र महज 15 साल थी। उनके पिता जम्मू के रेडियो स्टेशन में संगीतकार थे। बंटवारे के दंगों में एक पाकिस्तानी सैनिक ने उनका अपहरण कर लिया। बंटवारे के बाद पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों के घरों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कब्जा कर लिया था। गैर-मुस्लिमों को पाकिस्तान छोड़ने की धमकियां दी जा रही थीं। सरला दत्ता ने डीडब्ल्यू को बताया कि पाकिस्तान से भागते हुए लोगों ने खेतों में रोते हुए बच्चों को पड़े देखा। उस दौर में ऐसा लग रहा था, जैसे इंसानियत पूरी तरह से खत्म हो गई है। पुरुष बच्चों को छोड़ रहे थे। महिलाओं को डर था कि अगर तेजी से नहीं चलीं तो पीछे छूट जाएंगी। सरला बताती हैं कि अपहरण के बाद उसकी शादी उस मुसलमान सैनिक के भाई से करा दी गई। उनको जबरदस्ती कुरान पढ़ाया गया। उनसे घर के काम कराए गए। सरला दत्त के मुताबिक, पाकिस्तान में हिंदू महिलाओं को नंगा करके घुमाया जाता था। महिलाएं उनकी ज्यादतियों की सबसे आसान शिकार बन रही थीं। बंटवारे ने महिलाओं को दर्द की कभी खत्म ना होने वाली कहानी दी। बंटवारे ने दोनों देशों के लोगों के लिए हालात बेहद खराब बना दिए थे। लोग वहशीपन में महिलाओं के साथ ही बच्चों को भी अपना शिकार बना रहे थे। दंगाइयों की टोलियां खुलेआम देश छोड़कर जाने की धमकियां दे रही थीं। हर तरफ मौत और वहशीपना अपना नंगा नाच कर रहा था। भारत को दो हिस्सों में बांटकर पाकिस्तान बनाने का काम बेहद अफरातफरी में किया गया था। भारत के अंतिम गवर्नर जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने जल्दबादी में बंटवारा किया। उन्हें भारत और पाकिस्तान के लोगों की फिक्र नहीं थी। उन्हें किसी भी तरह से ब्रिटेन के सैनिकों को भारत से निकालने की जल्दी थी। यही नहीं, दोनों देशों के बीच बंटवारे की लकीर खींचने वाले सीरिल रेडक्लिफ कुछ हफ्ते पहले ही भारत आए थे। उन्होंने बिना धार्मिक और सांस्कृतिक हालात को समझे ही एक लकीर खींचकर दो देश बना दिए। सीरिल रेडक्लिफ की खींची इस एक लकीर ने दोनों देशों के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कभी खत्म नहीं होने वाली खाई पैदा कर दी। पाकिस्तान को 14 अगस्त 1947 को आजादी मिली और 15 अगस्त 1947 को हिंदुस्तान ने आजादी का जश्न मनाया लेकिन दोनों देशों के बीच की सीमा रेखा तय करने में 17 अगस्त तक का समय लग गया। 17 अगस्त 1947 को दोनों देशों के बीच सीमाएं खींच गईं। इसके बाद हालात बिगड़ते चले गए। बंटवारे से दो देश तो बन गए लेकिन इसने दो मुल्कों के बीच हमेशा के लिए नफरत का बीज बो दिया। 14 अगस्त को याद करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में इस दिन को यादगार बनाने हेतु शुरुआत करते हुए कहा था कि देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। लाखों लोगों को विस्थापित होना पड़ा, अपनी जान गंवानी पडी। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर याद किया जाए। इसे याद करते हुए कई संस्थाओं द्वारा कहीं पोस्टर कंपटीशन तो कहीं मौन प्रार्थना , कहीं प्रदर्शनी का आयोजन हो ताकि युवा इस दिन को याद रख सके। हमारे बुजुर्गों के संघर्ष को जान सके और सबक सीखे कि हमें अपने देश की सीमाओं की रक्षा करनी है। हमें अपने धर्म की रक्षा करनी है। हमें अपनी संस्कृति को बचाना है ताकि फिर कोई बहरूपिया हमारे देश को गुलाम न बना सके, फिर कोई बटवारा ना हो, फिर हमारी आजादी न छिन जाए... सही मायने में तभी सार्थक होगी आजादी। कहते हैं कोई भी समाज व राष्ट्र तब तक जीवित है जब तक उसका इतिहास है और जब तक हम युवा पीढ़ी व आने वाली पीढी को इतिहास को नहीं बताएँगे तो अपने देश की रक्षा कैसे करेंगे। क्या पता फिर से इतिहास एक नए रूप में सामने आ रहा हो ? हमें हमेशा सतर्क रहकर अपने राष्ट्र के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। हमने अपनी एकता खोई है, कुछ लालची लोगों के कारण अपने वतन को खोया है. फिर कोई धर्म हमें न तोड़े, फिर हम अपनी मां बेटियों को न खोए, फिर कोई हमारी संस्कृति मिटाने का काम न करे। इसलिए इतिहास को याद रखकर देश के लिए बड़े निर्णय लेने चाहिए।

भारत विभाजन का कड़वा सच

मुनीष त्रिपाठी

1971 में बांग्लादेश के निर्माण में भारत की प्र मु ख भूमिका रही थी, उस देश के कट्टरपंथियों ने अपनी चुनी हुई सरकार को अपदस्थ कर दिया और अब वहां के अल्पसंख्यको ख़ासकर हिन्दुओं और बौद्ध अनुयाईयों के जानी दुश्मन बनें हुए है। 14 अगस्त 1947 को भारतीय पुण्यभूमि खंडित हुई उस खंडित भूमि का नाम पाकिस्तान पड़ा । 2021 को 14 अगस्त को भारत सरकार ने फैसला किया कि वह अब हर साल 14 अगस्त को भारत के विभाजन की त्रासदी को लेकर स्मृति दिवस मनाएगा । भारत विभाजन की विभीषिका इतनी गहरी थी जिसकी कल्पना भी उन लोगों के आज भी रोंगटे खड़े कर देती है जिन्होंने प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष जिनके परिजनों ने विभाजन की विभीषिका को देखा था, सुना है। कहा जाता है बड़े लोग जब गलती करते है या उनसे महत्वपूर्ण निर्णयों के आकलन में गलती होती है तो उसका दुष्परिणाम भी बहुत व्यापक और लंबे कालखंड के लिये होता है। विभाजन की भूमिका का बीज सबसे पहले 1909 में मारले मिंटो सुधार के तहत विधान परिषदों में मुसलमानों के लिये पृथक निर्वाचन अधिनियम में पड़ा था । पहले कांग्रेस ने इसका प्रखर विरोध किया लेकिन 1916 में कांग्रेस ने लीग के साथ लखनऊ समझौते में स्वीकार कर लिया । यही से कांग्रेस ने मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे घुटने टेक कर सैद्धांतिक स्वीकृत दे दी और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे भारत के खंडित होने तक लगातार झुकती रही । 1920 में असहयोग आंदोलन में तुर्की के अपदस्थ खलीफा के समर्थन में खिलाफत को भी इस आंदोलन में गांधी जी के प्रभाव में जोड़ दिया गया जिसका भारतीय भूमि से कोई लेना देना नही था । इंदुलाल याज्ञिक ने अपनी किताब 'गांधी एज आई न्यू हिम' के पेज 129 में लिखा कि हमने गांधी जी यह सौदा कभी नही किया था कि हम उनके साथ किसी धार्मिक या धार्मिक राजनैतिक आंदोलन में शामिल होंगे। आंदोलन की समाप्ति के बाद पूरे देश के छोटे बड़े शहरों में दंगे हुए । मालाबार में तो मुस्लिम मोपलाओं ने हिंदुओ का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया। कांग्रेस कार्यसमिति में इस कुकृत्य की खुलकर निंदा नही हुई । आंबेडकर ने अपनी किताब 'पाकिस्तान और भारत विभाजन ' के पेज 148 में लिखा कि महात्मा गांधी ने नरसंहार करने वाले मोपलाओं के बारे में कहा कि मोपला धर्मभीरु वीर लोग है जो उनके विचार से धर्म सम्मत है। पाकिस्तान के हिंदुओ ने सिंध को तत्कालीन बम्बई प्रान्त से अलग न करने की मांग को लेकर गांधी से कहा ऐसा करने से वे अल्पसंख्यक हो जाएंगे उनके जीवन पर पहले से अधिक खतरा हो जाएगा। इस पर गांधी जी ने 10 फरबरी 1940 के अपने हरिजन समाचार पत्र के द्वारा कहा कि₹ हिंदुओ को अपनी जानमाल की हिफाजत करने का तरीका खुद खोजना होगा। नतीजा सिंध, बंबई प्रान्त से अलग हुआ और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक हो गए । उन पर हमलों की संख्या में जबरदस्त बढोत्तरी हुई। इसमें कोई शक नही कि गांधी ने खेड़ा, चंपारण, असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वारा भारतीय जन समुदाय को स्वतंत्रता की चेतना से जोड़ दिया परन्तु साम्प्रदायिकता के आगे वह लगातार घुटना टेकते रहे । जिससे मुस्लिम लीग को ताकत मिलती गयी और वह लगातार मजबूत होती चली गई। जाने माने इतिहासकार विपिन चंद्रा जिन्हें आमतौर पर गांधीवादी इतिहासकार माना जाता है उन्होंने अपनी किताब 'भारत का स्वतंत्रता संघर्ष' में गाँधी युग की कांग्रेस पर साम्प्रदायिकता से लड़ने में असफल बताकर कांग्रेस की खुलकर आलोचना की । उन्होंने अपनी किताब भारत का स्वतंत्रता संग्राम में 353, 387,395 पेज पर लिखा कि ₹ कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता से संघर्ष नही किया और उसके मूल कारणों को नही समझा जिससे मुस्लिम लीग और जिन्ना मजबूत होते गए। कांग्रेस स्वतंत्रता की चेतना का प्रसार तो कर सकी परन्तु राष्ट्र से नही जोड़ सकी खासकर मुसलमानों को । यह कांग्रेस की बड़ी कमजोरी थी । ₹ भारतीय भूभाग को अलग होने और पाकिस्तान बनने की प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी नही हुई यह लंबे कुटिल ,कुत्सित प्रयासों और राष्ट्रवादी विचारों की दीर्घकालीन असफलताओं के चलते हुआ है। अविभाजित भारत लाहौर के रहने वाले प्रोफेसर ए एन बाली जिन्होंने खुद अपनी आंखों से बटवारे को देखा था । उन्होंने बंटवारे के पीछे की कुटिलताओं और राष्ट्रीय असफलताओं को भी अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने बंटवारे पर 'नाउ इट कैन बी टोल्ड' नामक पुस्तक लिखी है। उन्होंने अपनी इस किताब के पेज 34 में लिखा कि कैसे लाहौर जो कि हिन्दू बाहुल्य 1941 तक था । मुस्लिम लीग ने एक हिन्दू पार्षद के वोट के चलते लाहौर नगर निगम में बहुमत प्राप्त कर नगर निगम द्वारा ग्रामीण मुस्लिम इलाकों को मिलाकर लाहौर को मुस्लिम बाहुल्य बना दिया था । बटवारे तय होने के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने अंतिम समय तक यह तय नही किया था कि लाहौर, कलकत्ता और दिल्ली पाकिस्तान में रहेगा या भारत में । हिंदुओं के बहुमत के कारण कलकत्ता और दिल्ली तो भारत को मिल गए परन्तु प्रभु श्रीराम के पुत्र लव का बसाया शहर लाहौर, हिंदू अल्पसंख्यक हो जाने के कारण पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया। साम्प्रदायिकता से नतमस्तक होने और तुष्टीकरण की नीति के चलते भारत का दुखद विभाजन हुआ और विभाजन की ऐसी विभीषिका जनमानस ने झेली जिसका वर्णन करना मुश्किल है। विभाजन के दौरान ब्रिटिश अधिकारी मोसले जिसने अपनी आंखों से दुखद विभाजन को देखा था। उसने बताया था कि पाकिस्तान से भारत में आने वाला एक जत्था 73 मील का था । ये लम्बे जत्थे इसलिये चलते थे क्योकि जत्थों में शामिल लोगों को लगता था कि बड़े जत्थे के साथ चलना उनके लिये ज्यादा सुरक्षा जनक हो सकता है। फिर भी हालात इतने बुरे थे पाकिस्तान के मुस्लिम बलवाई जत्थों पर हमला करके सामान, महिलाओं, युवतियों को लूट लेते थे फिर भी जत्था रुकता नही था और चलता ही जाता था। विस्थापित हो रहे परिजन और पीड़ित असहाय होकर हमेशा के लिये स्वजनों से बिछड़ जाते थे ।विभाजन की विभीषिका का वर्णन किताब 'फ्रीडम मिडनाइट चिल्ड्रन' तथा लेखक गुरुदत्त की कई पुस्तकों में जिन्होंने विभाजन स्वयं झेला था सहित कई किताबों में वर्णित है । ज्ञात इतिहास में मात्र छह महीनों में इतनी बड़ी त्रासदी आधुनिक दुनिया में शायद ही कहीं हुई हो। हिटलर ने जरूर तीस लाख यहूदियों का कत्ल करवा दिया था परंतु उसे ऐसा करवाने में काफी समय लगा था। 14 अगस्त 1947 को देश ने बंटवारें का दर्द झेला था। पाकिस्तान जहां इसे अपनी आजादी के दिन के रूप में मनाता हैं वहीं भारत में अभी भी लाखों लोग हैं जिनके दिलों में बंटवारे का जख्म , दर्द आज भी ताजा है। लाखों लोग अपना घर, परिवार और रिश्तेदार को छोड़कर भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए। देश के बंटवारे के समय करीब ढाई करोड़ लोग दोनों देशों के विस्थापित हुए।

दरिंदगी हैवानियत की पराकाष्ठा है महिला डाक्टर की हत्या

मनोज कुमार अग्रवाल

कोलकाता के आर. जी. कर मे डि क ल कॉ ले ज हास्पिटल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी क्रूरता पाशविकता की जो खूनी वारदात सामने आयी है, उसने एक बार फिर से पूरे देश को झकझोर कर रख दिया हैऔर बता दिया है कि हम कितने कड़े कानून बनाने और महिला सुरक्षा के दावे पेश करे लेकिन सब ढोंग है बेमानी है महिला चाहे खेत खलिहान में हो चाहे सरकारी अस्पताल में वह सब जगह असुरक्षित है खूनी और काम पिपासु इंसान की खाल में छिपे कजानवर हर जगह मौजूद हैं और मौका मिलते ही अपनी हवस का शिकार बना देते हैं और इस के लिए हत्या तक कर देते हैं।

डाक्टर बनने के लिए एक छात्र छात्रा को अपने किशोर से युवावस्था के करीब दस साल खर्च करने होते हैं इस दौरान उसे नीट परीक्षा पास करने से लेकर एमबीबीएस की साढ़े पांच साल की कठिन व विस्तृत पढ़ाई कर परीक्षा पास करना होता है बहुत सारे अभ्यर्थी उच्च अंक के बावजूद सरकारी कालिजो में कम सीट होने के कारण एडमिशन से वंचित रह जाते हैं सामर्थ्यवान परिवार साठ लाख से डेड़ करोड़ रुपये खर्च कर अपने बच्चों को डाक्टरी की शिक्षा दिलाते हैं। इस सब से आप समझ सकते हैं कि एक डाक्टर कितना मेहनत और जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष खपा कर फील्ड में उतरता है। बेशक कुछ प्राइवेट अस्पतालों की पैसा कमाने की अनाप शनाप तौर तरीकों के कारण डाक्टरों के पवित्र पेशे पर कुछ लोगों का भरोसा डिगा है लेकिन हकीकत में डाक्टर अस्वस्थ लोगों को स्वास्थ्य देने के लिए अपने जीवन को समर्पण करता है। उसके जीवन का तमाम कार्य समय लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ही होता है। इसीलिए आज भी डाक्टर को धरती का भगवान कहा जाता है लेकिन यदि ऐसे ही किसी युवा तीस साल की युवा डाक्टर को एक सरकारी हास्पिटल के सेमीनार हाल में दरिंदगी के बाद बर्बरता से कत्ल कर दिया जाए तो यह न सिर्फ मानवता के साथ क्रूरतम अपराध है वरन समूची व्यवस्था और कानून के शासन पर भी तमाचा है आखिर आजादी के पिछततर साल बाद भी हम देश में कैसी व्यवस्था और सुरक्षा दे रहे हैं जिसमें एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात महिला डाक्टर तक सुरक्षित नहीं है। महिला सुरक्षा के सारे नारे बेमानी हो जाते हैं। निसंदेह कोलकाता की इस अमानवीय वारदात से पूरा देश मर्माहत और दुःखी है। यही कारण है कि न सिर्फ बंगाल, बल्कि पूरे देश में एक बार फिर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। एक विकृत मानसिकता वाले अपराधी ने जिस प्रकार से मेडिकल कॉलेज के भीतर निर्मम और वीभत्स तरीके से महिला के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या को अंजाम दिया है, उससे यह बात साफ हो जाती है कि महिलाएं न तो घर में सुरक्षित हैं और न ही बाहर। एक विकृत मानसिकता का व्यक्ति कब किसी बेटी या महिला को अपना शिकार बनाए, कहा नहीं जा सकता है। इससे यह भी बात साफ हो जाती है कि पढ़ाई- लिखाई का स्तर ऊंचा उठने, खानपान, फैशन, रहन-सहन आदि मामलों में आधुनिकता बोध पैदा होने के बावजूद महिलाओं को लेकर समाज में कुछ विकृत मानसिकता वाले व्यक्तियों की सोच में कोई परिवर्तन नहीं आया है और आज भी ये महिलाओं को सिर्फ गलत नजरिए से ही देखते हैं। इसी का नतीजा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध कम होने के बजाए और बढ़ते जा रहे हैं। आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का एक प्रसिद्ध मेडिकल कॉलेज हैं और इस कॉलेज के सेमिनार हॉल में शुक्रवार को पोस्ट- ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर का अर्धनग्न शव मिला था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उसकी रेप के बाद हत्या की गई है। मगर पोस्टमार्टम की जो रिपोर्ट आयी है, वह भी काफी दिल दहलाने वाली हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उसकी दोनों आंखों और मुंह से खून बह रहा था, चेहरे और नाखून पर चोट के निशान थे। पीड़िता के शरीर से भी खून बह रहा था और उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाएं हाथ, अनामिका और होंठों पर भी चोट के निशान थे। साफ है कि आरोपी ने डॉक्टर महिला के साथ हैवानियत की सारे हदें पार कर दी है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। जूनियर डॉक्टर गुरुवार को अस्पताल में रात की ड्यूटी कर रही थीं। रात 12 बजे के बाद दोस्तों के साथ डिनर भी किया था। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया।

चोर चोर सगे भाई से बढ़ कर

डॉ टी महादेव राव

भैया। जनतंत्र या लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ क्या है? इसमें जन यानी जनता और लोक यानी लोग भी विराजमान हैं। छोटू। जनता के लिए, जनता का और जनता द्वारा चुना गया शासन तंत्र का नाम ही है जनतंत्र या लोकतंत्र। आप किताबी सिद्धांतों की बात मत बताइए। जो व्यावहारिक रूप में हो रहा है या जो सच है, वह बताइए। इसमें सैद्धांतिक और व्यवहारिक रूप में भेद कहां है छोटू! आप कवित्त और गीत लिखने से बाहर आइए। जो हो रहा है, उस पर गौर करके सचाई बताइए। नेताओं द्वारा नेताओं के लिए नेताओं का जो देश भक्षण किया जा रहा है, वह जन तंत्र नहीं धनतंत्र है। ठीक है। नाम का लोकतंत्र है और संसद और विधान सभा में सत्ता पक्ष का ध्यान हमेशा विपक्ष को पटकी देने पर होता है और विपक्ष का पूरा दिलो दिमाग सत्ता पक्ष को पछाड़ने में रहता है। इन दोनों के बीच कभी जनता के कल्याण का, लोगों के हितों का कभी जिक्र आया? रही बात एक दूसरे पर कीचड उछालने की तो इसमें कीचड़ जैसे अभावों में सन जाती है आम जनता। अब आई पटरी पर रेल। अच्छा ये बताइए कि जब भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जाता है तो इस पर कोई जांच समिति बिठाने की बजाय उस मामले में लिप्त लोगों या संस्थानों को बचाने का प्रयास पूरी पलटन के साथ क्यों किया जाता है? इसमें राज क्या है? चोर की दाढ़ी में तिनका। आरोपों के बचाव में बड़े बड़े शब्दों का प्रयोग कर डराया जाता है। देश की अखंडता, वित्तीय स्थिति, आर्थिक व्यवस्था पर गहरे आघात की बातें कहकर भयभीत जाता है। भैया! मुझे तो तभी शक हुआ था जब वोटों की गिनती चार जून को हो रही थी और सत्ता पार्टी की सीटें कुछ कम थीं तभी शेयर मार्केट का पतन हो रहा था बाद में यह संतुलित हो गया। मोदानी की कंपनियों और शेयरों के पीछे पूरी सत्ता पार्टी इस कदर संवेदनशील क्यों है? यह मोदानी कौन है छोटू? ओह सॉरी भैया। अदानी और बड़े भैया को मिलाकर मोदानी हो गया था। कभी कभी दिमाग भी न कैसे जोड़ घटाव कर लेता है। कभी कभी ऐसा होता है कि विपक्ष ने कोई बात कहीं और जिस पर बयान दर बयान, खंडन दर खंडन किया जाता है, वही बयान उनके अपने कोई करते हैं तो चुप्पी साध ली जाती है। क्यों न साधें भैया? चोर चोर सगे भाई को ठहरे।

शिव जी से सीखें जीवन प्रबंधन

तनाव दूर करने के लिए ध्यान करें, टीम बनाकर काम करें और कभी घमंड न करें

अभी शिव जी का प्रिय महीना सावन चल रहा है। इस महीने में शिव पूजा के साथ ही शिव जी के सूत्रों को जीवन में उतार लेंगे तो सभी परेशानियां खत्म हो सकती हैं। शिव जी से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिनमें जीवन प्रबंधन के सूत्र बताए गए हैं, इन सूत्रों को अपनाने से मुश्किल लक्ष्य भी पूरे किए जा सकते हैं।

मन शांत रखने के लिए ध्यान करें

शिवपुराण के मुताबिक इस सृष्टि की रचना ब्रह्मा जी ने शिव जी की इच्छा से ही की है। सृष्टि बचाने के लिए शिव जी ने हलाहल विष का पान किया था, समय-समय पर कई असुरों का वध किया। शिव जी, ब्रह्मा-विष्णु के साथ सृष्टि का संचालन करते हैं, फिर भी वे हमेशा ध्यान की मुद्रा में ही दिखाई देते हैं। ध्यान से मन शांत रहता है और एकाग्रता बनी रहती है।

सीख - शिव जी का ध्यान करता हुआ स्वरूप संदेश देता है कि हमें भी अपने मन शांत रखने के लिए और तनाव दूर करने के लिए ध्यान करना चाहिए।

संतान को समाज सेवा के लिए प्रेरित करें

शिव जी के पुत्र कार्तिकेय स्वामी का पालन उनसे दूर एक वन में कृतिकाओं ने किया था। जब ये बात शिव-पार्वती को मालूम हुई तो उन्होंने कार्तिकेय को कैलाश पर बुलवाया था। उस समय तारकासुर ने आतंक मचा रखा था और उसे वरदान मिला था कि उसका वध शिव जी का पुत्र ही कर पाएगा। कार्तिकेय जैसे ही कैलाश पहुंचे, सभी देवता भी शिव जी के पास पहुंच गए। देवताओं ने शिव जी से प्रार्थना की कि वे कार्तिकेय स्वामी को देवताओं के साथ भेज दें, ताकि तारकासुर का वध हो सके। शिव जी ने देवताओं की प्रार्थना मान ली और कार्तिकेय को सभी के हित के लिए भेज दिया। कार्तिकेय ने तारकासुर का वध किया और देवताओं के साथ ही सृष्टि को तारकासुर के आतंक से मुक्ति दिलाई।

सीख - शिव जी ने संदेश दिया है कि हमें संतान को ऐसे काम करने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिनसे समाज का भला होता है।

टीम बनाकर काम करें

माना जाता है कि इस सृष्टि की रचना शिव जी की इच्छा से ब्रह्मा जी ने की है। इसका संचालन शिव जी ने भगवान विष्णु को सौंप रखा है और स्वयं संहारक की भूमिका निभाते हैं। सृष्टि का संचालन करने के लिए तीनों देव एक टीम बनाकर काम कर रहे हैं। तभी इतना बड़ा काम व्यवस्थित ढंग से हो पा रहा है। सीख - लक्ष्य बड़ा हो तो हमें टीम बनाकर काम करना चाहिए। टीम के सभी सदस्य अपनी-अपनी योग्यता के हिसाब से काम का बंटवारा करके आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

कभी भी घमंड न करें

महाभारत के समय अर्जुन को अपनी धनुर्विद्या पर घमंड हो गया था। उस समय शिव जी ने एक वनवासी के वेष में अर्जुन का घमंड तोड़ा था। अर्जुन एक वनवासी को सामान्य व्यक्ति समझ रहे थे, लेकिन धनुर्विद्या में शिव जी ने वनवासी के वेश में अर्जुन को हरा दिया था। शिव जी चाहते थे कि अर्जुन घमंड छोड़ दें ताकि युद्ध में पांडवों की जीत हो सके।

सीख - घमंड किसी को भी बर्बाद कर सकता है, इसे जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए। कभी किसी को छोटा न समझें।

बिन बुलाए किसी के घर न जाएं

देवी सती और शिव जी से जुड़ा प्रसंग है। सती के पिता दक्ष ने यज्ञ किया तो उसमें शिव-सती को नहीं बुलाया। सती को ये बात मालूम हुई तो वह बिन बुलाए पिता के यहां जाने की जिद करने लगीं। शिव जी ने समझाया कि बिना बुलाए हमें नहीं जाना चाहिए, लेकिन सती नहीं मानीं और पिता के यहां यज्ञ में पहुंच गईं।

दक्ष ने सती के सामने शिव जी के लिए अपमानजनक बातें कहीं। सती शिव जी का अपमान नहीं सह सकीं और दक्ष के यहां यज्ञ कुंड में कूद कर अपनी देह त्याग दी।

सीख - शिव-सती के इस किस्से की सही यही है कि हमें कभी भी किसी के यहां बिन बुलाए नहीं जाना चाहिए।

12 महीने बाद शुक्र करेंगे अपनी नीच राशि कन्या में प्रवेश

इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

ज्योतिष शास्त्र मुताबिक ग्रह समय- समय पर अपनी नीच और उच्च राशि में गोचर करते हैं, जिसका प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि शुक्र ग्रह 15 अगस्त को कन्या राशि में गोचर करने जा रहे हैं। कन्या राशि में वैसे तो शुक्र ग्रह नीच का फल प्रदान करते हैं। लेकिन कुछ राशियों का शुक्र के गोचर से भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन लोगों की धन- दौलत में बढ़ोतरी हो सकती है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं वृष राशिः आप लोगों के लिए शुक्र ग्रह का गोचर शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह गोचर आपकी राशि से पंचम भाव पर होने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपको संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। साथ ही आपको हर काम में सफलता मिलेगी और आपके लिए आय के नए स्रोत खुलेंगे। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी और आपको कुछ नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। वहीं अगर आपका प्रेम संबंध चल रहा है तो वह विवाह में तब्दील हो सकता है। साथ ही इस अवधि में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी और आपको धन कमाने के कई मौके मिलेंगे। सिंह राशि : शुक्र ग्रह का गोचर सिंह राशि के जातकों को लाभप्रद साबित हो सकता है। क्योंकि शुक्र ग्रह आपकी गोचर कुंडली के धन और वाणी स्थान पर संचरण करने जा रहे हैं। इसलिए इस दौरान आपको रिलेशनशिप के मामले में लाभ होगा और जीवनसाथी की तलाश पूरी हो सकती है। वहीं आपके व्यक्तित्व में निखार होगा। साथ ही आपकी वाणी में प्रभाव बढ़ेगा, जिससे लोग इंप्रेस होंगे। वहीं कारोबार में आय के नए रास्ते खुलेंगे और नौकरी में आपके वेतन में वृद्धि और पदोन्नति के योग बन रहे हैं। साथ ही इस अवधि में व्यापारियों को अटका हुआ धन मिल सकता है। वहीं इस समय आप धन की सेविंग करने में सफल रहेंगे। मकर राशिः शुक्र ग्रह का कन्या राशि में प्रवेश आप लोगों को लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह गोचर आपकी राशि से नवम भाव पर होने जा रहा है। इसलिए इस समय आपका भाग्य चमक सकता है। साथ ही आपको कार्यों में किस्मत का साथ मिलेगा। वहीं इस दौरान अगर आप सट्टा, लॉटरी और शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो भी आपको आगे चलकर अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। साथ ही आप देश- विदेश की यात्राएं कर सकते हैं। साथ ही आपके नए लोगों के साथ संबंध बनेंगे, जिससे आगे चलकल आपको लाभ होगा। वहीं इस समय आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी।

सावन की पुत्रदा एकादशी 16 अगस्त को

संतान सुख और समृद्धि के लिए इस एकादशी पर व्रत और दीपदान करने की परंपरा

सावन की दूसरी एकादशी, पुत्रदा एकादशी होती है। पुराणों के मुताबिक इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के साथ व्रत रखने से संतान सुख मिलता है। ये व्रत साल में दो बार रखा जाता है। हिंदू कैलेंडर के मुताबिक पहली पुत्रदा एकादशी श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में आती है। जो 16 अगस्त, शुक्रवार को है। वहीं, दूसरी पुत्रदा एकादशी पौष महीने के शुक्ल पक्ष में पड़ती है।

सावन महीने में भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान है, इसलिए ये व्रत खास होता है। ऐसे लोग जो संतान सुख की कामना रखते हैं, उन्हें पुत्रदा एकादशी का व्रत जरूर रखना चाहिए। मान्यता है इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा से उत्तम संतान की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी बना रहता है।

कैसे करें ये व्रत

दशमी तिथि से ही एकादशी व्रत के नियमों पर चलने की मान्यता है। व्रत से एक दिन पूर्व ही सात्विक भोजन करें। एकादशी पर सुबह जल्दी उठकर स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें, फिर घर के मंदिर में दीपक जलाएं और व्रत का संकल्प लें। पूजा में धूप, दीप, फूल-माला, अक्षत, रोली और नैवेद्य समेत 16 सामग्रियां भगवान को अर्पित करें। भगवान विष्णु को पूजा में तुलसी दल जरूर अर्पित करें। इसके बिना उनकी हर पूजा अधूरी मानी जाती है। इसके बाद पुत्रदा एकादशी की व्रत कथा पढ़ें और आरती करें।

दीप दान का महत्व

एकादशी पर भगवान विष्णु का स्मरण करके किसी पवित्र नदी, सरोवर में अन्यथा तुलसी या पीपल के वृक्ष के नीचे दीपदान का भी महत्व है। दीपदान करने के लिए आटे के छोटे-छोटे दीपक बनाकर उसमें थोड़ा सा तेल या घी डालकर पतली सी रुई की बत्ती जलाकर उसे पीपल या बढ़ के पत्ते पर रखकर नदी में प्रवाहित किया जाता है। साथ ही जरूरतमंदों को सामर्थ्य के अनुसार दान करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी कथा का सार

प्राचीनकाल में सुकेतुमान नामक एक राजा के यहां कोई संतान नहीं थी। वह महल, वैभव सब कुछ होने के बाद भी संतान न होने के दुख से चिंतित रहता था। कुछ समय बाद वह अपनी समस्या के निवारण के लिए भटकते हुए मुनियों के आश्रम में पहुंचा जहां उसे इस एकादशी के महत्व के बारे में ऋषियों ने बताया। जब राजा ने यह व्रत किया तो उन्हें संतान सुख की प्राप्ति हुई।

महाभारत कथा: प्यार की खातिर भाई से की बगावत

बन गई राक्षसी से देवी, अब लोग करते हैं पूजा

महाभारत में कई ऐसी प्रेम कहानियां हैं, जिनके बारे में ज्यादा बात नहीं की जाती लेकिन अगर आप इन कहानियों को गौर से जानेंगे, तो आपको इन कहानियों में न सिर्फ प्रेम नजर आएगा बल्कि अपने प्रेमी के प्रति सबकुछ न्यौछावर कर देने का समर्पण भाव भी नजर आएगा। महाभारत की ऐसी ही एक कहानी है राक्षसी से देवी बनी हिडिम्बा और भीम की। हिडिम्बा भीम पर इतनी मोहित हो गई थी कि उन्होंने भीम की रक्षा करने के लिए अपने भाई से भी बगावत कर दी थी। जानते हैं हिडिम्बा और भीम की प्रेम कहानी। यह घटना उस समय की है, जब पांडव अपनी मां के साथ लक्षागृह से बचने के बाद एक रात जंगल में रात बिता रहे थे। भीम को छोड़कर सभी पांडव और मां कुंती जंगल में सो रहे थे, जबकि भीम भाइयों और मां की रक्षा करने के लिए जंगल में पहरा दे रहे थे। जंगल में निवास कर रहे हिडिम्ब नाम के राक्षस को जब मानव मांस की गंध मिली, तो उसने अपनी राक्षसी बहन हिडिम्बा को पांडवों के ठिकाने पर भेजकर उनका मांस लाने की आज्ञा दी। हिडिम्बा उस जगह पर पहुंच गई, जहां पर पांडव विश्राम कर रहे थे। हिडिम्बा पांडवों पर हमला करने ही वाली थी कि अचानक उसकी नजर भाइयों के आसपास पहरा दे रहे भीम पर पड़ी। इतने हष्ट-पुष्ट और गठीले नौजवान को देखकर हिडिम्बा भीम को पहली ही नजर में देखकर मोहित हो गई। जब हिडिम्ब ने देखा कि हिडिम्बा को आने में बहुत देर होती जा रही है, तो हिडिम्बा का भाई हिडिम्ब जंगल में पहुंचा। जब हिडिम्ब जंगल में पहुंचा, तो उसने देखा कि उसकी बहन हिडिम्बा एक सुंदर अप्सरा रूप में बदलकर भीम से बातें कर रही है। हिडिम्ब को यह देखकर बहुत गुस्सा आया और वो क्रोधित होकर हिडिम्ब के पास पहुंचा। हिडिम्बा के सामने प्रकट होकर हिडिम्ब ने कहा- "बहुत देर लगा दी बहन! क्या हुआ? तुम अकेले इस मानव का मांस खाने की योजना बना रही थी?" अचानक अपने भाई को सामने खड़ा देखकर हिडिम्बा डर गई और वो अपने असली रूप में आ गई। भीम ने जब सुंदर अप्सरा को एक राक्षसी के रूप में बदलते हुए देखा, तो भीम समझ गया कि यह कोई मायावी राक्षसी है। भीम बिना देर किए कुछ दूर आगे बढ़ गए, जिससे कि उनके भाई और मां नींद से ना उठ जाए। भीम को दूर जाता देखकर हिडिम्ब भीम पर झपट पड़ा और उसे मारने की कोशिश करने लगा। भीम और हिडिम्ब के बीच भंयकर युद्ध होने लगा। जब हिडिम्बा ने देखा कि अपनी मायावी शक्तियों से हिडिम्ब भीम पर भारी पड़ रहा है, तो हिडिम्बा ने भीम की सहायता करने के लिए अपने भाई से युद्ध करना शुरू कर दिया। अंत में भीम और हिडिम्बा ने हिडिम्ब को हरा दिया और उसकी जीवन लीला समाप्त कर दी। हिडिम्ब के मरने के बाद हिडिम्बा ने भीम को पूरी सच्चाई बताई और उनसे विवाह करने की इच्छा जताई। भीम ने हिडिम्बा से कहा-हे देवी! मैं यहां अपने भाइयों और मां की रक्षा कर रहा हूं। ऐसे में मेरा विवाह का कोई इरादा नहीं है। यह कहकर भीम अपने भाइयों और मां के पास चले गए। हिडिम्बा भीम के भाइयों और उनकी मां को नींद से नहीं जगाना चाहती थी, इसलिए पूरी रात एक पेड़ पर बैठकर सुबह उनके जागने का इंतजार करती रही और भीम को देखती रही। अगली सुबह जब भीम अपने भाइयों और मां के साथ वन से जाने लगे, तो अचानक हिडिम्बा पेड़ से नीचे कूदी और कुंती के चरण छूकर भीम से शादी का निवेदन करने लगी। हिडिम्बा के सामने आते ही भीम ने बीती रात की कहानी अपने भाइयों और मां को सुना दी। कुंती ने जब हिडिम्बा को विवाह के लिए निवेदन करते हुए देखा, तो माता कुंती ने धर्मराज युधिष्ठिर से पूछा पुत्र! तुम बताओ, एक राक्षसी और एक मानव के विवाह के विषय में क्या धर्म आज्ञा देता है? मां की बात सुनकर युधिष्ठिर ने कहा- धर्म मां की आज्ञा मानने के लिए कहता है। यह सुनकर कुंती ने हिडिम्बा का विवाह भीम से करा दिया। साथ ही हिडिम्बा से यह भी कहा कि भीम पूरी उम्र हिडिम्बा के साथ नहीं रह सकता क्योंकि पांडवों को अपना लक्ष्य पूरा करना है। हिडिम्बा ने कुंती की बात सहज स्वीकार कर ली। एक वर्ष तक भीम हिडिम्बा के साथ रहे। भीम और हिडिम्बा के प्रेम से एक बालक का जन्म हुआ, जिसका नाम घटोत्कच रखा गया। शर्त के अनुसार जब हिडिम्बा को एक पुत्र की प्राप्ति हुई, तो अपने पुत्र को लेकर हिडिम्बा वापस अपने देश हिमाचल प्रदेश के मनाली में चली गई। कुछ पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हिडिम्बा नागालैंड की रहने वाली थी लेकिन जब उन्होंने भीम से विवाह किया, तो राक्षसी रूप का प्रभाव समाप्त हुआ और हिडिम्बा एक देवी बन गईं। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के मनाली में हिडिम्बा को देवी की तरह पूजा जाता है। मनाली में हिडिम्बा देवी का प्राचीन मंदिर है। जहां देश-विदेश से आए भक्तों का तांता लगा रहता है।

कब से शुरू हो रहा है भाद्रपद का महीना? इस माह के व्रत त्योहार

भाद्रपद का महीना जिसे भादो के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू कैलेंडर का छठा महीना है, जो आमतौर पर अगस्त-सितंबर में पड़ता है। यह विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और त्योहारों के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें भगवान गणेश को समर्पित गणेश चतुर्थी और भगवान कृष्ण के जन्म का जश्न मनाने वाली कृष्ण जन्माष्टमी शामिल है। इस महीने में पितृ पक्ष की शुरुआत भी होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 अगस्त को रात 11 बजकर 55 मिनट से आरंभ हो रही है, जो 20 अगस्त को रात 8 बजकर 33 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में भाद्रपद माह 20 अगस्त से आरंभ हो रहा है, जो 17 सितंबर 2024 को समाप्त होगा। इसी दिन भाद्रपद पूर्णिमा है और इस दिन से पितृ पक्ष भी आरंभ हो जाएंगे। वैदिक ज्योतिष में भादो का महीना सूर्य के सिंह राशि में प्रवेश के साथ शुरू होता है और आमतौर पर साल का पांचवां महीना होता है।

भाद्रपद माह का महत्व

हिंदू धर्म में भाद्रपद के महीने का विशेष महत्व है। इस माह में विघ्नहर्ता गणेश के साथ श्री कृष्ण ने जन्म लिया था। साथ ही इस महीने में गौरी-शंकर की आराधना हरतालिका तीज व्रत के रूप में की जाती है। इस महीने में स्नान दान के साथ-साथ कुछ नियमों का पालन करने से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है।

भाद्रपद मास में पड़ने वाले व्रत त्योहार

भाद्रपद माह में कई तीज-त्योहार, व्रत और शुभ तिथियां आती हैं। इन त्योहारों में हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी, जैन पयुर्षण पर्व और अनंत चतुर्दशी शामिल हैं।

पॉलिटिक्स से फिल्मी करियर में आ रही हैं दिक्कतें, कंगना रनोट नहीं कर पा रहीं शूटिंग

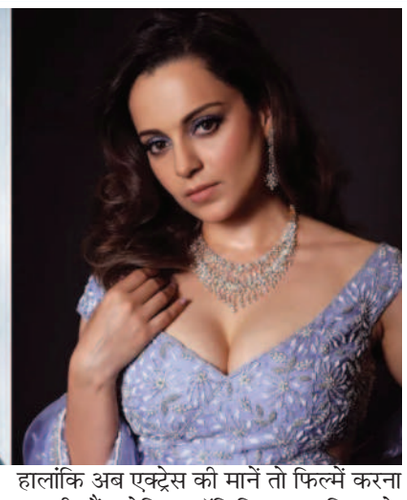

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने राजनीति में कदम रखकर ऐलान किया था कि अगर वो लोकसभा चुनाव जीतती हैं, तो फिल्म इंडस्ट्री छोड़ देंगी। एक्ट्रेस हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बनी हैं। हालांकि अब एक्ट्रेस की मानें तो फिल्में करना चाहती हैं, लेकिन पॉलिटिकल करियर के चलते उन्हें फिल्मी करियर से तालमेल बैठाने में अड़चन हो रही है।

हाल ही में कंगना रनोट ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उनकी कई फिल्मों की शूटिंग पेंडिंग है। उनके कई प्रोजेक्ट सिर्फ इस वजह से रुके हुए हैं क्योंकि वो शूटिंग के लिए समय नहीं निकाल पा रही हैं। एक्ट्रेस ने अपकमिंग प्रोजेक्ट पर बात करते हुए कहा है, मेरा फिल्म वर्क खराब हो रहा है। मेरे अपकमिंग प्रोजेक्ट्स इंतजार में हैं। मैं अपनी फिल्मों की शूटिंग शुरू नहीं कर पा रही हूं। मैं फिलहाल सर्दियों में होने वाले संसद के सेशन का इंतजार कर रही हूं। मैं अपनी डेट्स एडजस्ट कर सकती हूं।

एक्ट्रेस ने कहा है कि संसद के शेड्यूल के चलते उनकी फिल्मों की शूटिंग टालनी पड़ रही हैं। पॉलिटिक्स और फिल्मी करियर के बीच तालमेल बैठाने पर एक्ट्रेस ने कहा है, मुझे जो करना जरूरी होगा और जो भी मेरे लिए एंगेजिंग होगा, वो करने के लिए मैं अब बेहद खुली हुई हूं। आखिरकार मैं वही करूंगी जो ठीक होगा। लेकिन फिलहाल मेरी जिंदगी में बहुत कुछ हो रहा है।

कंगना रनोट के कई प्रोजेक्ट अटके

बताते चलें कि कंगना रनोट की पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी 14 जून को रिलीज होने वाली थी। हालांकि कंगना की राजनीति में व्यस्तता के चलते इस फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई थी। अब फिल्म को 6 सितंबर को रिलीज किया जाएगा। फिल्म में कंगना रनोट ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है। फिल्म इमरजेंसी को कंगना ने ही डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है।

हाल ही में कंगना रनोट ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि फिल्म का ट्रेलर 14 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा कंगना रनोट के पास सीताः द इन्कार्नेशन, तनु वेड्स मनु 3 और एक अनटाइटल साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म भी है।

पिता के सामने कुर्सी पर नहीं बैठे सलमान खान, भाईजान का अदब देख यूजर बोले- हमेशा दिल जीत लेते हैं

दिग्गज गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर और सलीम खान ने मिलकर कई फिल्मों की कहानियां गढ़ी हैं। अब एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज के रूप में इन दोनों की कहानी दर्शकों के बीच आ रही है। नाम है- 'एंग्री यंग मेन'। आज इसका ट्रेलर लॉन्च हुआ। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सलीम खान और जावेद अख्तर के परिवार के सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान सलमान खान ने अपने अंदाज से दिल जीत लिया। लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। क्या है वजह, आइए जानते हैं...

सलमान खान ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान कई दिलचस्प बातें करते नजर आए। मंच पर जावेद अख्तर और सलीम खान बैठे नजर आए। उनके साथ जावेद अख्तर की बेटी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर जोया और बेटे व अभिनेता फरहान अख्तर भी साथ बैठे नजर आए। मंच पर सलमान खान भी उपस्थित रहे, लेकिन वे कुर्सी पर बैठे नजर नहीं आए। यूजर्स उनकी इसी बात की तारीफ कर रहे हैं और लिख रहे हैं, 'बाप के सामने कुर्सी पर नहीं बैठे। भाईजान हमेशा दिल जीत लेते हैं'।

सिर्फ इतना ही नहीं, सलमान खान ने एक और अंदाज से दिल जीत लिया। ट्रेलर लॉन्च के दौरान सभी ने एक ग्रुप फोटो कराई। इस मौके पर अर्पिता खान शर्मा भी अपने बच्चों के साथ पहुंची थीं। जैसे ही अर्पिता की बेटी आयत स्टेज पर पहुंचीं, सलमान खान ने उन्हें अपने पास बुला लिया। आयत भी मामा की गोद में चढ़ गईं। इसके बाद सलमान खान भांजी आयत के साथ एकदम बच्चे बन गए। ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम भूल वे आयत के साथ मस्ती करने में रम गए। इस दौरान तमाम लोग सलमान से मिलने आते रहे, सलमान सभी से मिले, लेकिन भांजी को गोद में लेकर खेलते रहे। वहां, मौजूद फोटोग्राफर्स ने मामा-भांजी का प्यार कैमरों में कैद कर लिया। ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर जावेद अख्तर के दोनों बच्चे मंच पर उपस्थित रहे। वहीं, सलीम खान का भी भरा-पूरा परिवार कार्यक्रम में पहुंचा। उनके तीनों बेटे-सलमान खान, अरबाज और सोहेल खान मंच पर नजर आए। अरबाज खान और सोहेल खान के बेटे भी दादा के जीवन पर बनी सीरीज के ट्रेलर लॉन्च में नजर आए। इसके अलावा बेटियां-अलवीरा और अर्पिता भी अपने बच्चों के साथ पहुंचीं। सभी ने ग्रुप फोटो क्लिक कराई।

इवेंट के दौरान फरहान अख्तर और जोया अख्तर ने सलीम-जावेद के चर्चित संवादों के बारे में रूबरू कराया। फरहान अख्तर ने कहा उनका फेवरेट डायलॉग है, 'डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है'। इस दौरान उन्होंने 'होली कब है, कब है होली' डायलॉग का जिक्र किया। वहीं, सलमान ने कहा मेरा फेवरेट डायलॉग भी पूछो और मेरा है, 'मेरे पास मां हैं, वो भी दो-दो'। इसके बाद सभी खूब हंसे। सलमान खान खूब हंसी-तफरी करते नजर आए। मंच पर जावेद अख्तर के बच्चे-जोया और फरहान थे। इस दौरान सलमान ने कहा, 'जावेद साब का प्रोडक्शन तो सभी ने देख लिया, अब सलीम खान का प्रोडक्शन भी देख लीजिए'। उन्होंने फिर अरबाज खान, सोहेल खान, अलवीरा और अर्पिता सभी को आवाज देकर मंच पर बुलाया।

सैफ के बेटे इब्राहिम को डेट कर रही हैं पलक? : श्वेता तिवारी ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मेरी बेटी कब तक बर्दाश्त करेगी?

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के डेटिंग की खबरें मीडिया में सुर्खियां बटोर रही हैं। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। उन्हें कई बार एक साथ लंच और डिनर करते भी देखा गया है। हालांकि, दोनों ने इस पर कोई बात नहीं की है।

एक इंटरव्यू में श्वेता ने पलक के डेटिंग की खबरों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा, 'पलक बहुत स्ट्रॉन्ग लड़की है, लेकिन कल का किसको पता है। पता नहीं कोई एक कमेंट, कोई एक आर्टिकल या कोई भी ऐसी चीज कभी तो उस हिट कर सकती है, जो उसका कॉन्फिडेंस हिला सकता है। बस, मुझे वही डर है कि ऐसा कभी ना हो। वो अभी बच्ची है। लोग बिना कुछ सोचे समझ कुछ भी लिख देते हैंहर

सेकेंड में एक लड़के के साथ उसका नाम जोड़ दिया जाता है। उसका अफेयर रहता है। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मेरी बेटी कब तक बर्दाश्त करेगी?'

श्वेता की मानें तो पलक इन खबरों पर हंसी उड़ाती है, लेकिन कभी-कभी ये बातें उसे परेशान भी करती हैं। श्वेता ने यह भी कहा कि पलक की पतली बॉडी को लेकर लोग जो बातें कहते हैं, उन पर अब उसे कोई फर्क नहीं पड़ता।

उन्होंने कहा, 'पहले उसे फर्क पड़ता था, लेकिन अब उसे पता है कि ऐसे कई लोग हैं जो उसकी तरह दिखना चाहते हैं। वह जानती है कि उसने ये सब अपनी मेहनत से पाया है।'

बता दें कि पलक, श्वेता और उनके पहले पति राजा चौधरी की बेटी हैं। श्वेता और राजा का 2007 में तलाक हो गया था। बाद में श्वेता ने अभिनव कोहली से शादी की, जिनसे उनका बेटा रेयांश है। अब श्वेता अपने दोनों बच्चों की देखभाल अकेले कर रही हैं।

श्वेता फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी

प्रोफेशनल फ्रंट पर श्वेता जल्द ही रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी, जिसमें वह एक इंटेलिजेंस ऑफिसर का रोल निभाती दिखेंगी। इस फिल्म में अजय देवगन, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, और अर्जुन कपूर भी हैं। इसके बाद वह करण जौहर के साथ एक वेब सीरीज में भी नजर आएंगी।

'मुफासा' में सुनाई देगी शाहरुख और उनके बेटों की आवाज

डिज्नी की अपकमिंग फिल्म 'मुफासाः द लॉयन किंग' का हिंदी ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने पहली बार अपने दोनों बेटों आर्यन और अबराम के साथ वॉइस ओवर दिया है। फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए शाहरुख ने मुफासा के किरदार को आवाज दी है। वहीं उनके बड़े बेटे आर्यन ने सिंबा और छोटे बेटे अबराम ने यंग मुफासा के किरदार को आवाज दी है। फिल्म में खान परिवार के अलावा संजय मिश्रा ने पुम्बा और श्रेयस तलपड़े ने टिमॉन के किरदार को आवाज दी है।

यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई 'द लॉयन किंग' की सीक्वल और प्रीक्वल दोनों है। इसकी कहानी वहीं से आगे बढ़ती है जहां 2019 में रिलीज हुई 'द लॉयन किंग' की कहानी खत्म हुई थी। फिल्म के ट्रेलर में मुफासा का दोस्त रफीकी अब उसके बेटे सिंबा को मुफासा और उसके भाई स्कार की कहानी सुनाता नजर आ रहा है।

इससे पहले 2019 में रिलीज हुई 'द लॉयन किंग' खुद 1994 में इसी नाम से बनी फिल्म की रीमेक थी। इस रीमेक में शाहरुख ने मुफासा और आर्यन ने सिंबा के किरदार को आवाज दी थी। बैरी जेनकिंस के निर्देशन में बनी 'मुफासाः द लॉयन किंग' देश में इस साल क्रिसमस पर अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

ऋचा चड्ढा और अली फजल से मिलीं मनीषा कोईराला कहा- फिल्म इंडस्ट्री की सबसे अच्छी जोड़ी

मनीषा कोईराला अपने वक्त की मशहूर अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। वह नब्बे और 2000 के दशक की व्यस्ततम अभिनेत्रियों में से एक थीं। वह उस दौरा की कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। हाल में ही अभिनेत्री मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' में नजर आई हैं। इस सीरीज में मनीषा कोईराला के अलावाा ऋचा चड्ढा, सोनाक्षी सिन्हा, शेखर सुमन आदि कई कलाकारों ने काम किया है। हाल में ही अभिनेत्री ने फिल्म की सह-कलाकार ऋचा चड्ढा से मुलाकात की है।

संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' मनीषा ने मल्लिकाजान का किरदार निभाया है। वहीं, ऋचा चड्ढा सीरीज में लज्जो के किरदार में नजर आई थीं। दोनों ने स्क्रीन पर मां-बेटी के रिश्ते को निभाया था। हाल ही में

मनीषा ने हीरामंडी के सह-कलाकार ऋचा चड्ढा और उनके पति अली फजल से मुलाकात की है। दिग्गज अभिनेत्री ने इस दौरान दोनों पति-पत्नी के साथ समय बिताया और तस्वीरें भी खिंचाई।

मनीषा कोईराला ने अली और ऋचा के साथ तस्वीर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए गर्मजोशी भरा कैप्शन भी लिखा। उन्होंने इस कपल को सबसे अच्छी जोड़ी बताया और कहा कि उनके घर का माहौल काफी अच्छा है। आज, मंगलवार, 13 अगस्त को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर ऋचा चड्ढा, अली फजल और हीरामंडी के लेखक मोइन बेग के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा किया। उन्होंने दोनों को उनकी मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद देते हुए लिखा कि वो उनसे फिर मिलेंगी।

मनीषा द्वारा साझा की गई वीडियो में दिग्गज अभिनेत्री लाल रंग की पोशाक में काफी खूबसूरत लग रही हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रही है। वहीं, ऋचा चड्ढा ने भूरे रंग का कुर्ता पहना हुआ है और अली फजल टी शर्ट में नजर आ रहे हैं। इस ग्रुप सेल्फी में सभी काफी खुश नजर आ रहे हैं.

बताते चलें कि इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक बातचीत के दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने भी मनीषा के प्रति अपनी गहरी प्रशंषा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि मनीषा के प्रति उन्हें बेहद सम्मान की भावना महसूस हुई थी। बताते चलें कि 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' में कई सितारों ने एक साथ काम किया था। इस सीरीज को संजय लीला भंसाली और मिताक्षरा कुमार द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशित किया गया है। यह सीरीज 1940 के दशक में ब्रिटिश राज के दौरान लाहौर के हीरामंडी के रेड-लाइट जिले में वेश्याओं के जीवन को उजागर करती है।

एक्टर राज कुमार ने छिपाई थी कैंसर की बात, चाहते थे किसी को बिना बताए किया जाए अंतिम संस्कार : मुकेश खन्ना

वेटरन एक्टर मुकेश खन्ना ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में दिवंगत सुपरस्टार राज कुमार के बारे में कई खुलासे किए। खन्ना ने बताया कि राज कुमार ने फिल्म इंडस्ट्री से अपने कैंसर की बात छिपाकर रखी थी। साथ ही वो चाहते थे कि उनकी मौत की खबर भी लोगों को उनके अंतिम संस्कार के बाद ही मिले। बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में खन्ना ने बताया, 'राज कुमार को कैंसर हो गया था पर उन्होंने किसी को नहीं बताया। उनकी वाइफ ने मुझे उनकी डेथ के बाद बताया कि वो चाहते थे कि उनकी मौत की खबर किसी को भी ना लगे।

वो चाहते थे कि उनके मरने पर कोई आदमी ना आए। यहां तक कि उनका अंतिम संस्कार भी बिना किसी को बताए कर दिया गया था।'

इसी इंटरव्यू में राजकुमार से जुड़ा एक और किस्सा सुनाते हुए मुकेश खन्ना ने कहा, 'एक बार जब वो फिल्म के सेट पर आए तो वहां राजेश खन्ना और जीतेंद्र समेत कई एक्टर्स पहले से ही मौजूद थे। उन्हें एक साथ देखकर राज कुमार ने डायरेक्टर से कहा कि तुमने तो काफी जूनियर आर्टिस्ट जमा करके रखे हुए हैं।' अपने करियर में 'वक्त', 'पाकीजा', 'तिरंगा' और 'सौदागर' जैसी हिट फिल्में देने वाले राज कुमार का 69 साल की उम्र में निधन हो गया था। वह अपने डायलॉग बोलने के यूनीक अंदाज के लिए जाने जाते थे। अपने को-स्टार्स के साथ भी उनके बड़बोलेपन और बेबाक अंदाज के कई किस्से मशहूर थे।

कबीर बहिया के साथ शादी की खबरों पर कृति बोलीं:यह परेशान करने वाला है, मुझे क्लियर करना पड़ता है कि यह सच नहीं है

एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ डेटिंग की खबरें उड़ रहीं हैं। कृति ने कबीर बहिया के साथ अपनी डेटिंग अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान डेटिंग की खबरों पर रिएक्शन दी हैं और इसे निराशाजनक बताया है। उन्होंने कहा कि मुझे बार-बार क्लियर करना पड़ता है कि यह सच नहीं है।

कृति सेनन की कबीर बहिया के साथ छुट्टियों की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस जल्द ही शादी करने की योजना बना रही हैं। हाल ही में कृति सेनन ने फिल्मफेयर के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि वो शादी करने के मूड में नहीं हैं और उन्होंने इन खबरों को बेहद परेशान करने वाला बताया है।

कृति सेनन ने कहा- जब इस तरह की ग ल त जानकारी फैलाई जाती है तो इसे सुनकर बहुत गुस्सा आता है। इसका असर परिवार पर पड़ता है। मेरे फ्रेंड मैसेज भेजते हैं कि क्या यह सच है? बार- बार मुझे क्लियर करना पड़ता है कि यह सच नहीं है।

बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब कृति सेनन का नाम किसी के साथ जोड़ा जा रहा है। इससे पहले एक्ट्रेस का नाम टाइगर श्रॉफ से लेकर प्रभास तक कई एक्टर्स के साथ जुड़ा है। इस समय चर्चा है कि कृति सेनन यूके बेस्ड बिजनेसमैन कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जुलाई में कबीर बहिया के साथ कृति की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो गई थीं। उन्हें ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मनाते देखा गया था।

ठग सुकेश ने जेल से जैकलीन को गिफ्ट किया यॉट लव लेटर में लिखा- अगले साल साथ बर्थडे मनाएंगे

11 अगस्त को जैकलीन फर्नांडिस ने 39वां जन्मदिन मनाया है। रिपोर्ट्स हैं कि 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली की मंडोली जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक्ट्रेस को बर्थडे पर पर्सनल यॉट गिफ्ट किया है। साथ ही सुकेश ने एक्ट्रेस के 100 फैंस को आईफोन-15 प्रो बांटने का ऐलान करते हुए जेल से उन्हें एक लव लेटर भी भेजा है।

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन के बर्थडे पर जेल से ही एक लव लेटर भेजा था। एक रिपोर्ट के अनुसार, लेटर में सुकेश ने जैकलीन को जन्मदिन की बधाई देते हुए यॉट देने के बात कही है। उसने कहा है कि वो जैकलीन को वही यॉट गिफ्ट करेगा, जो उन्होंने साल 2021 में पसंद किया था। उस यॉट पर लेडी जैकलीन लिखा होगा। सुकेश ने वादा किया है कि सारी टैक्स फॉर्मेलिटीज के बाद ही वो यॉट इसी महीने उन्हें डिलीवर किया जाएगा, जिससे कोई उसे छीन न सके।

सुकेश ने लेटर में वादा किया

वायनाड लैंडस्लाइड ट्रेजेडी में दान करेंगे 15 करोड़, 300 घर बनवाएंगे

है कि वो जैकलीन का अगला जन्मदिन उनके साथ ही मनाएगा। सुकेश ने कुछ समय पहले ही एक लव लेटर में ऐलान किया था कि वो जैकलीन के जन्मदिन पर उनके गाने यिम्मी यिम्मी को सपोर्ट करने वाले 100 फैंस को आईफोन-15 प्रो गिफ्ट करेगा। इस वादे को पूरा करते हुए उसने अनाउंस किया है कि उसकी टीम जल्द ही लकी विनर्स की अनाउंसमेंट करेगी।

जैकलीन को लिखे गए लव लेटर में सुकेश ने वायनाड में लैंडस्लाइड से हुई तबाही से पीड़ित हुए लोगों के लिए 15 करोड़ रुपए दान करने का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि वो उन लोगों के लिए 300 घर बनवाएंगे, जो लैंडस्लाइड के बाद बेघर हो गए हैं।

बताते चलें कि 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर बीते कई सालों से जेल में बंद है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के दौरान सामने आया था कि एक समय में जैकलीन, सुकेश के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं, जिसके चलते एक्ट्रेस भी जांच के दायरे में आ गई थीं। जांच में सामने आया कि सुकेश ने खुद को बिजनेसमैन बताते हुए जैकलीन से रिश्ता रखा था। उस समय वो उन्हें कई महंगे और कीमती तोहफे भी देता था। वहीं दूसरी तरफ जैकलीन ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि वो नहीं जानती थीं कि सुकेश एक ठग है।

बीते कई महीनों सुकेश चंद्रशेखर, खास मौकों पर जैकलीन को जेल से लव लेटर लिख रहा है। जैकलीन के वकील ने इन लेटर्स पर रोक लगाए जाने की भी मांग की थी। क्योंकि इससे उनकी छवि पर बुरा असर पड़ रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडिस जल्द ही फतेह और वेलकम टू द जंगल जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। जैकलीन की आखिरी फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई सर्कस थी, इसके बाद वो 2023 की फिल्म सेल्फी के गाने में नजर आ चुकी हैं।

बच्चों पर भी चढ़ेगा देशभक्ति का रंग, जब उन्हें पहनाएंगे ये आउटफिट

इस साल भारत अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, जिसकी तैयारी लोगों ने पूरी कर ली है। ये दिन हर भारतवासी के लिए गौरव और अभिमान का दिन है। इस दिन चारों तरफ देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है। स्वतंत्रता दिवस के दिन को पूरे देश में धूमधाम से सेलिब्रेट किया जाता है। स्कूलों से लेकर दफ्तर तक तिरंगे के रंगों में रंगे नजर आते हैं।

इसी के चलते हर कोई अपने-अपने तरीके से देश की आजादी का जश्न मनाता है। इस दिन स्कूलों में तमाम तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

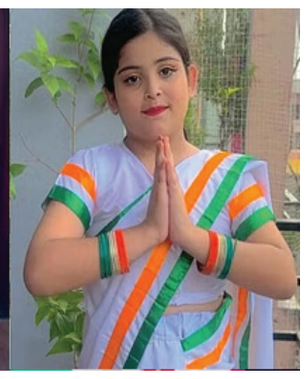

ऐसे में अगर आप अपने बच्चे पर भी देशभक्ति का रंग चढ़ाना चाहती हैं तो उन्हें कुछ खास आउटफिट पहनाकर स्कूल भेजें।

यहां हम आपको बच्चों के लिए कुछ ऐसे आउटफिट आइडिया देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप उनके लुक को अलग बना सकते हैं। अगर आपका बच्चा स्वतंत्रता दिवस के दिन फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग ले रहा है, तो उसमें ये लेख आपकी मदद करेगा।

तिरंगा साड़ी पहनाएं

अगर आपके पास सफेद रंग की शिफॉन की साड़ी है तो उसपर तिरंगा लगाएं। इस तरह की साड़ी आपके बच्ची पर काफी खूबसूरत लगेगी। इसके साथ उसके हाथों में तिरंगे वाले ब्रेसलेट पहनाएं और तिरंगे वाला ब्रोच भी साड़ी पर लगाएं।

लाल बॉर्डर वाली साड़ी

इस दिन हर कोई भारत माता को नमन करता है। ऐसे में आप अपनी बेटी को सफेद साड़ी पहनाकर तैयार कर सकते हैं। ध्यान रखें कि इस साड़ी पर लाल रंग का चौड़ा बॉर्डर लगा हो। इसके साथ उनके माथे पर मुकुट पहनाकर हाथों में तिरंगा पकड़ाएं।

झांसी की रानी के जैसी नौवारी साड़ी

झांसी की रानी लक्ष्मी बाई किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अकेले के दम पर अंग्रेजों को नाको चने चबाने पर मजबूर कर दिया था। ऐसे में अपनी बिटिया को आप उन्हीं की तरह नौवारी साड़ी पहनाकर स्कूल भेज सकते हैं। नौवारी साड़ी पहनाते वक्त उसके हाथ में तलवार अवश्य दें और सिर पर पगड़ी जरूर बांधें।

नेता जी सुभाष चंद्र बोस के जैसी ड्रेस

नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने देश की आजादी की जंग में काफी अहम किरदार निभाया था। ऐसे में आप उनके जैसे कपड़े पहनकार अपने बेटे को स्कूल भेज सकते हैं। इस तरह की ड्रेस आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगी। आप आज ही जाकर अपने बेटे के नाप की ऐसी ड्रेस खरीद सकते हैं। अगर आप अपने बेटे को नेता जी बनाकर स्कूल भेजेंगे तो हर कोई उसकी तारीफ करेगा।

पहनाएं धोती

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आजादी के लिए अहिंसा का रास्ता चुना था, और वो इसमें सफल भी हुए। ऐसे में आप अपने बेटे को उन्हीं की तरह से धोती और गमछा पहनाकर भी स्कूल भेज सकती हैं। इसमें उनका लुक महात्मा गांधी जैसा लगेगा। इस तरह से तैयार करते वक्त बेटे को गोल फ्रेम वाला चश्मा लगाना कतई न भूलें। इसी से उसका लुक पूरा होगा।

बच्चे की उम्र है 10 साल तो जरूर सिखाएं ये बातें, तभी उसे मिलेंगे सही संस्कार

एक समय था जब लोग अपने बच्चों को काफी छोटे से ही सख्ती बरते हुए संस्कार का पाठ पढ़ाने लगते हैं, लेकिन आज का समय बदल गया है। आजकल लोग अपने बच्चों पर सख्ती बरतना नहीं चाहते, जिस वजह से कई बार बच्चे काफी जिद्दी बन जाते हैं। ऐसे में अगर आप आप चाहते हैं, कि आपका बच्चा जिद्दी न बनें, तो अपने बच्चे को अभी से कुछ बातें अवश्य सिखाएं।

दरअसल, आपकी सूकून भरी जिंदगी के लिए ये बेहद जरूरी है, कि आपका बच्चे में संस्कार हों। ऐसे में अगर आपके बच्चे की उम्र 10 साल है, तो अभी से उसे कुछ बातें अवश्य सिखाएं। बच्चों के जहन में अगर ये बातें बस जाएंगी, तो उन्हें आगे जाकर किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। हम 10 साल के उम्र के बच्चों को सिखाने की बात इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि इस उम्र के बच्चे जल्दी सीखते भी हैं, और चीजों को अच्छी तरह समझते भी हैं।

हर किसी का आदर करना

अपने बच्चे को ये सिखाएं कि वो कभी किसी का अनादर न करें। उन्हें छोटे से ही ये सिखाएं कि वो हर किसी से सम्मानपूर्वक बात करें। ये एक ऐसी आदत है, जो एक बार पड़ जाए तो आखिरी दम तक नहीं छूटती।

सिखाएं अपना काम करना

छोटे बच्चे अक्सर अपने पैरेंट्स पर निर्भर होते हैं। ऐसे में अब बढ़ती उम्र में उन्हें अपने छोटे-छोटे काम करना सिखाएं। ताकि उन्हें स्कूल में भी किसी तरह की कोई परेशानी न हो। अगर वो अपना काम खुद से करेंगे तो उन्हें कहीं जानें में भी परेशानी नहीं होगी।

सौंपें जिम्मेदारी

अपने छोटे बच्चे को संस्कारी बनाने के लिए उसे 10 साल की उम्र से ही जिम्मेदारी सौंपना शुरू कर दें। जैसे कि आप उन्हें कह सकते हैं, कि वो आपके साथ पौधों में पानी डालें, या फिर आप उनसे छोटे-मोटे काम करा सकते हैं।

सिखाएं पैसे की अहमियत

ये सबसे जरूरी पाठ है। अपने बच्चे को इस चीज का एहसास जरूर कराएं कि पैसे की कितनी अहमियत है। इसके साथ ही उन्हें ये भी बताएं कि आप कितनी मेहनत से पैसे कमा रहे हैं। कम उम्र से उनके हाथ में थोड़े पैसे दें, ताकि वो मनी मैनेज करना सीख पाएं।

अनुशासन सिखाएं

अपने बच्चे को कम उम्र से ही अनुशासन का पाठ जरूर पढ़ाएं। मतलब कि उन्हें जल्दी उठने के फायदे बताएं। समय पर सोने की आदत डलवाएं। इसके साथ ही दिन में दो बार ब्रश करना, अपने बर्तन उठा कर रखना भी अपने बच्चे को सिखाएं।

शादी के बाद है बहन के पहले रक्षाबंधन को भाई इन तरीकों से बनाएं यादगार

19 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जा रहा है। यह भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार है। बचपन में भाई बहन अक्सर लड़ाई झगड़े करते हैं लेकिन उम्र के साथ उनके बीच का प्यार भी बढ़ता है। वहीं जब बहन शादी के बाद अपना परिवार छोड़कर ससुराल चली जाती है, तो सबसे अधिक भाई ही अकेला महसूस करते हैं।

अगर आपकी बहन की भी इसी वर्ष शादी हुई है और शादी के बाद ये बहन का पहला रक्षाबंधन है तो इस राखी को अपनी बहन के लिए अधिक यादगार बना दें। उसके महसूस कराएं कि भले ही अब वह ससुराल में है लेकिन आप दोनों का रिश्ता और अपनापन पहले जैसा ही है। यहां शादीशुदा बहन के रक्षाबंधन के पर्व को यादगार बनाने के तरीके बताए जा रहे हैं।

शादी के बाद बहन के पहले रक्षाबंधन को खास और यादगार बनाने के लिए आप कई तरीके अपना सकते हैं। यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं।

विशेष उपहार दें

बहन को नाम या फोटो के साथ कस्टमाइज्ड तोहफे दे सकते हैं। कस्टमाइज्ड उपहार जैसे गहने, कुशन, या कपड़े दें सकते हैं। इसके अलावा बचपन की यादों से जुड़ा कोई उपहार जैसे फोटो एल्बम या कस्टमाइज्ड फोटो फ्रेम भी तोहफे में दे सकते हैं।

भावुक नोट या पत्र

बहन के लिए एक भावनात्मक पत्र लिखें जिसमें आप उसके प्रति अपना प्यार और आभार व्यक्त करें। एक कार्ड दे सकते हैं, जिसमें उनके लिए प्यार भरा संदेश लिख सकते हैं। इसके अलावा वीडियो मैसेज भी दे सकते हैं। परिवार के सदस्यों का वीडियो मैसेज रिकॉर्ड करें जिसमें वे बहन के प्रति अपनी भावनाएँ व्यक्त करें।

डिनर या आउटिंग

बहन के पसंदीदा रेस्तरां में उनके साथ डिनर पर जा सकते हैं। इसके अलावा भाई बहन और परिवार के साथ आउटडोर पिकनिक प्लान कर सकते हैं। वीकेंड ट्रिप पर जा सकते हैं।

इस त्योहार पर बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। इसलिए जब बहन भाई के हाथ पर पारंपरिक राखी बांधें तो भाई उनके लिए कुछ विशेष करें। आप अपनी बहन की कलाई पर चूड़ी पहनाएं। एक छोटा धार्मिक अनुष्ठान कर सकते हैं।

वर्षा में भी पौधों को चाहिए खाद : कौन-सी खाद चाहिए और उसे डालने का तरीका क्या है

बरसात का मौसम ऐसा होता है जिसमें पौधों की अगर ठीक से देखभाल की जाए तो वे बहुत अच्छे से फल और फूल देते हैं। बारिश के समय पौधों को भरपूर पानी और उपयुक्त वातावरण मिलता है। लेकिन इसके साथ पौधों को सही मात्रा में खाद मिलना भी ज़रूरी है। यदि घर में फल, फूल और सब्ज़ियों के पौधे लगे हैं और उनकी अच्छी बढ़वार चाहते हैं, तो पौधों को जैविक खाद देना चाहिए। बारिश का मौसम ऐसा होता है जिसमें तेज़ बारिश गमले की मिट्टी के साथ-साथ पोषक तत्वों को भी बहा ले जाती है। यही कारण है कि इस मौसम में पौधों को बहुत ज़्यादा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।

गमलों की मिट्टी तैयार करते समय उसमें मिलाएं ये खाद...

गोबर की खाद

इसमें नाइट्रोज़न, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक होते हैं। गमलों और बाग़ीचे की मिट्टी तैयार करते समय मिट्टी में पुरानी गोबर खाद मिलाएं और महीने में एक बार दो-तीन मुट्ठी यही खाद दें। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पौधे की मिट्टी में ताजे.गोबर का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इसमें अमोनिया की मात्रा अधिक होती है जो पत्तियों को नुक़सान पहुंचा सकता है।

वर्मीकम्पोस्ट

बरसात के दौरान केंचुओं से बनी वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग पौधों के लिए फ़ायदेमंद होता है। इस खाद में नाइट्रोज़न, फॉस्फोरस और पोटैशियम भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो पौधों की बढ़वार के लिए ज़रूरी हैं। इसके अलावा, वर्मीकम्पोस्ट मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाने में भी सहायक होती है। दो मुट्ठी वर्मीकम्पोस्ट को मिट्टी की सतह पर समान रूप से डालने के बाद पौधों को अच्छी तरह से पानी दें।

अस्थि चूर्ण

जीव-जंतुओं की हड्डियों से चूर्ण के रूप बनाई गई खाद को अस्थि चूर्ण कहते हैं। इसके प्रयोग से पौधों की जड़ों का तीव्र गति से विकास होता है। बीज का अंकुरण तेज़ी से होता है और फूल-फल अधिक लगते हैं। गमले की दो इंच मिट्टी को हटाकर उसमें आधा मुट्ठी अस्थि चूर्ण (बोनमील) पाउडर अच्छी तरह से मिलाएं।

जिप्सम

इसका इस्तेमाल बरसात में सभी प्रकार के पौधों पर किया जा सकता है। दो चम्मच जिप्सम पाउडर को पौधों की मिट्टी में समान रूप से मिलाएं और फिर तुरंत पानी का छिड़काव कर दें।

नीम की खली

इसमें मौजूद पोषक तत्व कीट नियंत्रण करने, मिट्टी की संरचना सुधारने और पौधों को पोषक तत्व उपलब्ध कराने में मदद करता है। एक मुट्ठी नीम की खली पौधों के चारों ओर समान मात्रा में डालें।

खाद देते समय ध्यान रखें...

खाद डालने से पहले जो भी घास या ऐसे पौधे अलग से उग गए हैं उन्हें निकाल दें।

जब पौधे की मिट्टी थोड़ी सूख जाए, तब जैविक खाद मिट्टी में डालें और ऊपर से पानी का छिड़काव करें।

मिट्टी की ऊपरी परत अलग कर थोड़ी गहराई में खाद डालें और फिर खाद को मिट्टी से ढक दें। इससे बारिश होने पर खाद बहती नहीं है।

हर बार एक जैसी खाद न डालकर ज़रूरत के अनुसार बदल-बदलकर खाद दें।

पौधों पर 10-15 दिन में फफूंदनाशक दवा का छिड़काव करें। पौधों को कीड़ों से बचाने के लिए नीम के तेल का छिड़काव करें।

इस समय पौधों की गुड़ाई अवश्य करें जिससे उन्हें हवा मिले और मिट्टी ज़्यादा समय तक गीली न रहे।

खाद देने का सही समय

जब बाग़ीचे या गमले की मिट्टी सूखी हो, तभी पौधों को खाद दें और स्प्रे पंप से पानी का छिड़काव करें। लगातार बारिश के दौरान पौधों को खाद देने से बचें, क्योंकि इस समय खाद देने से पौधों में फंगस लगने का ख़तरा रहता है और मिट्टी से पोषक तत्व बह सकते हैं। जब मौसम खुला हो, तब पौधों को महीने में एक-दो बार आवश्यकतानुसार खाद दें।

तीन तरीके से बनाएं बिना तेल के क्रिस्पी पकौड़े खाद के साथ रखें सेहत का भी ख्याल

सुहाने मौसम में गर्मागर्म चाय और पकौड़े की बात ही अलग होती है। बारिश शुरू होते ही आपका मन भी पकौड़े खाने का जरूर करता होगा। लेकिन आज कल बारिश रोज ही होती है। अलग अलग तरीके के पकौड़े तो रोज बन सकते हैं, लेकिन प्याज की पकौड़ी हो या आलू की, सब बनते डीप फ्राई होकर ही हैं। यानि हर बार पकौड़े खाने का मतलब है ऑयली खाना, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। वजन बढ़ने से लेकर कोलेस्ट्रॉल बढ़ने तक की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अब या तो मन को मारो या स्वास्थ्य को भूल जाओ। लेकिन अगर आपको मनपसंद पकौड़े मिलें वो भी ऑयल फ्री तब तो सेहत के साथ स्वाद का भी मजा मिल जाएगा। आज हम आपको स्वादिष्ट ऑयल फ्री पकौड़े बनाने की तीन रेसिपी बताने जा रहे हैं। इन ट्रिक्स को फॉलो करके आप बना सकते हैं बिना तेल के चटपटे मसालेदार पकौड़े।

प्याज के पकौड़े बनाने के लिए सामग्री

बेसन, नमक, कटा हुआ प्याज, हरा धनिया, कटी हुई हरी मिर्च, चुटकी भर हल्दी, 1/2 छोटा चम्मच तेल, बेकिंग पाउडर।

उबलते पानी में प्याज के पकौड़े बनाने की रेसिपी

तेल की जगह पानी में भी पकौड़े बनाए जा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज को पतला काट लें। फिर पकौड़े बनाने की सारी सामग्री जैसे बेसन, नमक, मिर्च सब मिला लें, बैटर तैयार कर लें। अब एक कढ़ाई में पानी उबाल लीजिए। पानी खौलने लगे तो उसमें हाथ से या चम्मच से एक एक कर के पकौड़े डालिए। ध्यान रखें कि पानी इतना हो कि पकौड़े आसानी से डूब जाएं। जब पकौड़ी का रंग बदलने लगे तो समझ जाइए कि वह पकने लगे हैं। आप चाहें तो एक पकौड़े का बाहर निकालकर चेक कर सकते हैं कि वह पका या नहीं। पकने के बाद पकौड़ियों को बाहर निकाल लें और ऊपर से चाट मसाला डालकर सास या चटनी के साथ सर्व करें।

नॉन स्टिक पैन में बनाएं पकौड़े

दरअसल नॉन स्टिक पैन में कम तेल लगता है। इसलिए आप पकौड़े बनाते समय कढ़ाई की जगह नॉन स्टिक पैन का इस्तेमाल कर सकते हैं। नॉन स्टिक पैन में पकौड़े बनाने के लिए पहले पकौड़े का बैटर तैयार कर लें। फिर गैस पर नॉन स्टिक पैन गर्म करके एक चम्मच तेल डालें और उसे पूरे पैन में चारों तरफ फैला लें। जब तेल हल्का गर्म हो जाए तब एक एक करके पकौड़े डालकर धीमी आंच में 5 मिनट तक पकाएं। जब पकौड़े का रंग सुनहरा होने लगे तो दूसरी तरफ पलट कर सेंक लें। पकौड़े को दोनों तरफ अच्छी तरह सेंक कर निकाल लें।

अप्पम मेकर में बनाएं पकौड़े

अप्पम मेकर में ऑयल फ्री पकौड़े बनाने के लिए पकौड़े का बैटर तैयार कर लीजिए। अब अप्पम मेकर के सभी सांचों में घी या तेल से ग्रीस करके हर सांचे में थोड़ा सा पकौड़े का घोल डालिए। धीमी आंच पर दस मिनट तक पकौड़ों को भूनें। पकौड़े एक तरफ से भूरे होने लगें तो पलटकर दूसरी तरफ से भी ब्राउन होने तक पका लें। अप्पम में आपके ऑयल फ्री पकौड़े तैयार हैं।

बड़ा हो या छोटा, सभी ब्रांड के नमक और चीनी में प्लास्टिक, डराने वाली स्टडी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय बाजार में बिकने वाले सभी ब्रांड के नमक और चीनी में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण (माइक्रोप्लास्टिक) पाए गए हैं। फिर चाहे वे बड़े ब्रांड के हों या छोटे ब्रांड के। पैकेज्ड हों या खुले में बिकते हों। यह दावा मंगलवार को प्रकाशित एक अध्ययन में किया गया है। पर्यावरण अनुसंधान संगठन 'टॉक्सिक्स लिंक' ने 'नमक और चीनी में माइक्रोप्लास्टिक्स' शीर्षक से यह अध्ययन किया है। संगठन ने इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए टेबल नमक, सेंधा नमक, समुद्री नमक और स्थानीय कच्चा नमक सहित 10 प्रकार के नमक पर अध्ययन किया। साथ ही ऑनलाइन और स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी की भी जांच की।अध्ययन के दौरान नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी का पता चला, जो फाइबर, छर्रे, फिल्म और टुकड़ों सहित विभिन्न रूपों में मौजूद थे। इन माइक्रोप्लास्टिक का आकार 0.1 मिलीमीटर (मिमी) से लेकर पांच मिमी तक था। रिसर्च पेपर के मुताबिक, आयोडीन युक्त नमक में बहुरंगी पतले रेशों और फिल्मों के रूप में माइक्रोप्लास्टिक्स की उच्चतम मात्रा पाई गई।

क्या था स्टडी का मकसद?

'टॉक्सिक्स लिंक' के संस्थापक-निदेशक रवि अग्रवाल ने कहा, 'हमारे अध्ययन का उद्देश्य

माइक्रोप्लास्टिक्स पर मौजूदा वैज्ञानिक डेटाबेस में योगदान देना था ताकि वैश्विक प्लास्टिक संधि इस मुद्दे का ठोस और केंद्रित तरीके से समाधान कर सके।''टॉक्सिक्स लिंक' के एसोसिएट निदेशक सतीश सिन्हा ने कहा, 'हमारे अध्ययन में नमक और चीनी के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की अच्छी खासी मात्रा का पाया जाना चिंताजनक है। मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में तत्काल और व्यापक अनुसंधान की जरूरत है।'

नमक-चीनी में कितनी प्लास्टिक?

अनुसंधान पत्र के अनुसार, नमक के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता प्रति किलोग्राम 6.71 से 89.15 टुकड़े तक थी। अध्ययन के अनुसार, आयोडीन युक्त नमक में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता सबसे अधिक (89.15 टुकड़े प्रति किलोग्राम) थी। जबकि जैविक सेंधा नमक में सबसे कम (6.70 टुकड़े प्रति किलोग्राम) थी। अध्ययन के मुताबिक, चीनी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक का कॉन्सेंट्रेशन 11.85 से 68.25 टुकड़े प्रति किलोग्राम तक पाया गयाजिसमें सबसे अधिक कॉन्सेंट्रेशन गैर-कार्बनिक चीनी में पाई गई। माइक्रोप्लास्टिक एक बढ़ती हुई वैश्विक चिंता है क्योंकि वे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये छोटे प्लास्टिक कण भोजन, पानी और हवा के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। हाल के अनुसंधान में मानव अंगों जैसे फेफड़े, हृदय और यहां तक कि मां के दूध और अजन्मे शिशुओं में भी माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है। पूर्व में किए गए अनुसंधानों के मुताबिक, औसत भारतीय प्रतिदिन 10.98 ग्राम नमक और लगभग 10 चम्मच चीनी का उपभोग करता है , जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनुशंसित सीमा से बहुत अधिक है।

सोने के दाम बढ़े, चांदी फिसली:सोना 482 बढ़कर 70,372 पर पहुंचा, चांदी 526 गिरकर 80,598 प्रति किलो पर आई

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 13 अगस्त को तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मंगलवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 482 रुपए बढ़कर 70,372 रुपए पर पहुंच गया। कल इसके दाम 69,890 रुपए प्रति दस ग्राम थे। हालांकि एक किलो चांदी 526 रुपए गिरकर 80,598 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले कल चांदी 81,124 रुपए किलो प्रति पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,770 रुपए है। मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,620 रुपए है। कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 65,650 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 71,620 रुपए है। चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,620 रुपए है। भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 65,700 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 71,670 रुपए है। हैदराबाद में आज का सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 70,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 64,700 रुपये है।

इस साल सोने में अब तक 7 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 7,020 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 70,372 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 80,598 रुपए पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका की दिग्गज ऑटो कंपनी को चीन में भारी मुश्किल

यहां करेगी बड़े पैमाने पर छंटनी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी जनरल मोटर्स जल्द ही बड़े पैमाने पर छंटनी की प्लानिंग कर रही है. कंपनी चीन में छंटनी के बाद बड़े संरचनात्मक और परिचालन बदलाव भी करेगी. इसके लिए कंपनी ने चीन के स्थानीय पार्टनर एसएआईसी के साथ बातचीत भी की है. जनरल मोटर्स ने यह फैसला चीन में गिरते सेल्स को देखते हुए लिया है लिहाजा यह छंटनी चीन में की जाएगी. बिजनेस वेबसाइट लाइव मिंट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक जनरल मोटर्स चीन में रिसर्च और डेपलपमेंट विभाग और मार्केटिंग विभाग में बड़े पैमाने पर छंटनी की तैयारी कर रही है. आने वाले कुछ हफ्तों में कंपनी अपने लोकल पार्टनर एसएआईसी के साथ मिलकर इसके लिए एक्शन प्लान तैयार करेगी. बता दें कि जनरल मोटर्स ने साल 2017 में सबसे ज्यादा गाड़ियों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया था, मगर अब कंपनी को उस तरह के रिस्पॉन्स की उम्मीद नहीं है. ऐसे में वह कर्मचारियों की छंटनी करके अपने खर्च में कटौती करने का प्रयास कर रही है. कंपनी कितने कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है इसे लेकर अभी तक इसने कोई जानकारी नहीं दी है.साल 2017 में रिकॉर्ड बिक्री के रिकॉर्ड को छूने के अलावा कंपनी ने साल 2018 में चीन में बड़े पैमाने पर गाड़ियों की बिक्री करके अरबों डॉलर की कमाई की थी. मगर अब कंपनी चीन के बाजार से अपने हाथ पीछे खींच रही है क्योंकि जनरल मोटर्स को स्थानीय कंपनियों से कड़ी चुनौती मिल रही है. ऐसे में कंपनी चीनी बाजार में कई मोर्चों पर संघर्ष करती दिखाई दे रही है. बता दें कि विश्व के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार चीन में पिछले कुछ सालों में लोकल चीनी कंपनियों का दबदबा बढ़ा है. ऐसे में बहुत से विदेशी कंपनियों को यहां के मार्केट में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है.जनरल मोटर्स ने चीन के लिए कई और अहम बदलावों पर अमल करने के प्लान पर काम करना शुरू कर दिया है. इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल के निर्माण पर फोकस के अलावा चीन में फैक्ट्री कैपसिटी में कटौती, ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी और लोकल कंपनी जैसे एसएआईसी के साथ मिलकर काम करना शामिल है।

क्या अजीम प्रेमजी की विप्रो में सब ठीक है? एक के बाद एक बड़े लोग छोड़ रहे कंपनी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े दानवीरों में से एक अजीम प्रेमजी ने 90 के दशक में जिस कंपनी को खड़ा करके विप्रो की किस्मत ही बदल दी और साबुन-तेल बेचने वाली कंपनी भारत की टॉप-आईटी कंपनियों में शामिल हो गई।क्या उस कंपनी में सब ठीक चल रहा है? कंपनी के निवेशकों के हित तो ध्यान में रखते हुए ये सवाल इसलिए पूछे जा रहे हैं क्योंकि हाल में कंपनी के कई सी-क्लास एग्जीक्यूटिव्स ने कंपनी छोड़ दी है।ताजा मामले में कंपनी की चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर शुभा टाटावर्ती ने भी इस्तीफा दे दिया है।शुभा टाटावर्ती ने साल 2021 में ही विप्रो को जॉइन किया था।उनकी जॉइनिंग टेक्नोलॉजी चीफ के तौर पर हुई थी।अपने 3 साल के कार्यकाल में उन्होंने विप्रो के जेनएआई इनिशिएटिव का नेतृत्व किया।इसी के साथ विप्रो एआई 360 की शुरुआत की।

विप्रो ने स्टॉक मार्केट को जानकारी दी कि उसकी चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर शुभा टाटावर्ती ने विप्रो से बाहर नए अवसर तलाशने के लिए कंपनी से इस्तीफा दे दिया है।उन्होंने कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्रीनि पलिया को भेजे अपने इस्तीफे में कहा कि वह 16 अगस्त से विप्रो के सीटीओ पद से इस्तीफा दे रही हैं।आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं। विप्रो से पहले शुभा टाटावर्ती ने पे-पाल और वॉलमार्ट जैसी बड़ी कंपनियों में कई लीडरशिप पोजिशन पर काम किया।

हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी की होगी समीक्षा!

9 सितंबर को बुलाई गई जीएसटी काउंसिल की बैठक

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। क्या हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर से लगने वाली जीएसटी को हटाने की तैयारी है? हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर वसूले जाने वाले जीएसटी पर चर्चा के लिए 9 सितंबर 2024 को जीएसटी काउंसिल की बैठक बुलाई गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल की ये 54वीं बैठक होगी जिसमें राज्यों के वित्त मंत्री के साथ हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस पर वसूले जाने वाले जीएसटी पर चर्चा की जाएगी।

मानसून सत्र में विपक्ष ने उठाया था मुद्दा

जीएसटी काउंसिल का एजेंडा अभी तय नहीं है लेकिन संसद में इस मुद्दे पर जबरदस्त हंगामा हुआ था।बीते हफ्ते खत्म हुए संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद के दोनों सदनों से लेकर संसद के बाहर बैनर पोस्टर लेकर हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर लगने वाले जीएसटी को लेकर सरकार को घेरा था।इसके बाद वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री को सफाई भी देना पड़ा।

वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि आने वाले जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में इस मुद्दे पर राज्यों के वित्त मंत्री के साथ चर्चा की जाएगी।विपक्ष ही नहीं सरकार के वरिष्ठ मंत्री नितिन गडकरी ने भी वित्त मंत्री को पत्र लिखकर लाइफ इंश्योरेंस और मेडिकल इंश्योरेंस के प्रीमियम के भुगतान पर से जीएसटी को हटाने की मांग की है।तो संसद की स्थाई समिति भी इसकी सिफारिश कर चुकी है।

जीएसटी पर सरकार विपक्ष में तकरार

राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी दलों के सांसदों का सदन के भीतर हमले का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, मेडिकल इंश्योरेंस के प्रीमियम पर जो 18 फीसदी जीएसटी लगता है उसमें 9 फीसदी सीधे राज्यों के खाते में जाता है।और जो केंद्र के पास टैक्स आता है उसमें से भी 42 फीसदी टैक्स डिवॉल्यूशन पूल में से राज्यों को जाता है।यानि 100 रुपये से 74 रुपये राज्यों के पास ही वसूले जाने वाले जीएसी में से जाता है।उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि मेडिक्लेम और लाइफ इंश्योरेंस पर केवल केंद्र सरकार जीएसटी वसूलती है।

मेडिक्लेम प्रीमियम पर 24,530 करोड़ जीएसटी वसूली

मानसून में ही वित्त राज्यमंत्री ने लिखत जवाब में बताया कि बीते तीन सालों में हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर जीएसटी लगाकर 21,256 करोड़ रुपये और हेल्थ रीइंश्योरेंस प्रीमियम पर 3274 करोड़ रुपये जीएसटी वसूली की गई है।उन्होंने बताया कि जीएसटी के लागू होने के बाद से ही हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी लग रहा है।

महंगी ईएमआई से मिलेगी राहत!

मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी छमाही से भारतीय रिजर्व बैंक कर सकता है ब्याज दरों में कटौती की शुरुआत

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई 2024 के लिए घोषित खुदरा महंगाई दर खाद्य वस्तुओं की महंगाई में कमी के चलते भारतीय रिजर्व बैंक के टोलरेंस बैंड 4 फीसदी से नीचे फिसलकर 3.5 फीसदी पर आ गई है।खुदरा महंगाई दर में कमी का ये सिलसिला आने वाले महीनों में जारी रहा तो महंगे कर्ज से लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है।होम लोन से लेकर कार लोन समेत एजुकेशन लोन लेना बैंकों से सस्ता हो सकता है।तो जिन लोगों की ईएमआई चल रही है वो सस्ती हो सकती है।

दूसरी छमाही से कर्ज होगा सस्ता!

केयरएज रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने महंगाई दर में गिरावट पर कहा, पिछले साल के बेस इफेक्ट के चलते खुदरा महंगाई दर 3.5 फीसदी पर आ गई है लेकिन कोर इंफ्लेशन जून में 3.1 फीसदी से बढ़कर जुलाई 2024 में 3.4 फीसदी पर आ गई है जिसके लिए टेलीकॉम टैरिफ में बढ़ोतरी और कुछ राज्यों में ईंधन के दामों में इजाफा जिम्मेदार है।उन्होंने कहा, आगे जाकर बेस इफेक्ट अगस्त और सितंबर महीने में हमारे पक्ष में नहीं होगा जिससे महंगाई दर में गिरावट का ट्रेंड बदल सकता है।उन्होंने कहा, 2024-25 में महंगाई दर औसतन 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है।और अगर खाद्य महंगाई में कमी आई तो हमारा मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में पॉलिसी रेट्स में कटौती की शुरुआत कर सकता है।

9 महीने में 2.50% महंगा हो गया कर्ज

मई 2022 से पहले आरबीआई की पॉलिसी रेट जिसमें रेपो रेट शामिल है वो 4 फीसदी हुआ करती थी।लेकिन अप्रैल 2022 में खुदरा महंगाई दर तेज उछाल के साथ 7.8 फीसदी पर जा पहुंची।जिसके बाद आरबीआई ने पॉलिसी रेट्स में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू कर दिया जो पहले 4 फीसदी हुआ करती थी।अगले छह आरबीआई मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में रेपो रेट को 4 फीसदी से बढ़कर 6.50 फीसदी कर दिया गया। 2.50 फीसदी रेपो रेट बढ़ने के बाद बैंकों से लेकर हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों ने होम लोन की ब्याज दरों बढ़ा दी।तो जिन होमबायर्स का पहले से होम लोन चल रहा था उनकी ईएमआई महंगी हो गई।इस अवधि में होम लोन के अलावा कार लोन, एजुकेशन लोन से लेकर दूसरे पर्सनल लोन भी महंगे हो गए।

कितना बढ़ गया ईएमआई का बोझ

महज एक साल के भीतर होमबायर्स पर महंगी ईएमआई की गाज गिर गई।मान लिजिए किसी होम बायर्स ने 2021 में 40 लाख रुपये का होम लोन 20 सालों के लिए 7 फीसदी के दर पर लिया था तब उसे 31,012 रुपये मंथली ईएमआई का भुगतान करना पड़ रहा था।

लेकिन आरबीआई के रेपो बढ़ाने के बाद बैंकों ने कर्ज महंगा कर दिया जिसके बाद ईएमआई बढ़कर 37,285 रुपये हो गया।यानि होम बायर्स पर 6273 रुपये हर महीने ईएमआई का बोझ बढ़ गया और अगर सालाना इसे जोड़ लें तो 75,276 रुपये ज्यादा ईएमआई का भुगतान पिछले डेढ़ वर्षों से करना पड़ रहा है।ईएमआई 20 फीसदी तक महंगा हो गया।बहरहाल महंगाई दर में जो कमी आई है उसका सिलसिला जारी रहा तो महंगी ईएमआई से राहत मिल सकती है।

बैंकिंग, मिडकैप स्मॉलकैप स्टॉक्स में बिकवाली से गिरा बाजार

700 अंक गिरकर बंद हुआ सेंसेक्स

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद अमंगल साबित हुआ है।बैंकिंग, एनर्जी, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में बिकवाली के चलते बाजार नीचे जा लुढ़का ।केवल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है।आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसआई सेसेक्स 693 अंकों की गिरावट के साथ 78,956 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 208 अंकों की गिरावट के साथ 24,139 अंकों पर क्लोज हुआ है।

बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को 4.50 लाख करोड़ रुपये के करीब नुकसान उठाना पड़ा है।

तेजी-गिरने वाले शेयर्स

बीएसई सेंसेक्स में 30 शेयरों में केवल 6 स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि 24 में गिरावट दर्ज की गई।जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 14 तेजी के साथ और 36 गिरकर क्लोज हुए। आज बाजार में जिन शेयरों में खरीदारी रही उसमें हिंदुस्तान कॉपर शामिल है जो 3.37 फीसदी की तेजी के साथ क्लोज हुआ है।इसके अलावा बलराम चीनी 3.28 फीसदी, ऑरोबिंदो फार्मा 3.01 फीसदी, डिक्सन टेक्नोलॉजी 2.76 फीसदी, मैरिको 2.47 फीसदी, टीवीएस मोटर 2.24 फीसदी, टाइटन कंपनी 1.89 फीसदी, अपोलो हॉस्पिटल 1.34 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों में आरती इंडस्ट्रीज 15.45 फीसदी, चंबल फर्टिलाइजर 7.08 फीसदी, जायडस लाइफ 5.99 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.28 फीसदी, टाटा स्टील 2.37 फीसदी, बजाज फाइनेंस 2.02 फीसदी, एसबीआई 1.97 फीसदी टाटा मोटर्स 1.92 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।इसके अलावा ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर्स गिरावट के साथ बंद हुए।केवल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर और आईटी स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए।

मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में मुनाफावसूली देखने को मिली है।आज के कारोबार में इंडिया वीआईएक्स 1.83 फीसदी के उछाल के साथ 16.16 पर क्लोज हुआ है।

मार्केट कैप में गिरावट

बाजार में बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है।बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप घटकर 445.37 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछला सत्र में 449.82 लाख करोड़ रुपये रहा था।यानि आज के सत्र में निवेशकों को 4.45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	04-00 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	सिंह..	06-13 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या..	08-20 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला...	10-24 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक..	12-34 बजे
शुक्र-	सिंह	मे	धनु....	14-48 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मकर...	16-56 बजे
राहु-	मीन	मे	कुंभ...	18-45 बजे
केतु-	कन्या	मे	मीन-	20-24 बजे
			मेष---	22-00 बजे
			वृष---	23-53 बजे
			मिथुन-	01-44 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत्- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-02
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 18-39
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 10-24 तक उपरान्त दशमीं
मास - श्रावण शुक्ल , बुधवार 14 August
नक्षत्र - अनुराधा 12-12 तक उप ज्येष्ठा
योग - ऐन्द्र 16-05 तक उप वैधृति
करण- कौलव 10-24 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ अमर्त सिद्धि - 06-14 से

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:21 से 13:56 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:02 - 07:35 शुभ	उत्पात	18:39 - 20:06 अशुभ
अमृत.	07:35 - 09:10 शुभ	शुभ	20:06 - 21:31 शुभ
काल	09:10 - 10:45 अशुभ	अमृत	21:31 - 22:56 शुभ
शुभ.	10:45 - 12:21 शुभ	चंचल	22:56 - 00:21 शुभ
रोग.	12:21 - 13:56 अशुभ	रोग	00:21 - 01:46 अशुभ
उत्पात	13:56 - 15:31 अशुभ	काल.	01:46 - 03:10 अशुभ
चंचल	15:31 - 17:06 शुभ	लाभ	03:10 - 04:35 शुभ
लाभ	17:06 - 18:39 शुभ	उत्पात	04:35 - 06:02 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आप अपनी नौकरी की मांग के चलते अस्वास्थ्यकर घंटों में भी काम करते रहे हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है। सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप आवेगी मूड में हैं ,किसी भी काम के बारे में भली प्रकार सोचे बिना ही करने दौड़ पड़ेंगे जिसके कारण आपको कार्यस्थल पर और पारिवारिक जीवन में भी दिक्कतें आ सकती हैं । हालाँकि इस समय ऐसा कर पाना थोडा मुश्किल है , लेकिन मन को शांत रखें । आपके सामने कई अवसर एक साथ आयेंगे,आपको सोच समझकर उनमें से चुनना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें । आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है |अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

झारखंड विधानसभा चुनाव, दिल्ली में कांग्रेसियों की बैठक

गठबंधन में हिस्सेदारी बढ़ाने की चाह, जीत की बनेगी रणनीति, पदाधिकारियों से विमर्श

रांची, 13 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अपनी तैयारियों में जुट गया है। पार्टी के जिला स्तर से लेकर केंद्र स्तर तक लगातार बैठकों और रणनीति बनाने का दौर जारी है। आज भी दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं।

इस बैठक में वे तमाम अधिकारी शामिल हैं, जिन्हें झारखंड में चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण पद दिए गए हैं। झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित तमाम अधिकारी बैठक में शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक आज की बैठक को इस लिहाज से भी अहम माना जा रहा है कि पदाधिकारी राज्य में महागठबंधन में हिस्सेदारी और उम्मीदवारी की चर्चा करेंगे। चर्चा इस बात की है कि कांग्रेस महागठबंधन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहता है। पार्टी पिछली बार की तुलना में दो अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग केंद्रीय नेतृत्व से कर सकता है।

जानकार इस पीछे का तर्क देते हैं कि गोड्डा से पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव और हजारीबाग के मांडू से विधायक रहे जयप्रकाश भाई पटेल कांग्रेस में हैं। इस आधार पर उनकी दावेदारी इन दोनों ही सीटों पर है। बता दें कि पिछले चुनाव में इन सीटों पर झामुमो ने प्रत्याशी उतारे थे। इधर, झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक नेताओं से झारखंड कांग्रेस ने आवेदन मांगा है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ने को इच्छुक नेता अपने विधानसभा सीट वाले जिले के कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पास आवेदन पत्र और बायोडाटा जमा करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी सभी जिला प्रमुख को इसे लेकर मार्गदर्शित किया है। उम्मीदवारों को आवेदन के साथ विस्तृत जानकारी, पार्टी के आह्वान पर समय समय पर हुए कार्यक्रम, संगठन विस्तार में भूमिका आदि की जानकारी 15 दिनों के अंदर जमा करना होगा। जिला से प्राप्त आवेदनों को तीन सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी के सामने रखा जाएगा। इसके बाद यह कमिटी पार्टी के समय समय पर विभिन्न मुद्दों पर हुए कार्यक्रम में सहभगिता, सदस्यता अभियान में उनका परफॉरमेंस के साथ साथ विनिबिलिटी की कसौटी पर परख कर नाम फाइनल करेगी। इधर पार्टी की ओर से सभी जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि जनता के हितों के संदर्भ में कांग्रेस के दृष्टिकोण से उन्हें पूरी तरह अवगत कराएं।

नक्सलियों के ठिकाने से 38 लाख कैश मिले

2000 के 6, 500 के 52 बंडल जब्त, 23 ग्रेनेड–लॉन्चर समेत विस्फोटक भी बरामद

रायपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में गरियाबंद-धमतरी पुलिस को नक्सलियों के ठिकाने में दबिश देने पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस को 38 लाख रुपए कैश मिले हैं। इसे ओडिशा स्टेट कमेटी के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के नक्सलियों ने डंप कर रखा था। इसके अलावा पुलिस को 23 बीजीएल राउंड (बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर) और 13 डेटोनेटर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामाग्री भी मिली है। रायपुर रेंज के अंदरूनी क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में पुलिस को सूचना मिली थी।

सूचना थी कि, प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के निर्देश पर स्थानीय नक्सलियों ने व्यापारियों से अवैध रूप से लेवी वसूल की है। इस वसूली से मिले कैश और बाकी नक्सल सामग्रियों को गरियाबंद और धमतरी के अलग-अलग क्षेत्रों में डंप कर छिपाया गया है। सूचना मिलने पर गरियाबंद-धमतरी पुलिस बल और सीआरपीएफ की टीम ने विशेष सर्चिंग अभियान चलाया। धमतरी-गरियाबंद के सीमा पर छोटे गोबरा और पेंड्रा के जंगल में सामान डंप करने के लिए जमीन में गहरा गड्ढा खोदा गया था। इसमें कैश और विस्फोटक सामाग्रियों को रखने के बाद मिट्टी और झाड़ियों से छिपा दिया गया था। जिसे सुरक्षाबलों ने सर्चिंग के दौरान बरामद किया। 10 जुलाई को संयुक्त टीम रवाना हुई थी और यह ऑपरेशन 12 जुलाई को पूरा हुआ। अगल-अलग जगहों से स्टील डिब्बे के अंदर 2000 नोट के 6 बंडल, 500 नोट के 52 बंडल, प्रत्येक बंडल में 100 नोट मिलाकर कुल 38 लाख रुपए मिले। इसके अलावा बीजीएल के राउंड, दो टिफिन आईईडी और आईईडी बनाने से संबंधित सामग्री बरामद की गई है। आईईडी बनाने के समान जैसे 13 डेटोनेटर, 1 बंडल फ्यूज वायर, 2 किलो लूज बारूद, यूरिया, 2 नग फ्लैस लाइट, 3 नग मल्टी मीटर, सेंसर रिमोट, इलेक्ट्रिक वायर, नक्सल वर्दी, काला कपड़ा और बाकी सामग्री बरामद की गई है। इस संबंध में थाना मैनपुर में अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले से 11 अगस्त को नक्सलियों के 5 एजेंट्स पकड़े गए। ये आरोपी ठेकेदारों से वसूली कर नक्सलियों तक पहुंचाते थे। पुलिस के मुताबिक अब तक 60 लाख से ज्यादा की वसूली ये कर चुके थे।

ट्रक में घुसी कार, एनटीपीसी कर्मचारी की पत्नी-बेटे संग मौत

एक किमी तक कार को घसीटा, कटर से काटकर निकाले गए शव

अंबिकापुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में सोमवार को ट्रक की टक्कर से कार सवार एनटीपीसी के कर्मचारी, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर ट्रक में जा घुसी। इसके बाद ट्रक करीब एक किमी तक कार को घसीटता हुआ ले गया। हादसे में हादसा सीतापुर थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, ओडिशा के सुंदरगढ़ निवासी हरिनारायण शर्मा (58) एनटीपीसी सिंगरौली में कार्यरत थे। वे शाम करीब 5 बजे पत्नी चंदा शर्मा (58) और बेटे पियूष (32) के साथ कार में घर जा रहे थे। अभी वे एनएच-43 पर कारबेल के पास पहुंचे थे कि ट्रक से टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रक रायगढ़ से अंबिकापुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और ट्रक में सामने से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखचे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से काटकर शवों को बाहर निकाला। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि कार तेज रफ्तार में गलत दिशा में चली गई। इसके चलते हादसा हुआ। टक्कर के बाद कार में सामने के दोनों एयरबैग खुल गए थे, फिर भी किसी की जान नहीं बच सकी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला।

पुलिस ने ट्रक जब्त कर तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। नेशनल हाइवे-43 पर आज का यह दूसरा बड़ा हादसा है।

झारखंड के अधिकारियों पर उखड़ गए नितिन गडकरी

दे दी 'पेनाल्टी' के साथ 'ब्लैकलिस्ट' की चेतावनी

रांची, 13 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में चल रहे सड़क और कॉरिडोर प्रोजेक्ट्स की धीमी प्रगति से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नाराज हैं। सोमवार को एक समीक्षा बैठक में उन्होंने राज्य के अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि झारखंड में भारत सरकार द्वारा दिया गया कोई भी प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं हो रहा है। इस दौरान पेनाल्टी वाली चेतावनी भी दे दी।

गडकरी ने झारखंड के अधिकारियों से क्या कहा

झारखंड के अधिकारियों से केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक तो आपलोग नए प्रोजेक्ट लेकर आते नहीं, और जो चल रहे हैं उन्हें भी पूरा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रोजेक्ट्स के समय पर पूरा न होने पर सरकार को ठेकेदारों को पेनाल्टी देनी पड़ती है, जिससे केंद्र सरकार का पैसा बर्बाद हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पैसे की कोई कमी नहीं है, लेकिन काम समय पर पूरा होना चाहिए। गडकरी ने विशेष रूप से रातू रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण की प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने सुनील कुमार से कहा कि आप चार साल से सचिव हैं। विभाग सही तरीके से नहीं चला रहे हैं। योजनाओं की सही तरीके से मॉनिटरिंग नहीं हो रही है। विभाग का काम नहीं सुधरा तो आलाधिकारियों को लिखा जाएगा।

उन्होंने काम करने वाली कंपनियों के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि समय पर काम पूरा कीजिए, नहीं तो ब्लैक लिस्ट करेंगे। उन्होंने समय पर जमीन अधिग्रहण न होने को गंभीर मुद्दा बताया और राजस्व विभाग के अधिकारियों से समय पर जमीन उपलब्ध कराने का आग्रह किया। गडकरी ने वन विभाग द्वारा समय पर मंजूरी नहीं देने पर भी नाराजगी व्यक्त की।

बैठक में पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, गृह और वन विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, भू-राजस्व विभाग के निदेशक भोर सिंह यादव और पीसीसीएफ डॉ संजय श्रीवास्तव, झारखंड एनएचएआइ के क्षेत्रीय अधिकारी एनएल योतकर और संबंधित कंपनियों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान, झारखंड के अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष लगभग एक दर्जन सड़क और गंगा नदी पर पुल की योजना का प्रस्ताव रखा।

दर्शनार्थियों से भरी पिकअप पलटी, एक की मौत

बलौदाबाजार में 11 श्रद्धालु घायल, एक का टूटा पैर, 2 लोगों की हालत गंभीर

बलोदा बाजार, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में दर्शनार्थियों से भरी पिकअप देर रात डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 11 श्रद्धालु घायल हो गए हैं। ये हादसा सिमगा थाना क्षेत्र के ग्राम दरचुरा हाइवे पर हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक पिकअप वाहन में 20 से अधिक लोग सवार थे, जो जतमई घटारानी दर्शन के लिए गए थे। घर लौटने से से पहले हादसे का शिकार हो गए।

घायलों को सिमगा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है। सिमगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सभी दर्शनार्थी करहुल के निवासी हैं। घायलों में एक 6 साल की बच्ची, 4 महिला और 6 पुरुष घायल हैं। वहीं कामिनी साहू पति मत्तूलाल साहू (50) की जान गई है।

बांग्लादेश हिंसा, छत्तीसगढ़ में डबल हो गए सब्जियों के भाव

लहसुन 220, प्याज 60 और आलू 50 रुपए किलो, त्योहार में और बढ़ेंगे दाम

रायपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंसा और तख्तापलट से कारोबार पूरी तरह ठप है। वहां प्याज का पूरा स्टॉक खत्म हो गया है। ऐसे में अब भारतीय व्यापारी बांग्लादेश में 100 रुपए प्रति किलो के हिसाब से प्याज का निर्यात कर रहे हैं। मुनाफाखोरी से भारत में भी प्याज के दाम दोगुने हो गए हैं। छत्तीसगढ़ में प्याज 50 से 60 रुपए किलो और लहसुन 220 रुपए किलो बिक रहा है।

वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य से आलू के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस वजह से आलू भी करीब 2 महीने से 40 से 50 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। छत्तीसगढ़ में आलू और प्याज दोनों ही सब्जी के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दोनों ही सब्जियां आम लोगों की पहुंच से थोड़ी दूर हैं। डबल रेट में खरीदना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। लिहाजा कीमतें नहीं घटी तो त्योहार का जायका फीका पड़ सकता है। आने वाले कुछ समय में कीमतों में सुधार की संभावना बहुत कम है। छत्तीसगढ़ में रोज प्याज की औसतन 50 से 55 गाड़ियां आती हैं। एक गाड़ी में 25 से 30 टन प्याज लोड होती है। लिहाजा छत्तीसगढ़ में रोज 1250 टन से 1650 टन प्याज की खपत होती है।

कारोबारियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल से आलू की सप्लाई नहीं हो रही है। वहां से कारोबारी चोरी-छिपे माल भेज रहे हैं। इसलिए चेक पोस्ट पर गाड़ियों को कमीशन देना पड़ रहा है। इससे छत्तीसगढ़ आने तक लागत काफी बढ़ जा रही है। बंगाल से आपूर्ति नहीं होने से आलू की सप्लाई का पूरा दबाव उत्तर प्रदेश पर है।

छत्तीसगढ़ ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में वहीं से आलू की सप्लाई हो रही है। इसलिए वहां की मंडी में भी कीमतें बढ़ी हुई हैं। आलू महंगा होने से छत्तीसगढ़ के कारोबारियों का फिलहाल प्रॉफिट कम हो गया है। यहां रोज 1200 से 1600 टन आलू की खपत है।

श्रीराम थोक सब्जी मंडी के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि आलू-प्याज ही नहीं, लहसुन भी इस वक्त महंगा बिक रहा है। खुदरा में लहसुन 220 रुपए किलो चल रहा है।

आनंद मार्ग स्कूल तोड़ने पर साध्वी ने किया आत्मदाह

किचन में जाकर खुद को लगाई आग, बोकारो में बिना नोटिस पहुंची थी एनएचआई की टीम

बोकारो, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बोकारो के दारीद पंचायत के खुटाहरा गांव में सड़क निर्माण के रास्ते में आ रहे आनंद मार्ग के स्कूल को तोड़े जाने का विरोध करते हुए स्कूल संचालिका साध्वी उद्धत आनंद हितकारिणी(68) ने आत्मदाह कर लिया। सोमवार को स्कूल तोड़े जाने का अल्टीमेटम देने पुलिस के साथ एनएचएआई व सड़क निर्माता कंपनी एनजी इंफ्रा के अधिकारी पहुंचे थे। इस दौरान साध्वी ने खुद को किचन में बंद कर आग लगा ली।

मृतक आचार्या की शिष्या शेफाली महतो ने बताया 'कि इस जमीन का मामला हाईकोर्ट में है। इसे खाली करने के लिए जिला प्रशासन या एनएचएआई ने कभी नोटिस भी नहीं दिया। अचानक टीम पहुंची और तोड़फोड़ करने लगी। विद्यालय की आचार्या ने स्कूल भवन तोड़ने का विरोध किया। अधिकारियों का कड़ा रुख देखकर साध्वी ने किचन में घुस कर गेट अंदर से बंद कर गैस खोलकर आग लगा ली। इस दौरान आग तेजी से पूरे शरीर में फैल गई और वो बुरी तरह जल गईं।' मौके पर मौजूद सीओ अशोक राम ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। साध्वी अवधुतिकानंद हितवाहिनी 80 फीसदी जल चुकी थीं। गंभीर स्थिति की वजह से उनकी मौत हो गई। मौत के बाद आनंद मार्ग ट्रस्ट के सदस्यों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हंगामा किया।

मुआवजा सहित अन्य मांगों को लेकर शव लेने और पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया। अधिकारियों और पुलिस ने समझा बूझकर मामला शांत कराया। उसके बाद सबको पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट भेजा गया।

मुआवजे को लेकर है मतभेद

बताया जाता है कि यह जमीन कोलकाता निवासी सर्वात्मानंद अवधूत के नाम पर है। इस जमीन पर मृतका पिछले 34 साल से स्कूल चला रही थीं। एनएचएआई ने सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण किया,लेकिन भुगतान से पहले आनंद मार्ग के किसी सदस्य ने इस पर दावा कर दिया। इस कारण भुगतान नहीं हुआ और मामला हाईकोर्ट में चला गया। इसी बीच एनएचएआई और जिला प्रशासन के अधिकारी पुलिस बल के साथ स्कूल भवन तोड़ने के लिए पहुंच गए।

झारखंड के 13 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

आकाशीय बिजली से 3 लोगों की मौत धनबाद में हुई सबसे ज्यादा बारिश

रांची, 13 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम विभाग ने 11 जिलों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारबीग, कोडरमा, गिरिडीह, रांची, लोहरदगा, गुमला, लातेहार, खूंटी और रांची जिला शामिल है। इन इलाकों में आज भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली का भी अलर्ट जारी किया गया है। जबकि राज्य के अन्य जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। पलामू ज़िले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम को वज्रपात से तीन की मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। पहली घटना लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के पहाड़ी कला गांव की है। दूसरी घटना भी लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कमलपुर गांव की है। इन दोनों घटनाओं में तीन की मौत हो गई है जबकि एक गंभीर रूप से घायल है।

धान रोपनी के दौरान ही तीनों महिलाएं आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। जिन तीन महिलाओं की मौत हई उनकी पहचान किरण उर्फ करिश्मा कुमारी, कविता देवी और सबिता देवी के रूप में हुई है।

राज्य में कुछ जिले ऐसे भी है जहां उम्मीद से अधिक बारिश हुई है। पलामू में सामान्य से 12 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है यहां अब तक 502.3 प्रतिशत बारिश होनी चाहिए थी जबकि 560.1 प्रतिशत बारिश हुई। राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद में हुई जो 17 प्रतिशत अधिक रही। यहां 648.8 प्रतिशत बारिश होनी चाहिए थी यहां 761.5% अधिक बारिश हुई है।

राज्य में हुई अच्छी बारिश का असर है कि राज्य के कई डैम और जलासय भर गए हैं। राज्य के छह डैमों तेनुघाट, मैथन, पंचेत हिल, गेतलसूद, कोनार और तिलैया में 1.33 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी है। बीते साल इस समय तक डैमों में 0.66 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी था। सामान्य रूप से इन डैमों में करीब 1.08 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी होना चाहिए।

कोरबा में खुलेगा देश का पहला लीथियम खदान

रायपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ में देश का पहला लीथियम खदान खुलेगा। कोरबा जिले के कटघोरा में जल्द शुरू होने वाला लीथियम माइंस देश का पहला लीथियम खदान होगा। लीथियम खदान शुरू होने से छत्तीसगढ़ आगामी समय में देश के अग्रणी राज्यों में से एक होगा। विकसित भारत 2047 के योगदान में छत्तीसगढ़ के लीथियम भंडार का अहम रोल होगा। ये जानकारी खुद छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने मंगलवार को रायपुर में दी है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले के कटघोरा इलाके में लगभग ढाई सौ हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम का भंडार मिला है। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित नेशनल मिनिरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की 6ठवीं गवर्निंग बॉडी मीटिंग में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लीथियम एक अहम धातु है जिससे राज्य और देश

विकास की नई दिशा की तरफ अग्रसर होंगे। बैठक में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र पर भी चर्चा हुई। जिओलाजिकल सर्वे आफ इंडिया में कटघोरा के लगभग 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लीथियम के बड़ा भंडार होने की पुष्टि हुई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित रहने वाले राज्य के स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा है कि 20 ब्लॉक्स में से छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित कटघोरा क्षेत्र में लिथियम एंड आरईई ब्लॉक भी शामिल है। लगभग 250 हेक्टेयर क्षेत्र में जीएसआई की ओर से प्रारंभिक सर्वे में लगभग 10 पीपीएम से 2 हजार पीपीएम लिथियम कन्टेन्ट पाया गया है। ब्लॉक में रेयर अर्थ एलिमेंट की भी उपस्थिति पाई गई है। क्रिटिकल एंड स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की आवश्यकता रिन्यूवेबल एनर्जी, रक्षा, कृषि, फार्मास्युटिकल, उच्च-तकनीकी इलेक्ट्रानिक्स, दूरसंचार, परिवहन आदि में होती है। इस खनिज के मामलों में वर्तमान में देश आयात पर निर्भर है। बैठक में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी की अध्यक्षता में खनिजों का दोहन और उनके उपयोग के साथ प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण पर चर्चा हुई।

बीजेपी कार्यकर्ता ने कांग्रेस कार्यकर्ता की दीवार पर चलाया बुलडोजर

थाने के सामने विधायक साव का धरना–प्रदर्शन, कहा– एसडीएम कार्यालय में जड़ेंगे ताला

बलौदाबाजार, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले में भाटापारा के विधायक इंद्र साव रात 9 बजे थाने के सामने धरने पर बैठ गए। बताया जा रहा है कि कांग्रेस कार्यकर्ता रोशन हबलानी के घर की दीवार को जेसीबी से तोड़ने के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर विरोध प्रदर्शन किया। धरने के दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह एसडीएम कार्यालय में ताला जड़ देंगे। बताया जा रहा है कि यह विवाद एक जमीन से जुड़ा है। विधायक और उनके समर्थक थाने में देर रात तक डटे रहे। विधायक इंद्र साव ने प्रशासन को 24 घंटे तक का अल्टीमेटम दिया है, जिसके तहत उन्होंने 24 घंटे के भीतर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। विधायक इंद्र कुमार साव ने कहा कि भाटापारा के इतिहास में पहली बार हुआ है, जो बहुत ही शर्मनाक घटना है। एक व्यक्ति खुले आम जेसीबी मशीन लेकर किसी भी शासकीय आदेश या अधिकारियों के बगैर जाकर 10 फिट ऊंची और 140 फीट लंबी दीवार को दिनदहाड़े तोड़ दिया। विधायक इंद्र साव ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो अगला कदम और भी बड़ा हो सकता है। देर रात एसडीएम तहसीलदार धरना स्थल पहुंचे। विधायक से बात होने के बाद विधायक ने 24 घंटे की चेतावनी देकर धरना प्रदर्शन खत्म किया। बताया जा रहा है कि दीवार तोड़ने वाला व्यक्ति राकेश मंधान बीजेपी कार्यकर्ता है और जिसकी दीवार टूटी है वह कांग्रेस कार्यकर्ता है, जिसके चलते जमीन विवाद का मामला अब राजनीतिक विवाद बन गया है। फिलहाल देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस मामले को कैसे हल करता है।

चार अस्पतालों में छापा, बंद करने के निर्देश

ओम क्लीनिक, भाटिया डेंटल और पैथोलॉजी लैब बिना लाइसेंस संचालित, केयर हॉस्पिटल के पास एनओसी नहीं

दुर्ग, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 4 अस्पतालों पर ताला जड़ दिया है। छापेमारी के दौरान टीम ने पाया कि तीन हॉस्पिटल बिना नर्सिंग होम एक्ट लाइसेंस के संचालित हो रहे हैं। वहीं एक हॉस्पिटल के पास पर्यावरण की एनओसी नहीं है। नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा था। सभी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

नर्सिंग होम एक्ट दुर्ग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अनिल शुक्ला ने बताया कि उन्हें लगातार शिकायत मिल रही थी। दुर्ग में कुछ चिकित्सा संस्थान निर्सिंग होम एक्ट के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, जिसके बाद टीम ने छापेमारी की।

नोडल अधिकारी ने बताया कि ओम क्लिनिक पोटिया कला दुर्ग, जैमिनी हॉस्पिटल पोटिया चौक आदर्श नगर दुर्ग, केयर हॉस्पिटल कोहका रोड भिलाई, ओम हॉस्पिटल मानवीय नगर दुर्ग, भाटिया डेंटल हॉस्पिटल और पैथोलॉजी लैब जीई रोड दुर्ग में छापेमारी की गई।

निरीक्षण के दौरान ओम क्लीनिक और भाटिया डेंटल हॉस्पिटल और पैथोलॉजी लैब को बिना नर्सिंग होम एक्ट लाइसेंस के संचालित पाया गया। उनसे लाइसेंस और अन्य दस्तावेज मांगे गए तो वहां स्टॉफ नहीं दे सका। इस तरह दोनों हॉस्पिटल ने नर्सिंग होम एक्ट का उल्लंघन किया। इसको लेकर उन्हें तत्काल बंद करने का निर्देश दिए गए।

नर्सिंग होम एक्ट की टीम जब कोहका रोड स्थित केयर हॉस्पिटल पहुंची तो पाया कि वहां मरीजों को वार्ड तक लाने ले जाने के लिए रैंप की सुविधा नहीं है। पोटिया चौक आदर्शनगर दुर्ग स्थित जैमिनी हॉस्पिटल पहुंची तो वहां भारी अव्यवस्था देखने को मिली। वहां मेल-फीमेल वार्ड पूरी तरह से अव्यवस्थित पाया गया। फीमेल वार्ड में पुरुष मरीज को भर्ती पाया गया। इसके साथ ही आयुष्मान एवं अन्य सुविधाओं की कमियां पाई गईं।

नर्सिंग होम एक्ट की टीम जब कोहका रोड स्थित केयर हॉस्पिटल पहुंची तो पाया कि वहां मरीजों को वार्ड तक लाने ले जाने के लिए रैंप की सुविधा नहीं है।

ट्रम्प का दावा- कमला हैरिस की रैलियों में नकली भीड़

एआई का इस्तेमाल कर ज्यादा लोग दिखाए न्याय विभाग पर केस करेंगे पूर्व राष्ट्रपति

वाशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को दावा किया है कि पिछले हफ्ते उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की मिशिगन रैली में ज्यादा भीड़ नहीं थी। उन्होंने कहा कि रैली में ज्यादा भीड़ दिखाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया गया था।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा कि फर्जी भीड़ दिखाने के चलते हैरिस को 2024 के चुनाव के लिए अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फर्जी छवि बनाना गलत है।

कमला ने बुधवार (7 अगस्त) को मिशिगन के डेट्रॉयट में एक चुनावी रैली को संबोधित किया था। इस रैली से पहले एयरपोर्ट पर खूब भीड़ जुटी थी। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर वायरल हुई थी, जिसके बाद ट्रम्प ने कहा कि ये सब कुछ नकली है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा, "क्या किसी ने देखा कि कमला ने एयरपोर्ट पर धोखा दिया? उसने समर्थकों की एक बड़ी 'भीड़' दिखाई, लेकिन ऐसा नहीं था। वहां उनका कोई इंतजार नहीं कर रहा था।"

कमला हैरिस और टिम वाल्ज की चुनावी टीम ने सोशल मीडिया पर ट्रम्प के दावे को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मिशिगन में कमला और वॉल्ज को देखने के लिए करीब 15,000 लोग आए थे। लगता है कि ट्रम्प की एनर्जी कम हो रही है। उन्होंने पिछले एक सप्ताह से स्विंग स्टेट में कोई रैली नहीं की।

एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रम्प गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए अपने मार-ए-लागो एस्टेट में तलाशी वारंट जारी करने के लिए अमेरिकी न्याय विभाग पर 100 मिलियन डॉलर का मुकदमा करने की योजना बना रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति के मार-ए-लागो आवास पर 8 अगस्त 2022 को एफबीआई की छापे मारे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प की कानूनी टीम यह तर्क देगी कि न्याय विभाग ने जब उनकी संपत्ति की तलाशी ली तो उसका राजनीतिक उत्पीड़न करने का स्पष्ट इरादा था।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मामले में ट्रम्प की तुलना में ज्यादा लोगों को कमला हैरिस पर भरोसा है। फाइनेंशियल टाइम्स और मिशिगन यूनिवर्सिटी के सर्वेक्षण में पाया गया कि 42% मतदाता आर्थिक मुद्दों पर हैरिस पर भरोसा करते हैं, जो ट्रम्प से एक प्रतिशत अधिक है।

वहीं 41% लोगों का मानना है कि ट्रम्प अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर ला सकते हैं। चौकाने वाली बात यह है कि जुलाई में भी ट्रम्प 41% पर ही थे जबकि बाइडेन ट्रम्प से 6 अंक पीछे 35% पर थे।

हाउसिंग घोटाला केस में आईएसआई के पूर्व चीफ अरेस्ट

पाकिस्तान में ऐसा पहली बार हुआ, आर्मी ने कोर्ट मार्शल शुरू किया, इमरान के करीबी हैं

इस्लामाबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को हाउसिंग घोटाले केस में आर्मी ने 12 अगस्त को अरेस्ट कर लिया। फैज के खिलाफ यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद की गई। आर्मी ने उनका कोर्ट मार्शल शुरु कर दिया है। फैज को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का करीबी माना जाता है। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली हुआ है कि आईएसआई का पूर्व चीफ को किसी मामले में अरेस्ट किया गया है। पिछले साल 14 नवंबर को पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि फैज हमीद पर लगे आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। ये आरोप बेहद गंभीर है। कोर्ट ने कहा था कि अगर फैज दोषी साबित होते हैं, तो इससे देश की संस्थाओं की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा। फैज हमीद पाकिस्तानी आर्मी के रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल हैं। उन्होंने साल 2019 से लेकर 2021 तक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के डायरेक्टर जनरल के तौर पर भी काम किया है। फैज का जन्म पाकिस्तान के चकवाल के लतीफाल गांव में हुआ था। हमीद ने 1987 में पाकिस्तान मिलिट्री अकेडमी को ज्वॉइन किया था। उन्होंने क्योटा के कमांड एंड स्टाफ कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। इसके बाद उन्हें पाकिस्तानी आर्मी की बलूच रेजीमेंट में कमीशन किया गया था। साल 2023 में टॉप सिटी हाउसिंग के मैनेजमेंट ने फैज हमीद पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्होंने इसके मालिक मोइज खान के ऑफिस और घर पर छापेमारी की थी। इसके बाद नवंबर 2023 में इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाउसिंग सोसाइटी के मालिक को अपनी शिकायत रक्षा मंत्रायल में दर्ज कराने के लिए कहा था। इन आरोपों की जांच के लिए सेना ने अप्रैल में एक जांच कमेटी का गठन किया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इस समिति का गठन जवाबदेही तय करने के लिए किया गया था। इस कमेटी की को एक मेजर जनरल लीड कर रहे थे। पिछले साल मार्च में तत्कालीन गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा था कि फैज हमीद और उनके भाई के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने और कथित भ्रष्टाचार के मामले में जांच चल रही है। फैज हमीद पाकिस्तान की सेना में पेशावर के कोर कमांडर भी रहे हैं। उन पर रिटायरमेंट के बाद पाकिस्तानी सेना के नियमों के उल्लंघन का आरोप भी लगा है। फैज हमीद पर आईएसआई चीफ के तौर पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगा था। पूर्व आईएसआई चीफ फैज हमीद ने अल कादिर ट्रस्ट स्कैम केस में 5 अरब रुपए की रिश्वत ली थी। यह खुलासा इमरान सरकार में मंत्री रहे और उनके दोस्त फैजल वाबडा ने किया था। अल कादिर ट्रस्ट स्कैम वही केस है, जिसमें पिछले साल 9 मई को इमरान को गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद पाकिस्तान में जबरदस्त हिंसा हुई थी।

9 मई हिंसा मामले में इमरान की पत्नी बुशरा की जमानत याचिका खारिज

इस्लामाबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने 9 मई 2023 की हिंसा से जुड़े 12 मामलों में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान को कथित भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करने के दौरान यह हिंसा भड़की थी। इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) रावलपिंडी के न्यायाधीश मलिक एजाज आसिफ ने सोमवार को 49 वर्षीय बुशरा बीबी की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद कहा कि इस मामले में गहन जांच की जरूरत है और इसके बाद जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश ने मामले की जांच सात दिनों में पूरी करने का निर्देश दिया। 9 मई की हिंसा के विभिन्न मामलों में बुशरा बीबी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। इन्हीं मामलों में बुशरा बीबी ने जमानत देने की अपील की थी। बीते साल जब कथित भ्रष्टाचार के मामले में इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पीटीआई समर्थकों ने इमरान की गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी थी। इस हिंसा में देशभर में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। लाहौर में सेना के एक शीर्ष कमांडर के आवास और रावलपिंडी में सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई थी। इमरान खान (71 वर्षीय) कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद बीते एक साल से भी अधिक समय से जेल में बंद हैं। बुशरा बीबी भी उनके साथ जेल में बंद हैं।

शेख हसीना के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

सड़क परिवहन मंत्रालय में तोड़फोड़, आगजनी

ढाका, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और छह अन्य के खिलाफ पिछले महीने हुईं हिंसक झड़पों के दौरान एक व्यक्ति की मौत को लेकर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार को मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। बांग्लादेश में हिंसा और सरकार गिरने के बाद से शेख हसीना के खिलाफ यह पहला मामला दर्ज किया गया है। बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, यह मामला किराने की दुकान के मालिक अबू सईद के शुभचिंतकों ने दर्ज कराया है, जिनकी 19 जुलाई को पुलिस की गोलीबारी में मौत हो गई थी।

शेख हसीना के खिलाफ जो मामला दर्ज किया गया है, उसमें आवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून का नाम भी शामिल है। इनके अलावा कई शीर्ष पुलिस अधिकारियों और अन्य अधिकारियों को भी आरोपी बनाया गया है। वहीं बीएनपी ने अंतरिम सरकार से अपील की है कि खालिदा जिया और उनके बेटे तारिक रहमान के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस ले लिए जाएं। बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया को बीते दिनों ही जेल से रिहा कर दिया गया है। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद भी हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा हिंसा में प्रदर्शनकारियों ने राजधानी ढाका में स्थित सेतु भवन को निशाना बनाया है। सेतु भवन में बांग्लादेश के सड़क, परिवहन और पुल विभाग का कार्यालय है। प्रदर्शनकारियों ने सेतु भवन पर पथराव कर तोड़फोड़ की और वहां खड़े कई वाहनों में आग लगा दी। बांग्लादेश में नौकरी में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। बाद में ये विरोध प्रदर्शन शेख हसीना के इस्तीफे की मांग पर फोकस हो गए।

इस दौरान बांग्लादेश में जमकर हिंसा हुई, जिसके चलते शेख हसीना ने पीएम पद से इस्तीफा दिया और देश छोड़कर निकल गईं। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद भी बांग्लादेश में हिंसा में 230 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और अब तक मृतकों की संख्या 560 हो गई है। फिलहाल बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार गठित की गई है।

भारत की आसमानी ताकत देख टेंशन में आया पाकिस्तान

एस-400 से संभल कर रहने की चेतावनी, गौरी, शाहीन हवा में हो जाएंगे ढेर

इस्लामाबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के थिंकटैंक इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज में भारत की बढ़ती मिसाइल क्षमताओं को लेकर चिंता जताई है। इसमें कहा गया है कि ये क्षेत्रीय स्थिरता और पाकिस्तान की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि पाकिस्तान और चीन के साथ सीमा पर भारत की ओर से एस-400 की तैनाती चिंता की बात है। इसमें कहा गया है कि एस-400 पाकिस्तान के 600 किमी अंदर तक की वस्तुओं को पता लगाने की क्षमता रखता है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा बढ़ानी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की ओर से लंबी दूरी वाले उन्नत रडार का डेवलपमेंट स्थिति को पाकिस्तान के लिए और भी गंभीर बना रहा है। यह पाकिस्तान की गौरी और शाहीन मिसाइलों का पता लगा सकते हैं। रिपोर्ट में एस-400 को लेकर चिंता जताते हुए कहा गया, 'हाल ही में, भारतीय वायु सेना ने रूसी एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली रक्षा प्रणाली का परीक्षण करने के लिए एक सैन्य अभ्यास किया, जिसमें दुश्मन के 80 फीसदी लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया और बाकी को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया गया।' रिपोर्ट में कहा गया कि रूस का एस-400 एक उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) है। साथ ही चिंता जताई गई कि भारत इसी तरह का स्वदेशी मिसाइल डिफेंस सिस्टम बना रहा है। रिपोर्ट में हालांकि इस बात पर जोर दिया गया है कि कोई भी मिसाइल रक्षा प्रणाली अचूक नहीं है, लेकिन ऐसी प्रणाली का होना सुरक्षा की भावना पैदा करता है, जिससे भारत अधिक आक्रामक रुख अपना सकता है। इससे परमाणु संघर्ष का खतरा बढ़ने की चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि भारत हमला करने वाली हाइपरसोनिक मिसाइलों का भी निर्माण कर रहा है, जो पारंपरिक और परमाणु दोनों हथियारों को ले जाने में सक्षम होंगी। इससे भारत की सटीक हमला करने की क्षमताओं में वृद्धि होगी और पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा करना मुश्किल हो जाएगा। भारत की बढ़ती ताकत से मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को अपनी टेक्नोलॉजी में विविधता लाने, मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदने के लिए उन्नत तकनीक विकसित करने की बात कही गई है।

ट्रंप सरकार में एलन मस्क को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

ताजा इंटरव्यू से सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू

वॉशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप का मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के साथ एक इंटरव्यू प्रसारित हुआ है। इस इंटरव्यू के बाद इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि अगर राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिलती है तो उसमें एलन मस्क को कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इस इंटरव्यू में मस्क और ट्रंप के बीच अवैध प्रवासियों, तीसरे विश्व युद्ध, ट्रंप पर हुए हमले आदि मुद्दों पर बातचीत हुई।

दरअसल इंटरव्यू के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मेरी इच्छा है कि सरकारी खर्च का प्रबंधन करने में वह सरकार की मदद करें। मुझे लगता है कि सरकार एक आयोग बनाए, जो करदाताओं के पैसों के सही खर्च का ध्यान रखे। मुझे ऐसे किसी आयोग की मदद करने में बहुत खुशी होगी।' मस्क के बयान पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'इस प्रस्ताव पर विचार करके उन्हें खुशी होगी।' इस चर्चा के बाद सोशल मीडिया पर ये चर्चा शुरू हो गई कि अगर ट्रंप सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार में एलन मस्क को अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। मस्क, डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक माने जाते हैं और मई में भी अमेरिकी मीडिया में अफवाहें थीं कि अगर ट्रंप चुनाव जीतते हैं तो वे एलन मस्क को सलाहकार बनाया जा सकता है। अब दोनों लोगों की ताजा बातचीत से उन चर्चाओं को और बल मिला है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, 'ऐसा लगता है कि मस्क अपनी नौकरी के लिए साक्षात्कार दे रहे हैं।' एक और यूजर ने चुटकी लेते हुए कहा, 'भूमिका पाने का यह कितना बढ़िया तरीका है, मस्क वास्तव में एक ट्रेंडसेटर हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि 'इस आदमी की आईक्यू इतनी शानदार है कि मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता।'

बातचीत के दौरान दोनों के बीच परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि अक्सर परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने के तरीके को अनदेखा किया जाता है और अतीत में हुईं कुछ घटनाओं से इसका नाम खराब हुआ है। हमें परमाणु ऊर्जा को अच्छा नाम देना होगा। इस दौरान ट्रंप ने मस्क से कहा कि हम इसका नाम आपके नाम पर रखेंगे या कुछ और। ट्रंप के इस बयान से भी लगा कि ट्रंप भी सत्ता में आने पर मस्क को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं।

कमला हैरिस और उपराष्ट्रपति पद के दावेदार वाल्ज की प्रचार अभियान टीम ने अपने समर्थकों को एक ईमेल भेजकर ट्रंप और मस्क पर निशाना साधा।। इस ईमेल में लिखा गया है कि 'दो सबसे बुरे लोग, जिन्हें आप जानते हैं, वे आज शाम लाइव हैं। ईमेल में लिखा गया कि मस्क, ट्रंप के प्रचार अभियान के लिए लाखों डॉलर दान दे रहे हैं और साथ ही अपने सोशल मीडिया मंच एक्स का भी ट्रंप के फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।'

बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर यूनुस ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे

कहा-लोकतंत्र में कोई हिंदू-मुस्लिम नहीं, हसीना के इस्तीफे के बाद 52 जिलों में हिंदुओं पर 205 हमले

ढाका, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस मंगलवार को राजधानी ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर यूनुस ने बांग्लादेश पूजा-उदयापन परिषद और महानगर सर्वजन पूजा समिति के प्रमुख लोगों, मंदिर के मैनेजमेंट बोर्ड और भक्तों से मुलाकात की।

दरअसल बांग्लादेश में हिंसा के बीच हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले के अब तक 205 मामले सामने आ चुके हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की वजह से बांग्लादेश के अलावा भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में भी प्रदर्शन हुए हैं। ऐसे में मोहम्मद यूनुस का ये कदम हिंदू समुदाय के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील के तौर पर देखा जा रहा है। लोगों से बातचीत के दौरान यूनुस ने कहा कि हम सभी एक है और सभी के लिए अधिकार समान है। यूनुस ने लोगों से पहले उन्हें काम करने का मौका देने और उसके बाद उसे जज करने की बात कही। बांग्लादेश छोड़कर भारत आईं शेख हसीना पर एक दुकानदार की हत्या के आरोपों को लेकर आज सुनवाई होने वाली है। दरअसल, पिछले महीने 19 जुलाई को आरक्षण पर जारी हिंसा के बीच ढाका के मोहम्मदपुर में एक किराना दुकानदार अबु सईद की पुलिस गोलीबारी में मौत हो गई थी। इसी मामले में पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और अन्य 6 लोगों को आरोपी बनाया गया।

बांग्ला अखबार द डेली स्टार के मुताबिक मोहम्मदपुर के रहने वाले आमिर हमजा शातिल ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में शेख हसीना और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। ये शिकायत कब दर्ज कराई गई इसके बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

शेख हसीना के अलावा अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर, तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून, पूर्व डीबी प्रमुख हारुन रशीद, पूर्व डीएमपी आयुक्त हबीबुर रहमान और पूर्व डीएमपी संयुक्त आयुक्त बिप्लब कुमार सरकार को भी आरोपी बनाया गया है।

शिकायत करने वाले शातिल ने बताया कि पीड़ित से उनका कोई करीबी रिश्ता नहीं था; लेकिन एक मासूम बांग्लादेशी नागरिक की मौत हुई है, इसके चलते उन्हें खुद अपनी इच्छा से मामला दर्ज कराया। शिकायत में शातिल ने बताया कि अबू सईद की हत्या उस समय हुई जब पुलिस आरक्षण विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर अंधाधुंध गोलियां चला रही थी। बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ की गोली से एक युवक की मौत हो गई। ये घटना सोमवार देर रात हुई। मारे गए तस्कर की पहचान बांग्लादेश के चपैनवाबगंज जिले के ऋषिपारा गांव के अब्दुल्ला के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि कुछ बदमाशों ने जवानों पर हमला किया था, जिसके बाद बीएसएफ कर्मियों को आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी। बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के महानिदेशक और प्रवक्ता एके आर्य ने कहा कि अंधेरे में जवान ने रात में देखने वाली दूरबीन (पीएनवीबी) से 5-6 लोगों को भारत से बांग्लादेश की ओर बढ़ते देखा। उनके पास हथियार थे।

जवान उन्हें रोकने आगे बढ़े ही थे कि बदमाशों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

91 साल की उम्र में छठी शादी

किम कार्दशियन से डेट, मशहूर प्लेबॉय अरबपति रिचर्ड लुगनर का निधन

विएना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रिया के मशहूर कारोबारी रिचर्ड लुगनर का निधन हो गया है। 91 साल की उम्र में दुनिया छोड़ने वाले रिचर्ड की पहचान एक अरबपति होने के साथ-साथ प्लेबॉय की थी। उन्होंने छह शादियां की थीं और किम कार्दशियन समेत कई मशहूर सेलेब्रिटी के साथ भी उनका नाम जुड़ा। रिचर्ड ने छठी शादी करीब दो महीने पहले ही की थी। रिचर्ड लुगनर को सोमवार को वियना के डोबलिंग स्थित उनके विला में मृत घोषित कर दिया गया। वह बीते कुछ समय से बीमार चल रहे थे और कई बार उनको अस्पताल में भी एडमिट कराया गया था। 1990 में वियना में अपना पहला मॉल 'लुगनर सिटी' खोलने से पहले लुगनर को कंस्ट्रक्शन बिजनेस के बड़े खिलाड़ी के रूप में जाना जाता था। इसके बाद वह मॉल की दुनिया के भी बादशाह बन गए। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, लुगनर ने दो महीने, जून में अपने से 49 साल छोटी 42 वर्ष की सिमोन रेलेंडर से शादी की थी। शादी के समय वह ठीक दिख रहे थे लेकिन इसके बाद उनको पीठ दर्द और थकावट की शिकायत शुरू हो गई। इस वीकएंड उनकी समस्या ज्यादा बढ़ गई थी।

भारत ने फिर उठाई सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग

कहा- जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहा यूएनएससी

वॉशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग कर रहा है। अब एक बार फिर भारत ने मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा काउंसिल (यूएनएससी) में बदलाव की मांग की है और कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में जब दुनियाभर में संघर्ष बढ़ रहे हैं, उनमें यूएनएससी पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में असमर्थ साबित हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक उच्चस्तरीय परिचर्चा में जी4 देशों-ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से बयान देते हुए भारतीय राजदूत ने ये बात कही। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत आर. रविंद्र ने कहा कि 'हाल ही में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं ने स्पष्ट रूप से दिखाया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की रक्षा करने की अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ है। जबकि इस वक्त दुनिया को इसकी सबसे अधिक जरूरत है। 1945 में जब परिषद की स्थापना की गई थी, इसमें बदलाव की जरूरत हर जगह महसूस की जा रही है। हम आश्वस्त हैं कि स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में अफ्रीकी प्रतिनिधित्व अनिवार्य रूप से होना चाहिए। हम जी4 देशों के सदस्य के रूप में, अफ्रीका के लोगों की इन वैध मांगों और आकांक्षाओं का पूरी तरह से समर्थन करना जारी रखते हैं। अफ्रीका के साथ जी4 का संबंध विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित है और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि अफ्रीका को सुधारित बहुपक्षवाद के नए युग में अपना सही स्थान मिले।'

उन्होंने कहा कि जी4 देशों के लिए यूएनएससी के सही से काम नहीं करने की प्राथमिक वजह अफ्रीका, लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों को प्रतिनिधित्व नहीं देना तथा स्थायी श्रेणी में एशिया प्रशांत क्षेत्र को उचित प्रतिनिधित्व नहीं देना हैं।

बीते दिनों भी भारत ने यह मुद्दा उठाया था। उस वक्त संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत आर. रवींद्र ने सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा था कि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नाकाम रहने का प्रमुख कारण इसका अभी भी 1945 के पुराने नजरिये में फंसा होना है। यह सुरक्षा परिषद की संरचना में साफ दिखता है।

सुधारों पर समयबद्ध बातचीत का आह्वान करते हुए, रवींद्र ने कहा, बड़े देशों या समूहों द्वारा अपने संकीर्ण हित में बातचीत प्रक्रियाओं को बाधित किया जा रहा है। यह बहुपक्षीय भावना के लिए हानिकारक है और जहां भी जरूरी हो, इसका विरोध होना चाहिए।

शेख हसीना देश से बाहर

बड़े नेता अंडरग्राउंड, खतरे के बावजूद मुजीबुर्हमान पर झुकने को राजी नहीं अवामी लीग, बनाया प्लान

ढाका, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग के नेता लगातार भीड़ के निशाने पर हैं। बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर्रहमान से जुड़ी पहचान पर भी हमले हुए हैं। मुजीब की मूर्तियों को कई जगहों पर भीड़ ने गिराया है। इस सबके बीच अवामी लीग बड़ी तैयारी कर रही है। अवामी लीग 15 अगस्त को बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की 49वीं बरसी पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कार्यक्रम करने की तैयारी में है। हालांकि ये आसान नहीं होने जा रहा है क्योंकि अवामी लीग की अध्यक्ष और देश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना देश छोड़ चुकी हैं और पार्टी के ज्यादातर नेता इस समय अंडरग्राउंड हैं। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त को शेख मुजीब को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम के लिए अवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता बाहर निकलने की योजना बना रहे हैं। अवामी लीग के जमीनी स्तर के नेता और कार्यकर्ता 15 अगस्त को धनमंडी रोड नंबर 32 पर बंगबंधु भवन में इकट्ठा होने की तैयारी कर रहे हैं। वे तुंगीपारा में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की समाधि के पास बने कब्रिस्तान में भी श्रद्धांजलि अर्पित करने की योजना बना रहे हैं। रविवार रात को शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय ने भी अवामी लीग कार्यकर्ताओं से बंगबंधु को भी शेख मुजीब की पुण्यतिथि पर धनमंडी 32 में जुटने का आग्रह किया।

किरोड़ी लाल के इस्तीफे को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिया बयान

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे चुके डॉ. किरोड़ीलाल मीना को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान की 7 में से 4 सीटों पर हार होने के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया था। जिसे लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'उनके इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया है और स्वीकार करेंगे भी नहीं।'

राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि 'मेरी डॉ. किरोड़ीलाल मीणा से बातचीत हुई है और मुझे विश्वास है कि वो फिर से साथ में जुड़ेंगे। किरोड़ीलाल मीणा हमारे वरिष्ठ और अनुशासित कार्यकर्ता हैं, भावनात्मक होकर उन्होंने इस्तीफा दिया है।हमने उनके इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया है और स्वीकार करेंगे भी नहीं। उन्होंने फील्ड में काम संभाल लिया है, मीना प्रधानमंत्री को मजबूत करेंगे।'

गहलोत ने साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर सोशल मीडिया के माध्यम से निशाना साधा। उन्होंने पोस्ट कर लिखा कि 'प्रदेशभर में भारी बारिश एवं इससे संबंधित दुर्घटनाओं के कारण 25 से अधिक जानें जा चुकी हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी आपदा की स्थिति में राज्य के आपदा राहत मंत्री के बारे में जनता को यह नहीं पता कि वो पद पर हैं या उनका इस्तीफा स्वीकार हो गया है।'

उन्होने आगे लिखा कि 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए जिससे उचित मॉनिटरिंग एवं राहत बचाव कार्यों के लिए निर्देशन मिल सकें। विकट परिस्थितियों में ऐसी असमंजस की स्थिति राज्य की जनता के साथ छलावे जैसा है।' यूं छोड़ा मंत्री पद

गौरतलब है कि राजस्थान के पूर्व कृषि और आपदा मंत्री किरोड़ी लाल मीना ने 4 जुलाई को मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। वहीं, इससे पहले उन्होंने सरकारी गाड़ी और विभाग जाना बंद कर दिया था। जिसकी बड़ी वजह यह रही कि पूर्वी राजस्थान में भाजपा 7 में से 4 सीटें हार गई थी। जिसकी जिम्मेदारी लेते हुए मीना ने इस्तीफा सौंप दिया। जिसकी चर्चा हाल ही में उन्होंने आदिवासी दिवस के मौके पर मीना हाईकोर्ट में की थी।

एक साथ 10 हिरणों का शिकार, रस्सियों से बांध रखे थे बेजुबानों के पैर; ग्रामीणों का दूसरे दिन भी धरना जारी

बाड़मेर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले के चौहटन थाना क्षेत्र में लीलसर ग्राम पंचायत के शेरपुरा गांव की सरहद में एक साथ दस हिरणों के शिकार का मामला सामने आने के बाद समूचे इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे पेड़ों के नीचे दस हिरण मृत मिले। उनके पैर रस्सियों से बंधे थे। आशंका जताई जा रही है कि उन्हें बांधकर उन पर लठ्ठ या सरिये से वार कर मारा गया है। घटनास्थल पर वाहन के आने-जाने के भी निशान मिले हैं। इस घटना को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों का दूसरे दिन भी लगातार धरना जारी है।

सूचना मिलने पर चौहटन पुलिस उप अधीक्षक कृतिका यादव ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। बाड़मेर से वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शिकारियों के संबंध में छानबीन कर उन्हें जल्द पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन देकर लोगों को शांत करने के प्रयास किए। वहीं, पुलिस ने शिकारियों की तलाश में दो टीमें बनाई हैं।

अंतिम संस्कार नहीं करने की जिद पर अड़े रहे ग्रामीण

सवेरे राह चलते लोगों ने जब मृत हरिणों को देखा तो उन्होंने ग्रामीणों व लीलसर मठ के महंत मोटनाथ को घटना की जानकारी दी। महंत के नेतृत्व में लोगों ने मौके पर पहुंच घटना की निंदा की तथा छानबीन कर शिकारियों का पता लगाकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

यहां चौहटन, धोरीमन्ना, सेड़वा, सांचौर, बाड़मेर आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचने से यहां भीड़ जमा हो गई। वन्य जीव प्रेमियों ने वन विभाग, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के सामने रोष जताया। अधिकारियों की समझाइश के बावजूद लोग शिकारियों की गिरफ्तारी नहीं होने तक हिरणों का अंतिम संस्कार नहीं करने की जिद पर अड़े थे।

मामले की वन मंत्री को दी जानकारी

श्री जभेश्वर पर्यावरण एवं जीव रक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल आरवा ने वन मंत्री संजय शर्मा को शिकार प्रकरण की जानकारी दी। शिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करवाने का आग्रह किया।

धरने पर लीलसर जसनाथ मठ के महंत मोटनाथ, लीलसर सरपंच हीरालाल मूढण माजूद वन्य जीव रक्षा एवं पर्यावरण प्रेमी जगदीश ढाका, रामसिंह बिश्नोई धोरीमन्ना, विश्नोई समाज चौहटन के अध्यक्ष रामजीवन जांगू, उपरला के सरपंच पांचाराम विश्नोई, समाजसेवी जयराम बिश्नोई, किशन भादू सहित लीलसर व आसपास के गांवों के लोग मौजूद थे।

छात्रसंघ चुनावों पर प्रेमचंद बैरवा का बड़ा बयान

फिलहाल चुनाव कराना सरकार की प्राथमिकता नहीं

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छात्र संघ चुनावों पर दो साल से लगी रोक हटाने को लेकर प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटी के छात्र लगातार चुनाव कराए जाने को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने रींगस में मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि छात्रसंघ चुनाव अभी हमारी प्राथमिकता नहीं है।

गौरतलब है कि छात्रसंघ चुनावों को लेकर छात्र लगातार प्रदर्शन करते हुए सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि सरकार ने छात्रसंघ चुनाव का वादा किया था लेकिन अब इसे कराने के पक्ष में नहीं है। कुछ यूनिवर्सिटी के कुलपति भी छात्रसंघ चुनाव करवाने को लेकर छात्रों के पक्ष में हैं।

एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रींगस के सिद्ध पीठ भैरूबाबा मंदिर पहुंचे उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा से मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुवालाल गुर्जर और फूलचंद गुर्जर ने विधिवत भैरूजी महाराज की पूजा-अर्चना करवाई। इसके बाद बैरवा ने रींगस में नवनिर्मित वेदांता फाउंडेशन मुंबई द्वारा नवनिर्मित बालिका छात्रावास भवन का लोकार्पण किया।

यहां मीडिया के साथ बातचीत के दौरान छात्रसंघ को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि फिलहाल यह सरकार की प्राथमिकता नहीं है।

गौरतलब है कि प्रदेश के छात्र ही नहीं कई बड़े नेताओं भी चुनाव करवाने के पक्ष में अपनी राय जाहिर कर चुके हैं।

स्वदेशी एंटी-टैंक मिसाइल का सफल परीक्षण, पलभर में टारगेट को बर्बाद कर देगा

जैसलमेर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने मंगलवार को स्वदेशी रूप से विकसित मैन पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपी-एटीजीएम) का सफल परीक्षण किया। डीआरडीओ के अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण राजस्थान के जैसलमेर स्थित एक फील्ड फायरिंग रेंज में हुआ। इस मिसाइल को आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। यह कहीं से भी दुश्मन के टैंक को निशाना बनाने में सक्षम है। एमपीएटीजीएम निशाना लगाने के साथ अग्नि नियंत्रण वाली प्रणाली है। यह दिन और रात, दोनों समय अभियान के लिए उपयुक्त है। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इसके टेंडेम वारहेड सिस्टम का ट्रायल पूरा हो चुका है। इसे आधुनिक कवच-संरक्षित टैंक को हराने में सक्षम पाया गया। इससे पहले भी इस प्रणाली का विभिन्न क्षेत्रों में परीक्षण किया गया था। सूत्रों के अनुसार इस स्वदेशी एंटी-टैंक मिसाइल में टैंडम हाई एक्सप्लोसिव एंटी-टैंक हथियार लगा है, जो अत्याधुनिक एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर कवच वाले बख्तरबंद वाहनों को छेद सकता है। ऐसे में युद्ध के दौरान कोई टैंक या बख्तरबंद वाहन इससे बच नहीं सकता है। मैन पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम में मिसाइल, लॉन्चर, टारगेट एक्विजिशन सिस्टम और एक फायर कंट्रोल यूनिट शामिल है। DRDO के अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में वारहेड फ्लाइट ट्रायल सफलतापूर्वक किए गए हैं और मिसाइल का प्रदर्शन और वारहेड का प्रदर्शन "उल्लेखनीय" पाया गया है।

एसआई पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। एसआई भर्ती 2021 पेपर पेपर लीक के मामले में गिरफ्तार 11 ट्रेनी एसआई की जमानत याचिका खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपियों का अपराध एक व्यक्ति विशेष के खिलाफ न होकर पूरे समाज के खिलाफ है, इन्होंने लाखों प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों की भावनाओं के साथ खेला है, ऐसे में उन्हें किसी तरह की राहत नहीं दी जा सकती। आरोपी सुभाष बिश्नोई और अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस पंकज मित्तल की खंडपीठ ने यह आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय देते हुए कहा कि एसओजी आरोपियों को पूछताछ के लिए लाई थी, उसके बाद पर्याप्त सबूत होने पर ही इन्हें गिरफ्तार करके 24 घंटे में आरोपियों को कोर्ट में पेश भी कर दिया। पुलिस ने कानून का उल्लंघन नहीं किया है। गौरतलब है कि आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया था। इसके पहले हाईकोर्ट ने भी 8 मई को आरोपियों की जमानत रद्द कर दी थी। मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कहा कि आरोपियों ने केवल कानूनी परिणामों से बचने के लिए यह कदम उठाया। मामले में चालान पहले ही पेश हो चुका है, आरोपी ट्रायल से बचना चाहते हैं।

ज्ञात रहे कि एसओजी ने 2 अप्रैल को राजस्थान पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग ले रहे एसआई अभ्यर्थियों से तीन घंटे तक पूछताछ करने के बाद 15 ट्रेनी एसआई को डिटेन किया था, इनमें 2 महिला और 13 पुरुष सब इंस्पेक्टर थे। पूछताछ के बाद 3 अप्रैल को 11 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया गया था।

80 हजार की रिश्वत के साथ हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

नागौर13 अगस्त (एजेंसियां)। आरोप है कि हेड कांस्टेबल जालम सिंह ने सदर थाने के एक मुकदमे में परिवादी को दुष्कर्म के मामले में आरोपी नहीं बनाने की एवज में 2 लाख रुपये मांगे, फिर एक लाख में बात तय हुई। मामले में थाने के सीआई अजय कुमार और रीडर महादेव तांडी की भूमिका संदिग्ध है। नागौर एसीबी की टीम ने सदर थाने के हेड कांस्टेबल जालम सिंह को एसीबी की टीम ने देर शाम को 80 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। परिवादी की रिपोर्ट पर एसीबी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्पना सोलंकी ने कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल जालम सिंह को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। मामले में थाने के सीआई अजय कुमार और रीडर महादेव तांडी की भूमिका संदिग्ध है,

प्रदेश के स्कूलों में मोबाइल नहीं होगा बैन

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों मोबाइल फोन ले जाने पर बैन नहीं होगा। शिक्षा विभाग की ओर से इस मामले में स्पष्टिकरण मंगलवार को जारी कर दिया जाएगा।

डिजिटल शिक्षा की अनिवार्यता को देखते हुए यह निर्णय किया गया है कि शिक्षक स्कूलों में मोबाइल फोन ले जा सकेंगे। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि कक्षा लेते वक्त मोबाइल की घंटी बजने से शिक्षा बाधित होती है। इसे देखते हुए कक्षा में पढ़ाते वक्त शिक्षकों को मोबाइल फोन स्विच ऑफ रखना होगा।

गौरतलब है कि पिछले दिनों शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बयान दिया था कि, ₹अब सरकारी स्कूलों में मोबाइल पूरी तरह से बैन किया जाएगा, क्योंकि स्कूलों में टीचर पूरे दिन मोबाइल पर शेयर मार्केट और ना जाने क्या-क्या देखते रहते हैं। इसके बाद एक जुलाई से शिक्षकों के स्कूलों में मोबाइल फोन ले जाने पर रोक लगा दी गई थी।

दिलावर के मुताबिक इससे टीचर बार-बार अपना मोबाइल फोन चेक करने की जगह पढ़ाने पर फोकस करेंगे।मंत्री ने अपने बयान में कहा था कि शिक्षा विभाग पिछले आदेशों को लागू करने का प्रयास कर रहा है और स्कूलों में माहौल सुधारने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि कोई भी शिक्षक प्रार्थना के बहाने स्कूल छोड़कर न जाये। उन्होंने कहा, 'स्कूल के अंदर कोई भी शिक्षक नहीं ले जाएगा। अगर वे गलती से भी ले जाते हैं तो उन्हें इसे प्रिंसिपल के पास जमा कराना होगा।

16 जिलों में झमाझम बारिश का अलर्ट

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर समेत टोंक, दौसा, बूंदी, अलवर, करौली और सवाई माधोपुर जिले में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा। वहीं आज भी मौसम केंद्र ने जयपुर और टोंक जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश की आशंका को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि 16 जिलों में आज हल्की से मध्यम बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

पिछले चौबीस घंटे में राजधानी जयपुर में जमकर मेघ बरसे। जयपुर जिले में सांगानेर में सर्वाधिक 152 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं जयपुर सिंचाई 64.5, जयपुर शहर 48, आमेर 23, माधोराजपुरा 136, तुंगा 95, कालवाड़ 87, चाकसू 75, किशनगढ़ रेनवाल 47 और जोबनेर में 58 मिमी पानी बरसा।

टोंक जिले में माशी टैंक 171, दूनी 170, निवाई 164, मोतीसागर 110, उनियारा 73 और अलीगढ़ में 71 मिमी बारिश दर्ज हुई। दौसा जिले के महवा में सर्वाधिक 163 मिमी पानी बरसा। जिले के निर्झरना 74, सैंथल 61,दौसा लॉन 56, लालसोट 57, नांगल राजावतान 56 और मंडावर में 55 मिमी बारिश हुई।

अलवर शहर में 55, अलवर सिंचाई 70, मालाखेड़ा 92, सिलीसेढ़ 62 और राजगढ़ में 48 मिमी बारिश दर्ज हुई। भरतपुर जिले के हिंगोटा में 85 मिमी बारिश हुई। बूंदी जिले के नैनवां में 161 मिमी बारिश मापी गई। गंगापुर सिटी के टोडाभीम में 76, करौली जिले के पांचना बांध पर 100 मिमी बारिश दर्ज हुई। सवाई माधोपुर 66, पांचोलास 95, और ढील बांध पर 65 मिमी पानी बरसा।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम केंद्र ने आज जयपुर और टोंक जिले में कहीं कहीं भारी बारिश होने की आशंका जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। नागौर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर ,धौलपुर, करौली, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़ जिले में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश की संभावना के चलते यलो अलर्ट जारी किया है।

पत्नी पर एसिड अटैक करके भागा आरोपी पुलिस हिरासत में

उदयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अपनी ही पत्नी पर एक साल पहले एसिड अटैक कर फरार बदमाश के अपराध करने का सिलसिला बाद में भी जारी रहा और वह लूट और चोरी जैसी वारदातों में लिप्त रहा। आखिर अब जाकर उदयपुर की धानमंडी पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार किया है। पत्नी पर एसिड अटैक करने वाले इनामी आरोपी मोहित रोहिडा को मध्यप्रदेश की इंदौर जेल से प्रोडक्शन वारंट से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को डेढ़ महीने पहले इंदौर पुलिस ने लूट के मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा था।

पुलिस के अनुसार पिछले साल 4 जून को आरोपी रोहित ने उदयपुर के बाजार मालदास स्ट्रीट में खरीददारी कर रही अपनी पत्नी पर तेजाब फेंक दिया था। पति की हरकत से पत्नी का मुंह और शरीर के कई हिस्से झुलस गए थे। घटना के बाद आरोपी पति फरार हो गया। इस पर एसपी योगेश गोयल ने उस पर 25000 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

एएसपी उमेश ओझा ने बताया कि आरोपी इंदौर में छिपा हुआ था और वहां भी अपराध कर रहा था। उसने बीती 10 जून को इंदौर के भंवरकुआं थाना इलाके में 56 साल की महिला के साथ लूट की वारदात की थी। इसके बाद वह मौज-मस्ती करने मनाली चला गया और जब वापस इंदौर आया तो पुलिस ने उसे रेलवे स्टेशन पर ही धरदबोचा और जेल भेज दिया। उदयपुर पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद इंदौर पुलिस से संपर्क किया गया और प्रोडक्शन वारंट के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर उदयपुर लाया गया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

हनुमान बेनीवाल को डीएमके पार्टी से सांसद कनिमोझी ने पहनाई नोटों की माला

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हनुमान बेनीवाल की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। फोटो में वे नोटों की माला पहने दिख रहे हैं और इस दौरान कई लोग उनसे हाथ मिला रहे हैं। दरअसल बेनीवाल का चेन्नई में प्रवासी राजस्थानियों ने स्वागत किया और उनको ये माला पहनाई। वे एक सामाजिक समारोह में शामिल होने के लिए चेन्नई गए थे, इस दौरान कुछ दिन वहीं ठहरे थे।

दरअसल चेन्नई यात्रा के दौरान बेनीवाल ने डीएमके पार्टी से सांसद कनिमोझी से भी उनके घर मुलाकात की और राजनीति को लेकर चर्चा की। बेनीवाल ने अपनी फेसबुक आईडी पर लिखा कि राजस्थान के प्रवासी बंधुओ के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। बेनीवाल ग्यारह और बारह अगस्त को चेन्नई दौरे पर थे। वहां समाजिक समारोह में शामिल होने के बाद कई नेताओं और प्रवासियों से मुलाकात का शेड्यूल रहा। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दिल्ली में ही बेनीवाल और भारतीय आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत ने भी मुलाकात की थी। दिल्ली में हुई यह मुलाकात काफी सुर्खियों में रही थी। राजकुमार रोत राजस्थान सरकार से भील – आदिवासियों के लिए अलग से भील प्रदेश की मांग कर रहे हैं। इस मांग को लेकर रोत की पार्टी के विधायकों ने राजस्थान विधानसभा में भी अपना पक्ष रखा था। हांलाकि सरकार ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया था। दोनो ही नेता आने वाले उपचुनाव में बड़े धमाके की तैयारी में हैं।

ब्लाइंड मर्डर का हुआ खुलासा, दोस्त ने पत्थर से सिर फोड़कर ले ली थी जान

कोटा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कोटा के सातलखेड़ी कस्बे में शनिवार रात राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास हुए ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने आरोपी मित्र को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। सुकेत थानाधिकारी रघुवीरसिंह ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस को अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना मिली। प्रथम दृष्टया युवक की पत्थरों से कुचलकर हत्या करना प्रतीत हो रहा था। मृतक के भाई पवन मीणा और परिजनों ने मृतक की पहचान मनीष मीणा पुत्र चतुर्भुज निवासी मंडा के तौर पर की। घटना स्थल पर मनीष का शव पत्थरों से कुचला हुआ था।

पवन ने बताया कि मनीष रामगंजमंडी में कोरियर में डिलेवरी बॉय के रूप में काम करता था। वह शनिवार सुबह आठ बजे मोटर साइकिल लेकर घर से निकला था जो शाम को घर नहीं लौटा। पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविंद्रसिंह के सुपरविजन में वृताधिकारी नरेंद्र पारीक के नेतृत्व में थानाधिकारी सुकेत रघुवीरसिंह और सहायक उप निरीक्षक साइबर सेल महेंद्रसिंह हाडा को शामिल कर विशेष टीम का गठन किया। घटनास्थल पर डॉग स्क्वायड, एफएसएल टीम व साइबर सेल टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए। गठित विशेष टीम ने गहनता से विश्लेषण परीक्षण किया।

जिसमें मृतक के शराब पार्टी के मित्रों की संलिप्तता पाई गई। जिसके आधार पर शक की सुई मृतक के पीपाखेडी निवासी मित्र महावीरसिंह राजपूत पर ठहर गई। सायबर सेल व गठित टीम ने महावीरसिंह को नेशनल हाईवे 52 पर डिटेन किया। पूछताछ करने पर शराब के नशे में हुए झगड़े में पत्थरों से कुचल कर हत्या करना स्वीकार कर लिया। मनीष शराब पीने का शौकीन था तथा आए दिन किसी न किसी के साथ शराब पार्टी करता था। शनिवार को मनीष को महावीरसिंह मिला। दोनों ने रामगंजमंडी से शराब खरीदी और सातलखेड़ी आ गए। जहां राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास सुनसान जगह पर शराब पीने लगे। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हो गया। आरोपी महावीरसिंह आवेश में आ गया और उसने पत्थरों से कुचल कर मनीष की हत्या कर दी। मृतक के मोबाइल और मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। जहां से मध्यप्रदेश भागने की फिराक में था।

किशन रेड्डी ने शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना में शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा के लिए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकारों की लापरवाही तेलंगाना शिक्षा प्रणाली के लिए अभिशाप बन गई है। हाल ही में घोषित राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग ढांचे में राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों का प्रदर्शन पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार की लापरवाही को दर्शाता है। इसी तरह, हाल ही में जारी संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चलता है कि तेलंगाना में सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन भी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों पार्टियां, जो वोट बैंक की राजनीति में लिप्त हैं और एक-दूसरे पर आरोप लगा रही हैं, शिक्षा प्रणाली को कमजोर करके तेलंगाना के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय के खराब प्रदर्शन पर दुख जताया, जिसने राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क की समग्र श्रेणी में 70वां रैंक हासिल किया है और कहा कि ओयू 2023 में 64वें स्थान पर था और इससे पहले इसी श्रेणी में 2022 में 46वें स्थान पर था। रैंकिंग में सुधार के अलावा, हमारे विश्वविद्यालय अपना स्थान बरकरार रखने में विफल होकर भी खराब हो रहे हैं। यदि प्रतिष्ठित उस्मानिया विश्वविद्यालय, जिसका इतिहास 100 से अधिक वर्षों का है, की स्थिति खराब हो रही है उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय कॉलेज श्रेणी में शीर्ष 100 में हैं। तेलंगाना विश्वविद्यालयों में करीब 2,400 रिक्तियों का उल्लेख करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय में कुल 1268 पदों के लिए 848 रिक्तियां हैं और काकतीय विश्वविद्यालय में 403 पदों के लिए 293 रिक्तियां हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों को अनुसंधान और विकास के लिए धन नहीं मिल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में अनुसंधान पूरी तरह बाधित हो गया है। विश्वविद्यालय तभी विकसित हो सकते हैं जब उनके पास आवश्यक संकाय और पर्याप्त कर्मचारी हों और अनुसंधान हो।

वर्षों से रिक्तियों को भरे बिना और अनुसंधान किए बिना विश्वविद्यालयों की शिक्षा के मानकों में सुधार कैसे हो सकता है? यह पिछली बीआरएस सरकार द्वारा विश्वविद्यालय कुलपतियों की नियुक्ति में की गई देरी नहीं है। कांग्रेस, जिसने मई तक सभी विश्वविद्यालयों के लिए कुलपतियों की नियुक्ति करने का वादा किया था, ने अब तक उस दिशा में कुछ नहीं किया है। विश्वविद्यालयों को प्रभारी कुलपतियों द्वारा चलाया जा रहा है।

युवकों ने कैब ड्राइवर पर किया हमला

हनमकोंडा, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के काजीपेट बस स्टैंड पर सात युवकों ने हंगामा किया और एक कैब चालक पर हमला कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, एक युवक बस स्टैंड पर पेशाब कर रहा था और जब एक टैक्सी चालक ने इस पर आपत्ति जताई तो उसने छह अन्य लोगों के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में चोटें आईं। उन्होंने उसकी कार के शीशे और विंडशील्ड भी तोड़ दिए। युवकों ने बस स्टैंड पर खड़ी एक और कार को भी नुकसान पहुंचाया। कैब ड्राइवर ने काजीपेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और जब उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया तो वहां भी उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ झगड़ा किया। उन्होंने दावा किया कि उनके परिवार के सदस्य पुलिस बल में कार्यरत हैं। घटना के समय सिद्दीपेट कमिश्नरेट में कार्यरत एक एसआई का बेटा और एक कांस्टेबल बस स्टैंड पर मौजूद थे।

ईएमआरसी को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मिला सर्वोच्च सम्मान

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय शैक्षिक मल्टीमीडिया अनुसंधान केंद्र (ईएमआरसी) ने 16वें यूजीसी-सीईसी अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति फिल्म महोत्सव में विकास श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीतकर संस्थान का नाम रोशन किया है। ईएमआरसी के निदेशक पी. रघुपति की लघु फिल्म 'रीचिंग द अनरीच्ड' को भी मानवाधिकार श्रेणी में प्रशस्ति पत्र मिला।

पर्यावरण, विकास, मानवाधिकार और स्वच्छ भारत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए यूजीसी और सीईसी संयुक्त रूप से इस वार्षिक फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं। चयनित फिल्मों को नेचुरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया जाता है, जहां विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते हैं।

रघुपति की पुरस्कार विजेता फिल्म एकोपाध्याय भीम चिल्ड्रन्स हैप्पीनेस सेंटर पर प्रकाश डालती है, जो ओयू पत्रकारिता के छात्र संतोष इसराम और उनके दोस्तों की पहल है। इन केंद्रों का उद्देश्य सुदूर वन क्षेत्रों में रहने वाले गुट्टिकोया समुदाय के बच्चों को शिक्षित करना है। ओयू के रजिस्ट्रार प्रो.पी. लक्ष्मीनारायण ने विश्वविद्यालय की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और उन समर्पित स्वयसेवकों पर ईएमआरसी की डॉक्यूमेंट्री पर प्रकाश डाला, जो इन बच्चों को शिक्षित करने और उनके और बाहरी दुनिया के बीच की दूरी को पाटने के लिए प्रतिदिन पांच से सात किलोमीटर की यात्रा करते हैं। ईएमआरसी टीम को बधाई देते हुए ओयू के प्रभारी कुलपति दाना किशोर, उच्च शिक्षा के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम और यूजीसी के डीन प्रो. जी. मल्लेशम ने ऐसी और अधिक प्रेरक फिल्मों के निर्माण की आशा व्यक्त की।

गरीबी मुक्त गांव मेरा सपना : शिवराज सिंह चौहान

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता): केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने मंगलवार को यहां एनआईआरडी एंड पीआर में ग्राम रोजगार सेवक (जीआरएस) के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) की 66वीं आम परिषद की बैठक में भाग लेने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गरीबी मुक्त गांव उनका सपना है और उनकी सरकार लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी कदम उठा रही है। पीएचडी कार्यक्रम के लिए जेएनयू, नई दिल्ली और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। गांवों में कोई भी गरीब नहीं होना चाहिए और सभी को रोजगार मिलना चाहिए। महात्मा गांधी का सपना ग्राम स्वराज था, जब हम गांवों के विकास की बात करते हैं, तो बुनियादी ढांचे का विकास सबसे आगे होता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, गांवों को उचित सड़क संपर्क, पीने योग्य पानी, मजबूत और विशाल स्कूल भवन, पंचायत भवन, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि की आवश्यकता है। दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) शुरू किए जाने को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है।

आजीविका योजना का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत भर में महिलाओं को दिए जा रहे प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के कारण वे नेतृत्वकर्ता के रूप में उभर रही हैं। महिलाएं अनेक भूमिकाएं निभाकर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हम गांवों में सभी आवश्यक सुविधाएं पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मंत्रालय के थिंक टैंक के रूप में एनआईआरडीपीआर द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के अलावा, अधिक क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण गतिविधियों की आवश्यकता है, उन्होंने कहा। बाद में, शिवराज सिंह चौहान ने परिसर में ग्रामीण प्रौद्योगिकी पार्क का दौरा किया और पीएमएवाई-जी मॉडल घर का उद्घाटन किया। यह घर 409.5 वर्ग फीट में 4.04 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है, जो 987 रुपये प्रति वर्ग फीट आता है। घर का निर्माण नींव के लिए यादृच्छिक मलबे के पत्थर, ईंट के स्तंभ और आरसीसी बीम, रासायनिक उपचारित बांस की पट्टियों का उपयोग करके बामक्रेट दीवार, शंक्वाकार टाइल की छत, फर्श के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध पत्थर और गाय के गोबर आधारित पेंट से पेंटिंग जैसी तकनीकों का उपयोग करके किया गया है। बाद में, केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आरटीपी में पौधे लगाए और पार्क में मिट्टी के ब्लॉक बनाने वाली इकाई का भी दौरा किया।

कार की भीषण दुर्घटना में 4 मौत एक गंभीर

आसिफाबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रपुर जिला के लखमापूर मार्ग पर स्थित एक दूध डेयरी के समीप 13 अगस्त की मध्यरात्रि को भीषण सड़क हादसा हुआ। यह हादसा रात करीब 1 से 2 बजे के बीच हुआ, जब एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में जिवती तालुका के चार युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिवती तालुका के 5 युवक अर्टिगा कार में सवार होकर चंद्रपुर से गडचांदूर की ओर आ रहे थे। गडचांदूर से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर लखमापूर-बाखर्डी मार्ग पर यह हादसा हुआ। कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे सुरज गव्हाले (22)वर्ष, निवासी शेणगाव), सुनील किजगीर (27 वर्ष, निवासी शेणगाव), आकाश पेंदोर (22) वर्ष, निवासी पाटण, और श्रेयश पाटील (22) वर्ष, निवासी टाटाकोहोड की मौके पर ही मौत हो गई।

शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वैलर्स द्वारा आयोजित

> *वार्षिक 100 प्रतिशत धमाका सेल का आज अंतिम दिन*

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स (एसएलजे) द्वारा आयोजित वार्षिक 100 प्रतिशत धमाका सेल का आज अंतिम दिन है।

इस संदर्भ में, शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स (एसएलजे) के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, एसएलजे द्वारा आयोजित वार्षिक 100 प्रतिशत धमाका सेल के 14वें संस्करण का आज अंतिम दिन है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राहकों का बेहतर आवागमन रहा है। इस बार विशेष तौर पर बाहरी गांवों से काफी मात्रा में शादी-ब्याह वाले ग्राहकों का हलचल रहा। जिसमें काकीगुडा, काकीनाडा, गुन्टूर, वरंगल, विजयवाडा, रायचुर, इलकल, सिन्धबुर, परभणी, नान्देड, सोलापूर, तेनाली, निजामाबाद, चेन्नई, बंगलुरू, हुबली, दावणगेरे, इत्यादि शहरों से ग्राहकों ने भारी मात्रा में, एसएलजे स्वर्णाभूषण भंडार में पधारकर तत्संबंधित ज्वैलरी की 100 प्रतिशत आफर में खरीदारी की है।

जिसमें आकर्षक लाइट वेट ज्वैलरी ने अनेकों ग्राहकों का मनमोह लिया है। परिणामस्वरुप ग्राहकों में काफी संतुष्टि बनी रही। चूंकि इस वर्ष के धमाका आफर का आज अंतिम दिन है। पर जो भी ग्राहक, इष्टमित्र इस प्रस्ताव (आफर) का लाभ उठा न सके हों तो यह उनके लिए अंतिम सुअवसर है। यही नहीं हमारे विशाल स्वर्णाभूषण भंडार में हाथफुल, फुल सेट, नेकलेस, हाफसेट, चुडी, पाटला, बोर, टीका, कन्दोरा, बाजुबन्द, डायमण्ड में भी विभिन्न ज्वैलरी की भारी मात्रा में डिजाइन रेडी है।

अतः आज इस धमाका सेल के अंतिम दिन के चलते, सभी ग्राहकों से अनुरोध है कि, उक्त आकर्षक ज्वैलरी आफर का लाभ उठाएं।

प्रो. रवि को रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी सम्मान

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के स्कूल ऑफ लाइफ साइसेज (एसएलएस) के जैव रसायन विभाग के प्रोफेसर रवि कुमार गुट्टी को रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी (एफआरएसबी) के फेलो के रूप में चुना गया है। यह फेलोशिप उन वैज्ञानिकों को दी जाती है। जिन्होंने जैविक विज्ञान की उन्नति में विशिष्ट और उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रो. गुट्टी का अनुसंधान रक्त कोशिका विकास पर केंद्रित है और उन्हें हार्वर्ड मेडिकल स्कूल (यूएसए), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (यूएसए), मोफिट कैंसर एंड रिसर्च सेंटर (यूएसए) और आरडब्ल्यूटीएच आचेन (जर्मनी) में व्यापक अनुसंधान और शिक्षण का अनुभव है।

श्रीशैलम बांध के पास बड़ी संख्या में पहुंचे मछुआरे

सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा फोटो, वीडियो

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम बांध के शिखर द्वार अधिकारियों द्वारा बंद कर दिए जाने और नीचे की ओर पानी छोड़ने पर रोक लगा दिए जाने के बाद श्रीशैलम परियोजना के निचले हिस्से में लिंगालागट्टू में मछली पकड़ने के लिए बड़ी संख्या में मछुआरे अपनी देशी नौकाओं में आ गए। पिछले दो हफ़्तों में श्रीशैलम परियोजना में ऊपर से भारी मात्रा में पानी आने के कारण बांध लगभग पूरी तरह भर गया है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से लगातार पानी के बहाव में कमी आने के कारण अधिकारियों ने बांध के शिखर द्वार बंद कर दिए हैं चूंकि पिछले कई दिनों से बहाव काफी तेज था, इसलिए मछुआरों को मछली पकड़ने की अनुमति नहीं दी गई। मंगलवार को आखिरी गेट बंद होने के तुरंत बाद, अपनी देशी नावों के साथ, कई मछुआरे मछली पकड़ने के लिए परियोजना के पास लिंगलागट्टू में कृष्णा नदी में घुस गए। इन दिनों भारी मात्रा में मछलियों के आने से मछुआरों का मानना है कि कई मछलियां, विशेषकर भारी और बड़ी मछलियां, जिन्हें बाजार में अच्छी कीमत मिलती है, उनके जाल में फंस जाएंगी। श्रीशैलम परियोजना के निकट मछुआरों की तस्वीरें और वीडियो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अपलोड किए गए, जो वायरल हो गए।

भीड़ को कम करने चलेंगी विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सितंबर में आयोजित होने वाले वेलांकनी उत्सव के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) सिकंदराबाद-वेलांकनी के बीच आठ विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, सिकंदराबाद-वेलांकनी (07125) सेवा 27, 29 अगस्त तथा 4 और 7 सितंबर को चलेगी। इसी तरह, वेलनकन्नी-सिकंदराबाद (07126) सेवा 28, 30 अगस्त और 5 व 8 सितंबर को चलेगी। एससीआर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड सीटिंग कोच होंगे।

एनआईएमएस में एक साल में हुई 300 रोबोटिक सर्जरी

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने दा विंची सर्जिकल रोबोट स्थापित करने के एक वर्ष के भीतर 300 रोबोटिक-सहायता प्राप्त सर्जरी (आरएएस) पूरी कर ली हैं। अधिकांश रोबोटिक प्रक्रियाएं यूरोलॉजी, गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल सर्जरी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभागों द्वारा संचालित की गईं।

निम्स में यूरोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख तथा रोबोटिक सर्जरी के समन्वयक डॉ. राहुल देवराज ने कहा कि इस अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके, हम जटिल शारीरिक रचना और ट्यूमर की भागीदारी को विवेकपूर्ण तरीके से संबोधित कर सकते हैं। तकनीकी व्यवहार्यता, सुरक्षा और दीर्घकालिक ऑन्कोलॉजिकल और अन्य नैदानिक परिणामों के संदर्भ में, हमने इस दृष्टिकोण को पारंपरिक तकनीकों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में पाया। हमने यह भी देखा है कि जिन रोगियों ने रोबोट की सहायता से सर्जरी करवाई है, उन्हें न्यूनतम दर्द हुआ है और इससे उनके ऑपरेशन के बाद फॉलोअप की आवश्यकता भी कम हो गई है।

एनआईएमएस के निदेशक डॉ. भीरप्पा नागरी ने कहा कि तकनीक ने हमें ऑपरेशन के बाद अस्पताल में रहने के समय को कम करने में मदद की है, इसलिए डॉक्टर हर दिन ज्यादा मामलों को देख पा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप सर्जरी के लिए प्रतीक्षा अवधि भी कम हो गई है, जो महीनों से घटकर कुछ दिनों की रह गई है। दा विंची आरएएस प्रौद्योगिकी के निर्माता, इंट्यूटिव के अंतरिम जीएम इंडिया और वीपी कमर्शियल ऑपरेशन्स एशिया-पेसिफिक डार्ला हटन ने कहा कि एनआईएमएस के साथ सहयोग से छात्रों और पेशेवरों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिलेगी, जिससे उनकी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण में वृद्धि होगी।

छात्रा का 7 विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

आदिलाबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गवर्नमेंट साइंस डिग्री कॉलेज-आदिलाबाद की एक छात्रा ने राज्य स्तरीय कॉमन पोस्ट-ग्रेजुएशन एंट्रेंस टेस्ट (सीपीजीईटी)-2024 के सात विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसके परिणाम हाल ही में घोषित किए गए। जीएसडीसी-आदिलाबाद से बीएससी (बीजेडसी) करने वाली शुभांगी अग्रवाल ने सीपीजीईटी में वनस्पति विज्ञान में छठा रैंक, हिंदी में 25वां रैंक, प्राणीशास्त्र में 27वां रैंक, अंग्रेजी में 57वां रैंक, पत्रकारिता में 107वां रैंक, अर्थशास्त्र में 117वां रैंक और रसायन विज्ञान में 1,713वां रैंक हासिल किया है। वह कस्बे के एक व्यापारी मनीषचंद्र अग्रवाल की बेटी हैं। जीएसडीसी के प्रधानाचार्य जगराम अंतर्वेदी ने कहा कि शुभांगी एक मेधावी छात्रा थी और उन्होंने अन्य छात्रों को उससे प्रेरणा लेने और पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल करने की सलाह दी। शुभांगी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कॉलेज के व्याख्याताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने पढ़ाई में प्रोत्साहित करने के लिए अपने माता-पिता को भी धन्यवाद दिया।

इनडोर पूल में तब्दील हुआ उस्मानिया यूनिवर्सिटी का मेस

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में स्थित रिसर्च स्कॉलर्स मेस में मंगलवार को हुई बारिश के बाद एक बार फिर पानी भर गया। फर्श पर घुटनों तक पानी भर जाने के कारण छात्रों को पानी से भरे इनडोर पूल में भोजन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। शोधार्थियों ने भोजनालय में पानी भर जाने के कई वीडियो प्रसारित किए हैं। ऐसे ही एक वीडियो में, दो छात्र, जिनमें से एक ने रेनकोट पहना हुआ था, फर्श से वर्षा का पानी एक कटोरे में भर रहे थे, जिससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। नए शोधार्थी छात्रावास के निवासियों के अनुसार, छतों से पानी के रिसाव के कारण मेस सुविधा में जलभराव हो गया है।

आर्ट्स कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी सत्य नेल्ली ने कहा कि बार-बार होने वाली समस्या अस्वीकार्य है। शुरू में, पानी का रिसाव एक ही टेबल पर था, लेकिन अब पूरी छत लीक हो रही है, जिससे मेस सुविधा के डाइनिंग हॉल में जलभराव हो रहा है। हमारी कई बार की गई अपीलों के बावजूद, पानी के रिसाव की समस्या बनी हुई है। शोधार्थियों के अनुसार, पानी का रिसाव सिर्फ भोजन कक्ष तक ही सीमित नहीं है, बल्कि स्टोर रूम तक भी है, जिससे फफूंद के विकास और स्वच्छता संबंधी चिंताओं सहित स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा हो सकते हैं। यह घटना पिछले साल की ऐसी ही स्थिति की पुनरावृत्ति है, जब सत्या के नेतृत्व में शोधार्थियों ने पानी से भरे फर्श पर खाना खाकर विरोध प्रदर्शन किया था। छात्रों ने दुख जताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन के आश्वासन के बावजूद पिछले कई सालों से मुद्दे अनसुलझे हैं।

गुरुकुल छात्रावासों की स्थिति सुधारे सरकार : केटीआर

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने राहत व्यक्त की है कि कांग्रेस सरकार ने अंततः गुरुकुल छात्रावासों (सामाजिक कल्याण शैक्षणिक संस्थानों) में छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए कार्रवाई की है। उन्होंने राज्य सरकार, विशेषकर उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क से जीवन की हानि को रोकने तथा भोजन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए तत्काल उपाय शुरू करने का आग्रह किया।

रामा राव ने तत्काल सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि हमें खुशी है कि हम कांग्रेस सरकार को उसकी गहरी नींद से बाहर निकालने में सफल रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली के चंद्रशेखर राव सरकार ने 1,000 से अधिक गुरुकुल स्थापित किए थे। मंगलवार को उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री पोन्नम प्रभाकर राज्य में गुरुकुल छात्रावासों का दौरा करने के लिए हैदराबाद से रवाना हुए। वे जगितियाल जिले के मेटपल्ली मंडल के पेड्डापुर में गुरुकुल स्कूल का दौरा करेंगे, ताकि स्थिति का प्रत्यक्ष रूप से आकलन कर सकें।

आईसीएआर-सीआरआईडीए में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की दो दिवसीय समीक्षा बैठक का उद्घाटन

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आज (13-08-2024) आईसीएआर-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा आईसीएआर-सीआरआईडीए परिसर में आयोजित बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की दो दिवसीय समीक्षा बैठक का उद्घाटन किया गया। बैठक के अध्यक्ष डॉ. एसके चौधरी, डीडीजी (एनआरएम), आईसीएआर, नई दिल्ली हैं। कार्यक्रम की शुरूआत ज्ञान को शाश्वत रूप से प्रदान करने के प्रतीक के रूप में गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई।

डॉ. वी.के. सिंह, निदेशक, आईसीएआर-क्रीडा ने अतिथियों का स्वागत किया और बैठक के आयोजन के उद्देश्य की जानकारी दी तथा इसके उद्देश्यों की जानकारी दी। डॉ. एसके चौधरी, डीडीजी (एनआरएम), आईसीएआर, नई दिल्ली ने बताया कि बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा बैठक वार्षिक 2 बार आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें यह देखना चाहिए कि हमने परियोजनाओं से क्या सीखा है। उन्होंने राज्य-विशिष्ट प्रकाशनों को प्रकाशित करने का भी तर्क दिया, इसलिए यह राज्य स्तर के नीति निर्माताओं के लिए उपयोगी होगा। उन्होंने एनआरएम संस्थानों के तहत सुविधाओं की भी सराहना की और उचित उपयोग करने का तर्क दिया।

एनआरएम के तहत प्रत्येक संस्थान ने अपनी उपलब्धियां प्रस्तुत कीं और की गई गतिविधियों पर चर्चा की। इस दौरान बंद परियोजनाओं, नई परियोजनाओं और चल रही परियोजनाओं पर चर्चा की गई। देश के विभिन्न भागों से लगभग 30 प्रतिभागियों ने बैठक में भाग लिया और परियोजनाओं की प्रगति प्रस्तुत की।

जलवायु स्मार्ट कृषि, वास्तविक समय सूखे की निगरानी और प्रबंधन, जल उत्पादकता में वृद्धि, फसलों की शीघ्र प्रजनन, बाढ़ बीमा उत्पादों के विकास आदि से संबंधित पहलुओं पर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा लगभग 29 परियोजनाएं वित्त पोषित हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान प्रकाशनों का विमोचन किया गया। बैठक के बाद आईसीएआर-सीआरआईडीए, संतोषनगर की सुविधाओं, अत्याधुनिक जलवायु अनुसंधान सुविधाओं, केवीके और हयातनगर अनुसंधान फार्म में क्षेत्रीय प्रयोगों का दौरा किया जाएगा, जिसमें प्रौद्योगिकी पार्क, वर्षा आधारित बागवानी प्रणालियां, संरक्षण कृषि प्रणालियां, बांस सहित कृषि वानिकी प्रणालियां, फार्म मशीनरी, बीज हब, सौर ऊर्जा संचालित सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियां, जैवउर्वरक उत्पादन आदि जैसे विषय शामिल होंगे।

जिन खिलाड़ियों ने छोड़ दिया आईपीएल अब उसे भी करोड़पति बनाएगी बीसीसीआई

जय शाह करने वाले हैं बड़ा खेल !

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग...वर्ल्ड क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग जिसमें दुनिया का हर खिलाड़ी खेलना चाहता है. इस लीग में शोहरत है पैसा है और आपका भविष्य बदलने की ताकत है. आईपीएल को चलाती है बीसीसीआई जो दुनिया की सबसे पावरफुल और सबसे धनवान क्रिकेट एसोसिएशन है. यही वजह है कि बीसीसीआई की दुनिया में तूती बोलती है और हर खिलाड़ी उसके साथ जुड़ना चाहता है. अब बीसीसीआई शुरू करने वाली है एक और ऐसा प्रोजेक्ट जो इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ चुके खिलाड़ियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई रिटायर्ड खिलाड़ियों के लिए एक लीग का

आगाज करने वाली है, जिसमें कई पुराने दिग्गज खिलाड़ी शिरकत करते नजर आएंगे.

जय शाह के पास गया मामला

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कई पूर्व खिलाड़ियों ने रियाटर्ड खिलाड़ियों की लीग शुरू करने का प्रस्ताव जय शाह को दिया है. बड़ी खबर ये है कि बीसीसीआई भी इसमें काफी दिलचस्पी ले रही है, जय शाह को ये आइडिया अच्छा लगा है और वो इसपर आगे काम करने के लिए इच्छुक भी नजर आ रहे हैं. बीसीसीआई के एक अधिकारी ने दैनिक जागरण से कहा कि पूर्व क्रिकेटरों ने इस तरह का प्रस्ताव बीसीसीआई को दिया है और इसपर विचार हो रहा है.

कई लीग में खेल रहे हैं पूर्व क्रिकेटर्स

फिलहाल दुनियाभर में ऐसी कई लीग चल रही हैं जिनमें पूर्व क्रिकेटर्स खेलते नजर आ रहे हैं. इरफान पठान, सुरेश रैना, यूसुफ पठान, क्रिस गेल, हरभजन सिंह, युवराज सिंह जैसे खिलाड़ी ऐसी लीग का हिस्सा हैं. इनमें रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज, लेजेंड्स लीग क्रिकेट और वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स शामिल हैं. अब बीसीसीआई अगर इस खेल में उतरी तो इसका हिट होना तय ही समझिए क्योंकि वो बहुत बड़े प्लान के साथ ही मैदान पर आएगी जिसकी कवरेज भी काफी बड़ी हो सकती है.

टीम में वापसी करते ही कप्तान बने ईशान किशन, लिया गया बहुत बड़ा फैसला

नई दिल्ली, , 13 अगस्त (एजेंसियां)। ईशान किशन पिछले साल से ही टीम इंडिया से बाहर हैं. पिछले साल हुए साउथ अफ्रीका दौरे को वो बीच में ही छोड़कर लौट आए थे जिसके बाद उन्हें टीम इंडिया से ड्रॉप कर दिया गया. वो टी20 वर्ल्ड कप में भी नहीं चुने गए. लेकिन अब ईशान किशन ने वापसी की राह में एक कदम आगे बढ़ा लिया है. ईशान किशन जल्द बुच्ची बाबू ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे. बड़ी खबर ये है कि ईशान किशन इस ट्रॉफी में झारखंड की कप्तानी करेंगे. ईशान किशन पिछले कुछ वक्त से फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेल रहे थे और इसकी एक वजह उनका इंटरनेशनल क्रिकेट खेलना भी था लेकिन अब टीम इंडिया में वापसी के लिए उन्होंने एक बार फिर झारखंड के लिए खेलने का मन बनाया है.

ईशान किशन इस मैच में दिखाएंगे दम

ईशान किशन की कप्तानी में झारखंड की टीम पहला मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलेगी. ईशान किशन के लिए ये अच्छी खबर है क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका बल्ला आग उगलता है. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने एक घरेलू मुकाबले में मध्य प्रदेश के खिलाफ 94 गेंदों में 173 रन ठोके थे जिसमें उनके बल्ले से 11 छक्के निकले थे. अगर ईशान किशन इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यकीनन उनके लिए टीम इंडिया के दरवाजे खुल सकते हैं.

बुच्ची बाबू टूर्नामेंट का आगाज

बुच्ची बाबू टूर्नामेंट का आगाज 15 अगस्त से होगा. सेमीफाइनल मुकाबले 2 सितंबर और फाइनल 8 सितंबर से होगा. ये चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट है जिसमें 12 टीमें हिस्सा लेती हैं. इन टीमों को चार ग्रुप्स में बांटा गया है. इस टूर्नामेंट में 10 टीमें बाहरी राज्यों की होती हैं जबकि तमिलनाडु की इसमें दो टीमें तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन प्रेसिडेंट इलेवन और टीएनसीए इलेवन खेलती हैं. ये पूरा टूर्नामेंट तमिलनाडु में होगा. मुकाबले नाथम, कोयंबटूर और तिरुनेवेली में होंगे. इस टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम को 3 लाख रुपये कैश प्राइज मिलेगा, जबकि रनरअप टीम को 2 लाख रुपये मिलेंगे. इस टूर्नामेंट में ईशान किशन, सरफराज खान, सूर्यकुमार यादव जैसे बड़े नाम खेलते नजर आएंगे.

विदेशी टीमों को पाकिस्तान में मिले राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री जैसी सुरक्षा, पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने उठाई मांग

इस्लामाबाद, , 13 अगस्त (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान करेगा, जहां पर सबसे बड़ी चुनौती टीम को सुरक्षा मुहैया कराने की होगी। इसी सुरक्षा के मुद्दे पर संभावना है कि टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी और भारत के मैच श्रीलंका या यूएई में आयोजित किए जाएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर सिर्फ भारत ही चिंतित नहीं है, बल्कि अब पाकिस्तान के एक पूर्व खिलाड़ी ने भी इस पर अपनी चिंता जाहिर की है। इस पूर्व क्रिकेटर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को सुरक्षा के मुद्दे पर आगाह किया है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को सुरक्षा के प्रति आगाह करने वाले ये खिलाड़ी पूर्व क्रिकेटर बासित अली हैं। बासित अली ने पाकिस्तान के लिए 19 टेस्ट और 50 वनडे मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में बासित अली के नाम 858 तो वनडे क्रिकेट में 1265 रन दर्ज हैं। बासित अली पाकिस्तान ए टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं।

बासिल अली का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को

आईसीसी की चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है। ये 1996 के वर्ल्ड कप के बाद पाकिस्तान में पहला आईसीसी का इवेंट होगा। 1996 वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी पाकिस्तान ने श्रीलंका और भारत के साथ संयुक्त रूप से की थी। बासित अली ने आगे कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान को बांग्लादेश, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीम की मेजबानी करनी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इन सीरीज के दौरान अचूक सुरक्षा रखनी होगी। इन सीरीज में कोई भी घटना होती है तो पाकिस्तान से चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी छीनी जा सकती है। बासित अली ने ये बयान अपने यूट्यूब चैनल पर दिया है।

बासित अली ने कहा कि 'भगवान न करे, अगर इन दौरों में कोई घटना होती है तो चैंपियंस ट्रॉफी यहां नहीं खेली जाएगी। बलूचिस्तान और पेशावर में हमारे सैनिक शहीद हो रहे हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका जवाब केवल सरकार ही दे सकती है, लेकिन यह गलत है। विदेशी टीमों को हमारे प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जैसी ही सुरक्षा मिलनी चाहिए। मुझे यकीन है मोहसिन नकवी को इन बातों की जानकारी होगी।

पाकिस्तान के दौरे पर गई श्रीलंका क्रिकेट टीम पर 3 मार्च 2009 को हमला हुआ था।

निशानेबाजी विश्व कप में भाग नहीं लेंगी ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकरः कोच जसपाल

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक विजेता मनु भाकर मंगलवार को भारत लौट सकती हैं। इसके बाद वह तीन महीने का ब्रेक ले सकती हैं। माना जा रहा है कि वह दिल्ली में होने वाले विश्व कप से भी बाहर रह सकती हैं।

भारतीय दल ओलंपिक में कुल छह पदक अपने नाम करने में कामयाब रहा। इनमें से दो मनु भाकर ने जीते। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में कांस्य पदक जीते। वह

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं।

इस बीच स्टार निशानेबाज के कोच जसपाल राणा ने जानकारी दी कि वह अक्टूबर में होने वाले विश्व कप का हिस्सा नहीं होंगी। जसपाल ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा - मुझे नहीं पता कि वह अक्टूबर में होने वाले विश्व कप में खेलेंगी या नहीं क्योंकि वह तीन महीने का ब्रेक ले रही है वह लंबे समय से कड़ी मेहनत कर रही है तो यह नॉर्मल ब्रेक है। निशानेबाजी विश्व कप दिल्ली में 13 से 18 अक्टूबर के बीच होगा। जसपाल ने कहा कि ब्रेक के बाद वे 2026 एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों पर काम करेंगे।

आईपीएल 2025 में इन मैच विनर खिलाड़ियों की हो सकती है वापसी, पिछले सीजन से थे बाहर

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। इस बार आईपीएल का मेगा ऑक्शन देखने को मिलने वाला है। इस दौरान कई खिलाड़ियों की टीमें भी बदल सकती है। इस दौरान कई बड़े खिलाड़ियों पर फैंस की नजरें रहने वाली हैं। देखने वाली बात होगी कि टीमों को कितने-कितने खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत मिलती है। वहीं कई मैच विनर खिलाड़ी ऐसे भी हैं जो इंजरी के चलते आईपीएल 2024 खेल नहीं पाए थे और टीम को उनकी काफी कमी भी खलती हुई दिखाई दी थी। ऐसे में ये खिलाड़ी आईपीएल 2025 में वापसी कर सकते हैं। जिसमें सीएसके से लेकर केकेआर और मुंबई इंडियंस तक के खिलाड़ी शामिल हैं। तो कौनसे हैं वे मैच विनर खिलाड़ी जो कर सकते आईपीएल 2025 में वापसी आइए डालते है एक नजर...

1. ड्वेन कॉन्वे (सीएसके)

चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ

के सलामी बल्लेबाज ड्वेन कॉन्वे आईपीएल 2024 में चोट के चलते खेल नहीं पाए थे। आईपीएल 2023 में ड्वेन कॉन्वे ने सीएसके की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साल 2023 में कोन्वे ने बल्लेबाजी करते हुए 16 मैचों में 672 रन बनाए थे। ऐसे में आईपीएल 2024 में सीएसके को अपने इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाजी कमी जरूर खली थी।

2. मोहम्मद शमी (जीटी)

गुजरात टाइटंस के सबसे अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी इंजरी के चलते आईपीएल 2024 नहीं खेल पाए थे। वनडे विश्व कप 2023 में कमाल का प्रदर्शन करने के बाद शमी को इंजरी हो गई थी। जिसके बाद उनको आईपीएल 2024 से भी बाहर रहना पड़ा था। आईपीएल 2024 से पहले शमी ने गुजरात के लिए कमाल की गेंदबाजी की थी। गुजरात के लिए गेंदबाजी करते हुए शमी ने 48 विकेट अपने नाम किए थे।

3. जेसन रॉय (केकेआर)

आईपीएल 2024 शुरू होने से पहले केकेआर को जेसन रॉय के रूप में बड़ा झटका लगा था। जेसन रॉय भी इंजरी के चलते आईपीएल 2024 से बाहर हो गए थे। हालांकि जेसन रॉय की कमी को फिल सॉल्ट ने काफी अच्छे तरीके से पूरा किया था। अब अगले सीजन में जेसन रॉय की भी वापसी हो सकती है।

4. जोफ्रा आर्चर (एमआई)

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर चोट लगने के चलते काफी लंबे समय तक क्रिकेट मैदान से बाहर रहे थे। आईपीएल में जोफ्रा मुंबई टीम का हिस्सा हैं लेकिन इंजरी के चलते ये धाकड़ तेज गेंदबाज पिछला सीजन नहीं खेल पाया था। हालांकि अब इस गेंदबाजी की मैदान पर वापसी हो गई है, जिसके बाद आईपीएल 2025 में जोफ्रा खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं।

'निशानेबाजी में और पदक जीत सकते थे'

अभिनव बिंद्रा ने भारतीय निशानेबाजों को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने पेरिस ओलंपिक में छह में से तीन पदक निशानेबाजी में जीते थे। भारतीय निशानेबाज टोक्यो में प्रभाव छोड़ने में विफल रहे थे, लेकिन ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा का मानना है कि भारतीय निशानेबाज पेरिस खेलों में और अधिक पदक जीत सकते थे। हालांकि, बिंद्रा का मानना है कि कुल मिलाकर शूटर्स को अपने अभियान पर गर्व होना चाहिए।

भारत ने जीते एक रजत, पांच सहित कुल छह पदक

भारत ने निशानेबाजी में तीन सहित कुल मिलाकर छह पदक जीते। इस दौरान मनु भाकर आजादी के बाद ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी बनीं। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद मनु ने सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित

निशानेबाजी में भी कांस्य पदक जीता। भारत को एक और कांस्य स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में दिलाया।

बिंद्रा ने कहा, कुछ निशानेबाज चूक गए लेकिन हर किसी ने अच्छी टक्कर दी। अच्छा परिणाम जरूरी है लेकिन उससे अधिक महत्वपूर्ण यह देखने के बारे में है कि आपने एक देश के तौर पर प्रदर्शन के मामले में कितना सुधार किया है। आप इस तरह देखें तो हमने पहले से बेहतर प्रदर्शन किया है। हम कुछ और प्रदर्शनों को पदकों में बदलते देखना चाहते हैं, लेकिन हमारे पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है।

बीजिंग ओलंपिक (2008) के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कोच जसपाल राणा के साथ मनमुटाव खत्म करने और सफलता के लिए मिलकर काम करने पर मनु की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, राणा ज्ञान का भंडार है, खिलाड़ियों से कड़ी मेहनत करवाने वाले कोच हैं और यह अच्छी बात है। मेरे पास ऐसे कोच थे जो मुझे नापसंद थे लेकिन मैं उनको चाहता भी था। मैंने उनके साथ काम करने का एक तरीका ढूंढ लिया था। मैं मनु को श्रेय देता हूं कि उन्होंने कुछ वर्षों के कठिन समय के बाद जसपाल के साथ समझौता कर लिया। यह एक कोच-एथलीट के रिश्ते में सामान्य है। एथलीट संवेदनशील लोग होते हैं और जब हम दबाव में होते हैं तो संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

बिंद्रा ने बबुता का हौसला बढ़ाया

बिंद्रा ने मनु और कुसाले की सराहना की तो वहीं मामूली अंतर से कांस्य पदक चूकने वाले अर्जुन बबुता का हौसला बढ़ाया। बबुता 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने प्रतियोगिता से पहले और बाद में उनसे बात की, वह निराश था, लेकिन वह भविष्य की ओर देख रहा है। उसे चौथे स्थान पर रहने की टीस से निकलने में थोड़े समय की जरूरत होगी। लेकिन यही जीवन है, यही खेल है।

निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पहलवान अंशु ने ब्रेक लेने का किया फैसला, मजबूत वापसी की उम्मीद जताई

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिका का प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक में अच्छा नहीं रहा था और वह प्री क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई थीं। अंशु पदक की दावेदार थीं, लेकिन अपना प्रभाव छोड़ने में विफल रही थीं। अंशु ने कहा कि वह शारीरिक और भावनात्मक रूप से फिट होने के लिए खेल से कुछ समय का ब्रेक ले रही हैं। इस पहलवान ने हालांकि मजबूत वापसी करने का वादात किया। 23 वर्षीय अंशु को 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में अपने से अनुभवी दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवीं वरीयता प्राप्त हेलेन लुसी मैरोयूलिस से 2-7 से हार का सामना करना

पड़ा था।

सोशल मीडिया पर किया भावुक पोस्ट

अपना दूसरा ओलंपिक खेल कर वापस लौटी आंशु ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इसे स्वीकार करना कठिन है, लेकिन यह एक खेल है और हार-जीत इसका हिस्सा है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिणाम क्या है, मुझे कुश्ती पसंद है। अब, यह 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए एक नई शुरुआत होगी। मुझे पता है कि मैं एक योद्धा जैसी हूं और पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर वापस आऊंगी। मैं अभी शारीरिक और भावनात्मक रूप से फिट होने के लिए एक छोटा ब्रेक ले रही हूं। इस दौरान मैं देखूंगी कि मुझे कहां बदलाव करने की जरूरत है।

'मेरा 12 साल का सपना टूट गया'

अंशु ने इस साल अप्रैल में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर से पेरिस खेलों का कोटा हासिल किया था।

उन्होंने अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, ओलंपिक अब खत्म हो गया है और इसके साथ ही मेरा 12 साल का सपना भी टूट गया। मैंने 2012 में जब कुश्ती शुरू की थी तब अपने पिता से वादा किया था कि मैं 2024 ओलंपिक में पदक जीतूंगी। मैंने उसके बाद से हर दिन बस उसी के लिए मेहनत की है। मैं बस इसे हासिल करने के सपने देखती हूं। मैंने सोचा था हालांकि वैसा नहीं हुआ।

अंशु एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता रही हैं। वह पेरिस में तीन बार की विश्व चैंपियन अमेरिका की हेलन के खिलाफ 2-0 की बढ़त को बरकरार नहीं रख पाईं और दमखम दिखाने के बाद भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को लगा झटका

डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन पर लगा 18 महीने का बैन

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत पर बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) ने 18 महीने का प्रतिबंध लगाया है। उन पर डोपिंग संबंधी नियमों के उल्लंघन के कारण यह कार्रवाई की गई है।

भारत को टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक दिलाने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत पर बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) ने 18 महीने का प्रतिबंध लगाया है। उन पर डोपिंग संबंधी नियमों के उल्लंघन के कारण यह कार्रवाई की गई है। इस स्थिति में अब वह पेरिस पैरालंपिक खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। पेरिस में पैरालंपिक खेलों की शुरुआत 28 अगस्त से आठ

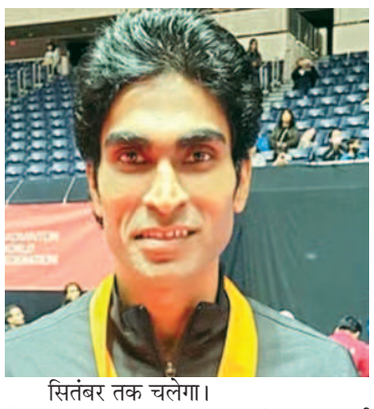

सितंबर तक चलेगा।

बीडब्ल्यूएफ की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया कि, ₹एक मार्च 2024 को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ऑफ स्पोर्ट (सीएएस) एंटी-डोपिंग डिवीजन ने भगत को 12 महीनों के भीतर तीन बार ठिकाने की जानकारी न देने के लिए बीडब्ल्यूएफ एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया। एसएल3 एथलीट भगत ने इस फैसले के खिलाफ सीएएस अपील डिवीजन में अपील की। 29 जुलाई 2024 को सीएएस अपील डिवीजन ने भगत की अपील को खारिज कर दिया और ए मार्च 2024 के सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन के फैसले की पुष्टि की।

बिहार में जन्मे भगत ने पिछले साल फरवरी में पांचवां विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतकर चीन के लिन डैन की बराबरी की थी। भारतीय पैरा बैडमिंटन के मुख्य कोच गौरव खन्ना ने कहा - यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है । वह पैरालम्पिक में पदक उम्मीद थे लेकिन वह योद्धा है और मुझे यकीन है कि मजबूती से वापसी करेंगे।

निरंजन ने राहुल गांधी के खिलाफ बंडी संजय की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय की टिप्पणी की कड़ी निंदा की कि राहुल गांधी चीन के निर्देश पर चुप हैं, हालांकि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला हो रहा है।

यहां गांधी भवन में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता निरंजन ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बंदी संजय के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और अनुचित टिप्पणी करने के लिए उन्हें मंत्रालय से हटाना चाहिए। बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम सभी के लिए चिंताजनक हैं। पड़ोसी देश होने के नाते, वहां की स्थितियां हमारे देश को प्रभावित करती हैं। हालांकि मौजूदा घटनाक्रम उस बांग्लादेश का आंतरिक मामला है, लेकिन हम अपने देश पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए चुप नहीं रह सकते, निरंजन ने कहा। निरंजन ने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने पहले ही बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और अन्य धर्मों पर हमलों की कड़ी निंदा की है और अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना की सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पहल करनी चाहिए और हिंदुओं पर हमलों को नियंत्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को पहल करनी चाहिए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से बात करनी चाहिए और वहां रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यक लोगों की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। समस्या तब और जटिल हो जाती है जब हर कोई अपनी मर्जी से बोलता है क्योंकि यह मामला एक विदेशी देश से संबंधित है। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री बंडी संजय को विदेशी संबंधों और सीमाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं है, उन्हें अपना मुंह बंद रखना चाहिए। उन्हें जवाब देना चाहिए कि मोदी सरकार, जिसने शेख हसीना को भारत आने की मंजूरी दी है, अब बांग्लादेश से आने वाले हिंदू लोगों को रोक रही है, जो अमानवीय हमलों से पीड़ित हैं। कांग्रेस नेता ने आगे पूछा कि मोदी सरकार हिंदू लोगों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए सीमा पर शिविर क्यों नहीं लगा रही है, जब तक कि स्थिति सामान्य नहीं हो जाती।

सीएम रेवंत रेड्डी ने गुरुकुल छात्रा का समर्थन किया

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गुरुकुल स्कूल की इमारत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई छात्रा कोय्यदा कार्तिका के साथ खड़े हुए। उन्होंने सीएम कार्यालय के अधिकारियों को सरकारी खर्च पर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया। सीएम के निर्देश पर डॉक्टरों ने हैदराबाद के निम्स में कार्तिका का ऑपरेशन किया। कार्तिका फिलहाल ठीक हो रही हैं। कार्तिका मुलुगु के जिला केंद्र में तेलंगाना सोशल वेलफेयर गुरुकुल स्कूल में 9वीं कक्षा में पढ़ रही है। वह बीते 9 अगस्त को गलती से स्कूल की तीसरी मंजिल से गिर गई। इससे छात्रा की कमर में गंभीर चोटें आईं। गुरुकुल के अधिकारियों ने कार्तिका को वारंगल एमजीएम अस्पताल और वहां से एनआईएमएस में स्थानांतरित कर दिया।

फसल ऋण माफी के बारे में पोन्नम को बुनियादी जानकारी नहीं है : बीआरएस

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर पर शासन की न्यूनतम समझ न होने और फसल ऋण माफी के बारे में कम जानकारी होने का आरोप लगाया है। बीआरएस नेता ने मंत्री से सवाल किया कि तेलंगाना राज्य के सभी किसानों के लिए फसल ऋण माफी क्यों नहीं की गई और दावा किया कि हजारों किसान ऋण माफी का इंतजार कर रहे हैं। मंगलवार को यहां तेलंगाना भवन में पार्टी नेता एरोला श्रीनिवास और अन्य लोगों के साथ मीडिया से बात करते हुए सुदर्शन रेड्डी ने विभिन्न कारणों से किसानों के ऋण माफ न करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। किसानों की शिकायतें प्राप्त करने के लिए बीआरएस पार्टी द्वारा स्थापित कॉल सेंटर चौबीसों घंटे काम कर रहा है और फसल ऋण माफी पर हजारों शिकायतें प्राप्त कर रहा है। अब तक ऋण माफी के मुद्दे पर लगभग 75,000 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। कई और किसानों का कहना है कि वे 15 अगस्त का इंतजार कर रहे हैं, बीआरएस नेता ने कहा। 15 अगस्त के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के गांवों के दौरे को अटकलबाजी का विषय बताते हुए बीआरएस नेता ने कहा कि ऋण माफी के लिए 45,000 करोड़ रुपये की जरूरत है। किसान सरकार की साजिशों को समझते हैं जो हमें 18,000 करोड़ रुपये लेकर ठगा हुआ महसूस कराने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने अपने नौ महीने के शासन के दौरान 50,000 करोड़ रुपये उधार लिए हैं। सुदर्शन रेड्डी ने कहा, हम जल्द ही कांग्रेस पार्टी के नेताओं के अत्याचारों को उजागर करेंगे। उन्होंने यह भी पूछा कि तेलंगाना राज्य में किसानों की आत्महत्याएं क्यों बढ़ रही हैं। एरोला श्रीनिवास ने पुलिस निगरानी में चलने के लिए कांग्रेस शासन की आलोचना की। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेताओं ने बीआरएस पार्टी के नेताओं को डांटना अपना काम बना लिया है। वे बीआरएस शासन के दौरान खरीदी गई बसों का फीता काट रहे हैं।

एनआई-एमएसएमई हैदराबाद को उत्कृष्ट मान्यता प्रमाणपत्र मिला

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के एक संगठन, राष्ट्रीय एमएसएमई संस्थान को एमएसएमई के संवर्धन और विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों (एनएससीएसटीआई) प्रक्रिया के मानकों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। यह मूल्यांकन संस्थान द्वारा विभिन्न स्तरों पर अपनाई गई सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं और पद्धतियों के निरीक्षण के आधार पर किया गया था। क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) और आईकेयर की टीम ने ऑन-साइट मूल्यांकन किया और उत्कर्ष थ्री स्टार रेटिंग की ग्रेडिंग के साथ मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान किया।

सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थान (सीएसटीआई) सम्मेलन के दौरान, महानिदेशक, एनआई-एमएसएमई को सोमवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मान्यता प्राप्त सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के सम्मान समारोह के एक भाग के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और प्रधान मंत्री कार्यालय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मान्यता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय एमएसएमई संस्थान (एनआई-एमएसएमई), एमएसएमई मंत्रालय, सरकार के तत्वावधान में एक अग्रणी संस्थान है। भारत एमएसएमई की सफलता और समृद्धि की दिशा में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए व्यवसाय समर्थक वातावरण प्रदान करने के लिए उद्यमिता और कौशल विकास के क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

मानवतावाद विकसित करने में इस्कॉन का प्रयास सराहनीय : मंत्री

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। देवदया विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि लोगों में धार्मिक सोच और मानवतावाद विकसित करने के उद्देश्य से इस्कॉन के प्रयास सराहनीय हैं। इस्कॉन प्रतिनिधियों ने आज मंत्री कोंडा सुरेखा से जुबली हिल्स, हैदराबाद स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर इस्कॉन के प्रतिनिधियों ने मंत्री को भगवद गीता पुस्तक, कृष्ण और पुरी जगन्नाथ के चित्र और प्रसाद भेंट किया और उन्हें आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि इस्कॉन दुनिया में शांति, भाईचारे और आध्यात्मिक समझ को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में अनुकरणीय कार्यक्रम चला रहा है। मंत्री ने कहा कि भगवद गीता और कृष्ण दर्शन को बढ़ावा देकर, प्रकृति के प्रति पूजा की भावना और सात्विक जीवन शैली के साथ जीवन में महान बदलाव के बारे में जागरूकता पैदा करके मानव समाज के उत्थान की दिशा में इस्कॉन के प्रयास सराहनीय है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने तिरंगा रैली निकाली

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने तिरंगा रैली का आयोजन किया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अफसर पाशा और अन्य लोगों ने इसमें भाग लिया।

यह रैली हैदराबाद के हृदय स्थल, प्रतिष्ठित चारमीनार के पास हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना था, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के महत्व पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, रैली का उद्देश्य तिरंगे के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और नागरिकों को अपने घरों में गर्व से झंडा फहराने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस पहल के माध्यम से, आयोजकों को प्रतिभागियों और बड़े पैमाने पर समुदाय के बीच राष्ट्रीय गौरव और एकता की गहरी भावना को प्रेरित करने की उम्मीद थी।

नवंबर के लिए टीटीडी ऑनलाइन कोटा होगा जारी

तिरुमाला, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) नवंबर महीने के लिए दर्शन, आवास और श्रीवारी सेवा स्वैच्छिक सेवा का ऑनलाइन कोटा जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

श्रीवारी अर्जित सेवा टिकट इलेक्ट्रॉनिक डीआईपी पंजीकरण 19 अगस्त की सुबह 10 बजे से 21 अगस्त की सुबह 10 बजे तक उपलब्ध रहेगा। श्रीवारी अर्जित सेवा टिकट जैसे कल्याणम, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम और एसडी सेवा 22 अगस्त की सुबह 10 बजे से वार्षिक पुष्पयागम सेवा टिकटों के साथ उपलब्ध होगी, जबकि वर्चुअल सेवा टिकट उसी दिन दोपहर 3 बजे जारी किए जाएंगे। तिरुमला अंगप्रदक्षिणम टोकन 23 अगस्त को सुबह 10 बजे से उपलब्ध होंगे। श्रीवाणी ट्रस्ट के दानदाताओं के लिए दर्शन और आवास कोटा 23 अगस्त को सुबह 11 बजे उपलब्ध होगा।

वरिष्ठ नागरिकों/शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए कोटा 23 अगस्त को दोपहर 3 बजे से उपलब्ध होगा। विशेष प्रवेश दर्शन (300 रुपये) टिकट 24 अगस्त को सुबह 10 बजे उपलब्ध होंगे। तिरुमला और तिरुपति आवास कोटा 24 अगस्त की दोपहर 3 बजे से उपलब्ध होगा। तिरुमला और तिरुपति के लिए श्रीवारी सेवा स्वैच्छिक सेवा सामान्य कोटा सुबह 11 बजे जारी किया जाएगा, जबकि नवनीता सेवा दोपहर 12 बजे और परकामनी सेवा 27 अगस्त को दोपहर 1 बजे जारी की जाएगी। बुकिंग के लिए केवल टीटीडी की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग ऑन किया जाना चाहिए।

सभी गुरुकुल छात्रों के लिए चिकित्सा परीक्षा आयोजित करने का आदेश

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तेलंगाना में पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और गुरुकुल स्कूलों में पढ़ने वाले सभी छात्रों के लिए चिकित्सा परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया है। जगतियाल जिले में दो गुरुकुल छात्रों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रही है कि जगतियाल जिले में हुई घटनाएं दोबारा न हों और यह सुनिश्चित किया जाए कि छात्रावास और कक्षाएं साफ-सुथरी रहें। मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप की पृष्ठभूमि में उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी है कि गुरुकुल स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के एहतियाती कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा, हर गुरुकुल स्कूल में पानी की टंकियों की सफाई की जानी चाहिए और पीने के पानी को लेकर सावधानी बरती जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि अगर कोई विद्यार्थी अस्वस्थ भी है तो एएनएम की देखरेख में उसका इलाज किया जाना चाहिए और बच्चे की लंबाई और वजन की नियमित जांच की जानी चाहिए और उसका विवरण दर्ज किया जाना चाहिए। पोन्नम ने सलाह दी कि विद्यार्थियों को अच्छी गुणवत्ता वाला पोषण प्रदान करने के अलावा, भोजन पकाते समय भी उचित सावधानी बरती जानी चाहिए।

अधिकारियों को बच्चों को पर्यावरण, कक्षा और छात्रावास के कमरे की सफाई के बारे में शिक्षित करने और बच्चों के लिए हीमोग्लोबिन और विटामिन-डी जैसे परीक्षण करने की भी सलाह दी गई। साथ ही, गुरुकुल स्कूल के प्रधानाचार्यों को स्कूल परिसर को साफ रखने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री पोन्नम ने आगे कहा कि सभी जिलों के कलेक्टरों को सतर्क रहना चाहिए तथा समय-समय पर अपने-अपने क्षेत्रों के गुरुकुल स्कूलों की निगरानी करनी चाहिए, ताकि जगतियाल जिले के मेटपल्ली मंडल के पेद्दापुर समाज कल्याण स्कूल में हुई घटना की पुनरावृत्ति न हो, जहां दो छात्रों की पेट में तेज दर्द के बाद मौत हो गई थी।

अपार्टमेंटों में कचरा संग्रहण के लिए डस्टबिन लगाये जाएं : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त अम्रपाली कट्टा ने अधिकारियों को कचरा संग्रहण की सुविधा के लिए अपार्टमेंट में घर-घर जाने के बजाय एक ही स्थान पर कूड़ेदान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

कमिश्नर अम्रपाली काट्टा ने मंगलवार सुबह अपर और जोनल कमिश्नरों के साथ टेली कॉन्फ्रेंस की।

इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि विभिन्न कारणों से स्वच्छ ऑटो में अपार्टमेंटों में कचरा संग्रहण नहीं हो पाता है, इसलिए यदि गीले एवं सूखे कचरे के लिए डिब्बे लगा दिये जायेंगे, तो स्वच्छ ऑटो को उनमें कचरा लेने में आसानी होगी। बिजली ट्रांसफार्मरों के पास गंदगी फैलाने से रोकने के लिए अधिकारी उचित कदम उठाएं।

संबंधित अधिकारियों को बिना कलमबंद ट्रांसफार्मरों की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को सुझाव दिया गया है कि पार्कों को साफ रखने के लिए वहां कूड़ेदान की व्यवस्था की जाए। यूबीडी अधिकारियों को मोटर चालकों के लिए इसे सुखद बनाने के लिए जंक्शनों पर फूलों के पौधों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। आयुक्त ने फील्ड स्तर के अधिकारियों को मवेशियों को सड़क पर घूमने से रोकने के लिए उचित उपाय करने का आदेश दिया क्योंकि सड़कों पर मवेशियों के घूमने से यातायात समस्या के साथ-साथ दुर्घटनाओं की भी संभावना रहती है।

आयुक्त ने पुलिस कांस्टेबलों के परिजनों को अनुग्रह राशि के चेक सौंपे

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू द्वारा राजू और वसंत प्रसाद के परिवार के सदस्यों को अनुग्रह राशि के चेक सौंपे गए। दोनों राचाकोंडा आयुक्तालय में काम करते थे और हाल ही में बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

राजू के परिवार के सदस्य उनके पिता, माता और पत्नी दो बच्चों को एक लाख 60 हजार रुपये सहित कुल आठ लाख रुपये के चेक सौंपे गए। वसंत प्रसाद की पत्नी और बेटी को 4 लाख 56 हजार रुपये के चेक सौंपे गए। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि उनके बकाया किसी भी बिल का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए। कार्यक्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पुष्पराज, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भद्र रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.